आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अख़बार

यूपी चुनाव भास्कर

चुनाव फ्रंट पेज

अपने शहर की रियल टाइम खबरें पढ़ने के लिए डाउनलोड करें दैनिक भास्कर ऐप

दैनिक भास्कर

रविवार, 27 फरवरी, 2022 फाल्गुन कृष्ण पक्ष-11, 2078

पांचवां रण आजः 693 उम्मीदवारों में 185 पर क्रिमिनल केस, 231 बारहवीं से ज्यादा नहीं पढ़े, 246 करोड़पति

2017 में भाजपा को 61 में 47 सीटें मिली थीं

लखनऊ| उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव के पांचवे चरण के लिए आज वोटिंग होगी। 12 जिलों की 61 सीटों पर 2.25 करोड़ मतदाता 693 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। होंगे। एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक इसमें 185 उम्मीदवारों के खिलाफ क्रिमिनल केस हैं। 231 उम्मीदवार बारहवीं से ज्यादा पढ़े-लिखे नहीं हैं। 231 बारहवीं से ज्यादा नहीं पढ़े हैं। जबकि, 246 उम्मीदवार करोड़पति हैं।

इन जिलों में मतदान..

अयोध्या, प्रयागराज, चित्रकूट सहित श्रावस्ती, बहराइच,गोंडा, बाराबंकी, अमेठी, रायबरेली, सुलतानपुर, प्रतापगढ़ और कौशांबी में वोट डाले जाएंगे।

- भाजपा ने वर्ष 2017 में इस चरण में 47 सीटें जीती थीं। जाहिर है कि भाजपा के लिए ये सीटें बचाना प्रतिष्ठा का विषय है। उधर कांग्रेसी की परंपरागत अमेठी और रायबरेली की एक सीट पर भी आज वोटिंग होनी है।

॥ 5वां चरण राम का ॥

आज 12 जिलों की 61 सीटों पर वोटिंग, लेकिन सबकी नजर अयोध्या पर...

अयोध्या से ग्राउंड रिपोर्ट

अखिलेश सोलंकी

राम के पैदा होने, उनकी लीला और मोक्ष की साक्षी रही हैं सरयू नदी। वाल्मीकि रामायण के मुताबिक.. भगवान राम ने इसी नदी में जल समाधि ली थी। खूबसूरत... कलकल बहते पानी पर मानो आंखें ठहरे ही नहीं। अचानक सवाल कौंधा? अब भी सरय के पानी का ऐसा प्रवाह? **सरयू के पानी में सियासत की माया भी मिली और राम भी...**

कैसे, आइए जानते हैं...

जय श्रीराम के नारे... वोटों में तब्दील होंगे?

रामचरित मानस में तुलसीदास जी ने अवध और सरयू नदी पर लिखा है कि अवधपुरी मम पुरी सुहावनि, दक्षिण दिश बह सरयू पावनि...। अर्थात अयोध्या नगरी की प्रमुख पहचान ही सरयू नदी रही है। राम को भी सरयू बहुत प्रिय रही है। सुहावन तो ये नहर भी लेकिन ये तो नकली है। कुछ वैसा ही जैसा माहौल अयोध्या में दिखाया जा रहा है या यूं कहे कि पहली नजर में दिखाई देता है। 2 बजे रामलला के दर्शन के लिए जब निकले तो पूरे रास्ते में जय श्री राम के नारे में ये समझना मुश्किल नहीं लगा कि चुनाव किधर जा रहा? फिर खुद में सवाल कि कहीं ये सरयू के पानी की तरह छलावा तो नहीं? खैर आगे बढ़े और जब रामलला के सामने पहुंचे तो आंखों में आंसू आ गए। सालों से दर्शन की आस पूरी हुई थी। आसपास कहने वालों की कमी नहीं थी कि रामलला का वैभव देखिए, इन्हें सैकड़ों साल टेंट में रहना पड़ा। जिम्मेदारों को तो गोली मार देनी चाहिए? बात सौ टके सही लगी। दर्शन के बाद बाहर निकले तो चर्चाओं की एक अलग दुनिया मानो प्रतीक्षा कर रही थी। चुनाव गणित की बहस। कौन सी जाति

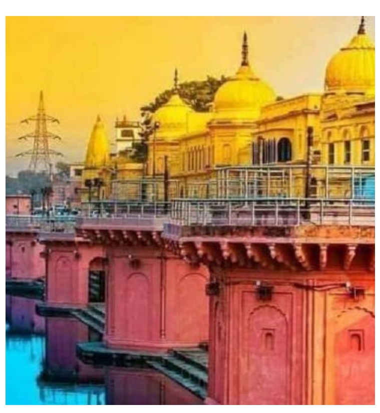

किसके साथ? बहस इस पर भी कि कौन सी पार्टी आएगी तो राम मंदिर का काम रुकेगा और किसके आने से ये और भव्य बनेगा। भाजपा के पास हर सवाल का जवाब है तो बस मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। कहते हैं- उम्मीदवार से क्या करना है। योगी जी मंदिर भी बनवाएंगे और भव्य अयोध्या भी बसाएंगे। बस उनका चेहरा देखिए या कमल का फूल।

दुकान के मालिक कहते हैं मुआवजा तो सरकारी जुमला...

चर्चा शुरू हुई तो कई मत सामने आए। पहला-अब तो ये हाल इन सब का (सभी दुकानों का) होना है। बस चुनाव बीतने दीजिए। बात पूरी होती इससे पहले दूसरे की बात...कैसी बात कर रहे? मुआवजा भी तो मिला। मोटा मुआवजा? लोग तो चाहते हैं कि उनकी दुकान भी टूटने वालों में शामिल हो। मालिक को किराया इतना कम मिलता है कि मुआवजा वह खुशी-खुशी लेगा। वहीं बाकी दुकानदार इससे सहमत नहीं थे। उनका कहना है ये सरकार के जुमले हैं। सब कागजों में है? खैर दो बजने को थे। हम रामलला के दर्शन के लिए निकले। जाहिर है, पहले हनुमानगढ़ी पहुंचे। दर्शन के बाद पुजारी ने बताया कि नाराजगी थोड़ी बहुत है। लेकिन लोग विकास से तो खुश होंगे ही। हमारे सामने के रास्ते से होकर ही राममंदिर का मुख्य मार्ग निकलेगा। बाकी मंदिरों का क्या होगा? इस सवाल से उनका तो कोई वास्ता था ही नहीं। इसलिए शायद इसे उन्होंने अनसुना ही कर दिया।

अरे ये सरयू तो चुनावी छलावा है...

जैसे जैसे राममंदिर से आगे बढ़ते हैं, जय श्री राम से बात रोजी-रोटी पर आ जाती है। दुकानों को तोड़ने से लेकर छोटे-छोटे मंदिर के अस्तित्व के खत्म होने तक की बात ऐसे होती है, मानो मुख्य राम मंदिर से इनका कोई वास्ता ही नहीं। बाहर की सीटों पर तो जय श्री राम के नारे और कम सुनाई देते हैं। वह भी तब जब मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी भी वहां आने वाले थे। चुनाव की तैयारी से अबतक योगी ने अयोध्या आगमन का अर्द्धशतक तो पूरा कर ही लिया है। यहां तो उनके खुद के भी चुनाव लड़ने की संभावना थी। फिर ऐन मौके पर उन्होंने गोरखपुर से ही खड़ा होना बेहतर समझा। लेकिन अयोध्या की इस सीट की जीत हार हर हाल में योगी की जीत हार से जोड़कर ही देखी जाएगी। हम सरयू तट पर पहुंचे। जीवन भर का ज्ञान सामने आने लगा। ये सोचकर कि इसी सरयू नदी में श्रीराम ने जल समाधि ले ली थी... ॐ का उच्चारण करते

हुए राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न ने भी जल समाधि ली थी, मन किया कि उसमें एक बार तो डुबकी लगानी ही चाहिए। लेकिन पानी से आचमन करते वक्त महक ने बता दिया कि यह बहता हुआ पानी नहीं। ये हमें दिखाने के लिए बनाए गए किसी स्विमिंग पूल की तरह ही है। असली सरयू के लिए हमें दिख रहे बांध के उस पार जाना था। आपकी तरह हमारे पास भी समय नहीं था। हम तो चुनाव का हाल जानने गए थे। पता चल गया था। लौटना था। लौट आए। रास्ते में सोचते हुए कि कहीं हमारी तरह वोटर भी तो हकीकत जानता है, लेकिन वहां तक जाने देखने का उसके पास भी समय नहीं। जो पास आया, जिसने वोटर पर्ची दी... उसको वोट। यानी पूरा चुनाव मैनेजमेंट का खेल। 10 को रामनगरी बताएगी कि असली सरयू तक कौन-कौन पहुंचा? और किसे सियासत के राम मिले?

भाजपा विधायक ने की **तेल मालिश...**

सोनभद्र में उठक-बैठक करने वाले भूपेश चौबे ने पहले पैर छुए, फिर बुजुर्ग की मालिश शुरू कर दी

सोनभद्र | राजनीति में साम-दाम और दंड-भेद सब जायज है। कुछ ऐसा ही दांव सोनभद्र में भाजपा विधायक भूपेश चौबे लगा रहे हैं। भूपेश रॉबर्ट्सगंज से विधायक हैं, इस बार विधानसभा चुनाव में उन्हें फिर से पार्टी ने टिकट दिया है। तीन दिन पहले उनका भरी सभा में उठक-बैठक करने का वीडियो सामने आया था, अब वे एक बुजुर्ग के पैरों में तेल मालिश करते नजर आए हैं। बुजुर्ग यह भी बता रहा है कि उसे शरीर में कहां-कहां दर्द है। विधायक ने बुजुर्ग की बताई हुए जगहों पर मालिश की।

नामांकन के बाद नंगे पैर कर रहे थे प्रचारः विधायक भूपेश चौबे ने नामांकन के बाद चप्पल जूते का त्याग कर नंगे पैर ही प्रचार करना शुरु कर दिया था। इतना ही नहीं उन्होंने कुछ दिन पहले *कार्यकर्ता सम्मेलन में मंच पर कान पकड़ कर कार्यकर्ताओं के सामने उठक बैठक भी की थी।*

गोरखपुर में अनुराग ठाकुर बोले

सपा के आतंकियों से संबंध है... उनके प्रत्याशी जेल व बेल पर हैं

गोरखपुर|केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर इस समय गोरखपुर में हैं। यहां वे लगातार सपा पर हमलावर हैं। टाउनहाल स्थित भाजपा मीडिया सेंटर में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सपा के आतंकवादियों से संबंध है। उनके प्रत्याशी लिस्ट में केवल जेल व बेल वाले हैं। उन्होंने जनता से अपील की कि'जिसने रामभक्तों को भूना, कर दो उनका ईवीएम सूना'। कहा कि गोरखपुर में लोग एम्स में इलाज कराने के लिए आते हैं। फर्टिलाइजर कारखाने से किसानों को खाद मिलती है। यहां से योगी जी को पांच बार सांसद और पांच साल मुख्यमंत्री रहने का अवसर मिला। पहले चार चरण पूरे होने के बाद कह सकता हूं कि सपा, बसपा और कांग्रेस की सफाई करने का काम हुआ है। उन्होंने कहा कि बसपा और कांग्रेस का सफाया हुआ।

मुख्यमंत्री चोंगा पहनकर करते हैं ढोंग, जया बच्चन बोलीं...

तीर्थयात्रा पर जाएं, कुटिया में समाधि लें, योगी हैं तो सीएम पद का लालच क्यों

भास्कर न्यूज़| जौनपुर

सपा से राज्यसभा सांसद और बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन की पत्नी जया बच्चन ने शनिवार को जौनपुर में सभा की। इस दौरान वे भाजपा और सीएम योगी पर बेहद आक्रामक नजर आईं। जया ने कहा, योगी समाजवादियों को परिवारवादी कहते हैं। मैं कहती हूं कि उन्हें परिवार का क्या मतलब? महिलाओं की तकलीफ को क्या समझेंगे, वो सबकुछ त्यागकर बैठे हैं। बैठे हैं चोगा पहनकर। ढोंग रचा रहे हैं।आप भगवा पहनकर इतनी घिनौनी बात करते हैं। योगी हो करके अगर सबकुछ त्याग दिया है तो फिर मुख्यमंत्री पद का लालच क्यों है? भोग के लिए यहां क्यों बैठे हुए हैं? यह सब

काम छोड़िए, तीर्थयात्रा पर जाइए। कुटिया में बैठकर समाधि लीजिए। भाजपा प्रवक्ता प्रशांत उमराव ने जया बच्चन पर पलटवार किया है। प्रशांत ने कहा कि घर की थाली में छेद का मानसिक स्तर पर गहरा असर हुआ है कि पागलपन में भगवा साधू पर अपशब्दों का प्रयोग करने लगीं।

वोटिंग डे से पहले सांसद वरुण गांधी फिर अपनी सरकार पर हमलावर, बोले...

देश के आर्थिक शत्रुओं पर रहमत अली का बोझ हम हिंदुस्तानी अपने कंधों पर ढो रहे हैं

भास्कर न्यूज़| पीलीभीत

अपनी ही सरकार पर हमलावर बीजेपी सांसद वरुण गांधी का ट्वीट वॉर थमने का नाम नहीं ले रहा है। सांसद वरुण गांधी ने शनिवार को अपने ट्विटर एकाउंट से ट्वीट कर एक बार फिर देश के आर्थिक शत्रुओं के खिलाफ मोर्चा खोला है। सांसद वरुण गांधी ने 67 हजार करोड़ रुपए की चोरी कर देश छोड़ चुके धनपशुओं से 7 सालों में मात्र एक चौथाई धन की वसूली पर सवाल खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि यह कतई पर्याप्त नहीं है। देश के आर्थिक शत्रुओं पर इस रहमत अली का बोझ आम हिंदुस्तानी अपने कंधों पर ढो रहे हैं। वो भी तब जब बचत खाते की ब्याज दरें आज ऐतिहासिक रूप के निचले स्तर पर हैं।

पहले भी कर चुके हैं हमला

ये कोई पहला मामला नहीं है कि बीजेपी सांसद वरुण गांधी ने आर्थिक शत्रुओं के खिलाफ आवाज उठाई हो। इससे पहले भी सांसद वरुण गांधी लगातार धनपशुओं के खिलाफ ट्वीट के जरिए हमलावर रहे हैं। ऐसे में एक बार फिर शनिवार को ट्विटर के जरिए सांसद वरुण गांधी ने करोड़ों रुपए लेकर देश छोड़ चुके घोटाले बाजों पर निशाना साधा है।

वोटिंग से पहले आया नेहा सिंह का नया गाना

किसानों के मुद्दे पर सरकार को घेरा बोलीं- फसलों का नहीं मिलता दाम

भास्कर न्यूज़|वाराणसी

उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में 'यूपी में का बा' गाने से सुर्खियों में रहीं लोक गायिका नेहा सिंह राठौर ने शनिवार की सुबह अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर 4 मिनट 19 सेकेंड का नया गाना पोस्ट किया। नेहा का यह गाना किसानों की हाड़तोड़ मेहनत पर आधारित है। उन्होंने इस गाने का शीर्षक रखा है भादो-आषाढ़ चाहे जेठ के घाम केहू बूझे नाहीं हो। गाने के माध्यम से उन्होंने बताया है कि किसान साल के बारहों महीने काम करता है। घर छोड़ कर ज्यादातर समय खेत पर ही बिताता है। इसके बाद भी किसान को उसकी फसल का उचित दाम नहीं

मिल पाता है। मंत्री-विधायक सिर्फ अपना हित साधने में लगे रहते हैं और जब उनसे कोई काम कहा जाता है तो उसे न सुनने के साथ ही वह चुप्पी भी साध लेते हैं।

यह है नेहा का नया गाना

भादो-आषाढ़ चाहे जेठ के घाम केहू बूझे नाहीं हो...। बारहों महीना नाहीं करे आराम केहू बूझे नाहीं...। खेतवा में रोपनी किसनवा करेला हो...। खून-पसीना से माटी के सींचेला हो...।

लड़की हूं... पर दो महिला नेत्रियों में लड़ाई... स्मृति ने किया था कटाक्ष, कांग्रेस-सपा का आतंक से नाता बताया था

प्रियंका का स्मृति ईरानी को जवाब... हां मेरा नाता है आतंकवाद से, मेरे परिवार के सदस्य शहीद हुए हैं देश के लिए; बंद करिए यह सब कहना

भास्कर न्यूज़| लखनऊ

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के उस बयान पर पलटवार किया है, जिसमें उनके परिवार का नाता आतंकवाद से जोड़ा गया था। प्रियंका ने कहा, 'हां, मेरा आतंकवाद से नाता है। मेरे पिता को आतंकवादियों ने मारा और मेरी दादी को भी। हां मेरा नाता है आतंकवाद से, मेरे परिवार के लोग शहीद हुए हैं इस देश के लिए। बंद करिए ये सब कहना'। प्रियंका ने यह जवाब एक चैनल के इंटरव्यू में दिया। दरअसल, यह विवाद प्रियंका के उस बयान से पैदा हुआ, जिसमें उन्होंने कहा था कि भाजपा धर्म की बात कर जज्बात से खेल रही है। उन्होंने कहा था कि मैं फिजूल की बातों का जबाव नहीं देती हूं, क्योंकि मैं समझती हूं कि चुनाव में आतंकवाद की बात करना फिजूल हैं।

स्मृति ईरानी Vs प्रियंका गांधी

स्मृति ईरानी... क्या अहमदाबाद ब्लास्ट के एक आतंकी के परिवार से इनके संबंध नहीं है... क्या इस पर बात नहीं होनी चाहिए। क्या कांग्रेस आतंकियों के प्रति सहानुभूति नहीं रखती थी?

प्रियंका गांधी... बंद करिए ये सब कहना'। क्योंकि मेरे पिता और दादी को आतंकियों ने मारा, इस देश के लिए मेरे परिवार के लोग शहीद हुए हैं।

मोदी ने कहा था- आतंकियों से ये लोग सहानुभूति रखते हैं

प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस और सपा पर तंज कसते हुए कहा था कि ये आतंकवादियों के प्रति सहानुभूति रखते हैं। पिछले दिनों अमेठी अपने संसदीय क्षेत्र पहुंची स्मृति ईरानी ने प्रियंका के थीम स्लोगन लड़की हूं लड़ सकती हूं...पर कटाक्ष किया था। कहा था कि अमेठी में ही प्रियंका को कोई महिला उम्मीदवार नहीं मिली। उन्होंने यह भी कहा कि क्या अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट के एक आतंकी के परिवार का सपा से संबंध नहीं है? इस पर बात नहीं होनी चाहिए। क्या कांग्रेस आतंकियों के प्रति सहानुभूति नहीं रखती थी?

एडीआर रिपोर्ट

5वें चरण में 185 दागी प्रत्याशी, 231 बारहवीं से ज्यादा नहीं पढ़े...

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के पांचवें चरण में 61 सीटों से चुनाव लड़ने वाले 693 में से 685 उम्मीदवारों के शपथपत्रों का एडीआर ने विश्लेषण किया है। 8 उम्मीदवारों का शपथपत्र स्पष्ट ना होने के कारण विश्लेषण नहीं किया जा सका है। उम्मीदवारों द्वारा घोषित आपराधिक मामले में 185 (27%) उम्मीदवारों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किए हैं, वहीं गंभीर आपराधिक मामले 141 (21%) है।

सपा : 71% पर क्रिमिनल केस

समाजवादी पार्टी के 59 में से 42	71%
अपना दल सोनेलाल के 7 में से 4	57%
बीजेपी के 52 में से 25	48%
बसपा के 61 में से 23	38%
कांग्रेस के 61 में से 23	38%
आम आदमी पार्टी के 52 में से 10	19%

भाजपा : 42% पर गंभीर केस

समाजवादी पार्टी– 59 में से 29	49%
अपना दल सोनेलाल के 7 में से 2	29%
बीजेपी के 52 में से 22	42%
बसपा के 61 में से 17	28%
कांग्रेस के 61 में से 17	28%
52 में से 7	14%

49% गंभीर आपराधिक मामले में भी सपा के उम्मीदवारों की संख्या सबसे ज्यादा है

21 क्रिमिनल केस हैं बसपा के यशभद्र पर

पांचवें चरण में उम्मीदवारों द्वारा घोषित आपराधिक मामलों में पहले स्थान पर बसपा से यशभद्र सिंह हैं। वे सुल्तानपुर के इसौली सीट से उम्मीदवार हैं। उन पर 21 मामले दर्ज हैं (गंभीर धाराएं 26), दूसरे स्थान पर प्रयागराज जनपद के इलहाबाद उत्तर सीट से सपा के संदीप यादव हैं जिनके ऊपर 35 मामले (गंभीर धाराएं 24) और तीसरे स्थान पर सपा बहराइच के पयागपुर विधानसभा क्षेत्र से मुकेश श्रीवास्तव है जिन पर 9 मामले दर्ज हैं।

12 लोगों पर महिला अत्याचार के केस

12 उम्मीदवारों ने महिलाओं के ऊपर अत्याचार से सम्बन्धित मामले घोषित किये हैं। इन 12 में से 1 उम्मीदवार ने अपने ऊपर बलात्कार (आईपीसी-376) से सम्बन्धित मामले घोषित किए हैं। 8 उम्मीदवारों ने अपने ऊपर हत्या (आईपीसी-302) से सम्बन्धित मामले घोषित किये हैं। वही 31 उम्मीदवारों ने अपने ऊपर हत्या का प्रयास (आईपीसी-307) से सम्बन्धित मामले घोषित किये हैं।

उम्र... 248 उम्मीदवार 40 वर्ष से कम के

248 (36%) उम्मीदवारों ने अपनी आयु 25 से 40 वर्ष के बीच घोषित की हैं, जबकि 368 (54%) उम्मीदवारों ने अपनी आयु 41 से 60 वर्ष के बीच घोषित की हैं 69 (10 %) उम्मीदवारों ने अपनी आयु 61 से 80 वर्ष के बीच घोषित की हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 के पांचवें चरण में 90 (13%) महिला उम्मीदवार चुनाव लड़ रही हैं।

246 उम्मीदवार करोड़पति

हम करोड़पति उम्मीदवारों कि बात करे तो 246 (36%) पांचवें चरण में करोड़पति उम्मीदवार हैं।

बीजेपी के 52 में से 47	90%
अपना दल सोनेलाल के 7 में से 6	86%
समाजवादी पार्टी के 59 में से 49	83%
बसपा के 61 में से 44	72%
कांग्रेस के 61 में से 30	49%
आम आदमी पार्टी के 52 में से 11	21%

मयंकेश्वर शरण सिंह 58 करोड़ के मालिक...

भाजपा के जनपद अमेठी से तिलोई से उम्मीदवार मयंकेश्वर शरण सिंह ने अपनी संपत्ति 58 करोड़ बताई है। कुंडा से भाजपा के सिंधुजा मिश्रा सेनानी के पास संपत्ति 52 करोड़ की है। भाजपा के जनपद अमेठी सीट से डॉ संजय सिंह के पास 50 करोड़ की संपत्ति है।

शैक्षणिक योग्यता... 231 प्रत्याशी 12वीं से ज्यादा नहीं पढ़े

- 231 (34%) उम्मीदवारों ने शैक्षिक योग्यता 5वीं और 12वीं के बीच घोषित की है।
- 407 (59%) ने शैक्षिक योग्यता स्नातक और इससे ज्यादा घोषित की हैं।
- 2 उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षिक योग्यता डिप्लोमा धारक घोषित की हैं। वहीं 32 उम्मीदवारों ने शैक्षिक योग्यता साक्षर
- 6 उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षिक योग्यता असाक्षर घोषित की है। 7 उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षिक योग्यता घोषित नहीं की है

चुनावी खेला तेज... योगी बोले- स्नेह और राष्ट्रवाद की ऐतिहासिक विजय है, डिंपल बोलीं- सरकार धोखेबाज

पिपराइच में योगी ने की सभा

गोरखपुर. सीएम योगी शनिवार को गोरखपुर के पिपराइच पहुंचे। उन्होंने कहा क्षेत्र की जनता का ये स्नेह और प्रबल उत्साह विकासवाद, राष्ट्रवाद की ऐतिहासिक विजय व घोर परिवारवाद तथा माफियावाद की प्रचंड पराजय का उद्घोष है। योगी ने कहा यहां हर बूथ पर कमल खिलेगा।

जौनपुर में डिंपल यादव ने बोला हमला

जौनपुर. सपा की पूर्व सांसद डिम्पल यादव ने सभा में कहा गर्मी निकालने वालों का पता नहीं चल रहा है। महंगाई दोगुनी हो गयी। किसानों, नौजवानों को सरकार ने धोखा दिया। यह चुनाव जनता लड़ रही है। जनता विकास और महिला सुरक्षा के लिए समाजवादी पार्टी की सरकार ला रही है।

ग्राउंड रिपोर्ट • गांधी परिवार के गढ़ अमेठी में कांग्रेस कितने नंबर पर

कभी राजघराने के करीबी रहे संजय ही जड़ खोद रहे, पूर्व मंत्री के परिवार का अनोखा चुनाव प्रचार

भास्कर न्यूज | लखनऊ

कांग्रेस का गढ़ ... यानी अमेठी। कांग्रेस के गढ़ में दाखिल होते ही ऊंची दुकान, फीके पकवान जैसा एहसास होता है। देश के सबसे बड़े राजनीतिक परिवार का नाम जुड़ा होने के बावजूद अमेठी अपेक्षित विकास की राह पर दौड़ नहीं सका। जगदीशपुर चौराहे की चाय की दुकान पर राजनीतिक चर्चाओं से कांग्रेस गायब मिली। लोग कहते सुने गए कि कांग्रेस ने यहां कुछ नहीं किया। अगर डेवलपमेंट हुए होते तो राहुल गांधी नहीं हारते.. स्मृति ईरानी नहीं जीततीं। इस बार भाजपा और कांग्रेस ने दलबदल की राजनीति करने वाले दो चेहरों को प्रत्याशी बनाया है।

डॉ. संजय सिंह ठेठ देहाती भाषा में लोगों से बात कर रहे हैं। एक जमाने में गांधी परिवार के सबसे करीबी कहे जाने वाले डॉ. संजय अब गांधी परिवार की जड़ों में ही मट्ठा डाल रहे हैं। वह हर जगह कह रहे हैं कि अरे गांधी परिवार का अमेठी से क्या नाता है? गांधी परिवार को यहां लाने वाले हम हैं। अमेठी हमारी थी.. हमारी है। आप लोगों की है, वो लोग कौन हैं? इसपर जनता खूब तालियां बजा रही है। संजय के पास अमेठी को लेकर कोई बड़ा प्लान तो नहीं है। वह सिर्फ वोटर्स को यही बता रहे हैं कि अमेठी गांधी परिवार की नहीं है, बल्कि वहां के राजा और अवाम की है।

पत्नी-बेटी रो-रोकर वोट मांग रही

सपा से पूर्व खनन मंत्री गायत्री प्रजापति की पत्नी महाराजी प्रजापति मैदान में हैं। गायत्री खुद तो बलात्कार के आरोप में जेल में हैं लेकिन उनकी बेटी आकांक्षा और पत्नी ने चुनावी कमान बखूबी संभाल रखी है। इन्हें देखने के लिए खूब भीड़ उमड़ती है। आकांक्षा और महाराजी फफक-फफककर, रो-रोकर इस तरह से वोट मांग रही हैं।

आइए आपको अमेठी के रणबांकुरों के बारे में बताते हैं...

• अमेठी : उधार के खिलाड़ियों से लड़ाई

राजघराने की बहू गरिमा सिंह मौजूदा विधायक है। ये डॉ. संजय सिंह की पहली पत्नी हैं, वहीं संजय जिन्होंने 2019 में कांग्रेस का हाथ छोड़ा था। भाजपा ने यहां संजय पर दांव खेला है। जबकि गरिमा बेटे के लिए टिकट मांग रही थी। इस सीट पर 30 साल तक गांधी परिवार ने राज किया है। लेकिन अब कांग्रेस को यहां अस्तित्व बचाने के लिए पूरा जोर लगाना पड़ रहा है। कांग्रेस ने आशीष शुक्ला को प्रत्याशी बनाया है।

• जगदीशपुर : यहां के वोटर्स बंटते दिख रहे

जगदीशपुर सीट अमेठी में राहुल गांधी का गढ़ कही जाती है। यहां चौराहे चाय बेचने वाले राकेश बताते हैं यहां 3 पासी जाति के उम्मीदवार हैं। इस सीट पर 1.20 लाख पासी हैं। 1 लाख मुस्लिम हैं। 3 पासी प्रत्याशियों की वजह से वोट बंट सकता है। मुस्लिम जिस ओर वोट करेंगे, उसके जीतने के चांसेज बढ़ जाएंगे। भाजपा ने यहां से सुरेश पासी, कांग्रेस ने विजय पासी और सपा ने विमलेश सरोज को मैदान में उतारा है।

• तिलोई : चुटिया वाले बयान से नाराजगी

यहां से मयंकेश्वर शरण सिंह भाजपा से विधायक हैं। वह तिलोई राजघराने के राजा हैं। कांग्रेस से प्रदीप सिंघल चुनाव लड़ रहे हैं। सपा से मोहम्मद नईम मैदान में है। प्रदीप सिंघल कांग्रेस के वर्तमान जिलाध्यक्ष हैं। यहां 1.40 लाख मुस्लिम वोटर हैं। जो कि जीत-हार के निर्णायक होंगे। तिलोई की एक खासियत है कि यहां भाजपा राज में एक मेडिकल कॉलेज बनवाया जा रहा है। मयंकेश्वर स्मृति ईरानी के खास माने जाते हैं।

• गौरीगंज : राजा भैया बिगाड़ रहे यहां चुनावी गणित

गौरीगंज सीट सपा का गढ़ मानी जाती है। यहां से सपा के मौजूदा विधायक राकेश प्रताप सिंह 2 बार से लगातार जीत रहे हैं। उनके सामने ये चुनौती है कि यहां से राजा भैया की पार्टी लोकतांत्रिक जनसत्ता दल ने पहली बार अपने प्रत्याशी को मैदान में उतारा है। बताया जा रहा है कि राजा भैया चाहते थे कि राकेश प्रताप उनकी पार्टी से चुनाव लड़ें, लेकिन राकेश ने मना कर दिया। जिसके बाद राजा भैया ने अपने प्रत्याशी चौधरी नफीस खान को मैदान में उतार दिया है। अब समाजवादी का वोट राकेश प्रताप सिंह और चौधरी नफीस खान में बंटेगा। गौरीगंज में कांग्रेस प्रत्याशी फतेह बहादुर सिंह हैं। वे गांधी परिवार का करीबी भी हैं।

भाजपा विधायक श्याम प्रकाश की विवादित पोस्ट, बोले-

मुस्लिमों की बढ़ती जनसंख्या देश के लिए घातक, इस पर सख्त कानून बनना चाहिए

भास्कर न्यूज | हरदोई

हरदोई की गोपामऊ विधानसभा से विधायक श्याम प्रकाश ने फेसबुक पर एक विवादित पोस्ट लिखी है। श्याम प्रकाश ने अपनी फेसबुक प्रोफाइल पर दो फोटो शेयर करते हुए लिखा कि देश में मुसलमान और मीडिया की बढ़ती जनसंख्या देश के लिए घातक है। इनकी जनसंख्या नियंत्रण और मीडिया की गरिमा को बचाने के लिए सख्त कानून बनना ही चाहिए। श्याम प्रकाश ने लिखा यह मेरे निजी विचार हैं।

श्याम प्रकाश पहले भी इस तरह की तमाम विवादित पोस्ट लिख चुके हैं। इससे पहले की पोस्टों में उन्होंने किसी धर्म या जाति पर टिप्पणी नहीं की, बल्कि अपनी ही सरकार पर सवाल उठाए हैं। इसके अलावा बीजेपी सरकार के कार्यकाल के दौरान हो रहे भ्रष्टाचार पर भी उन्होंने सवाल उठाए थे। जिसके बाद से वो सुर्खियों में रहे। बीजेपी आलाकमान की तरफ से उनको नोटिस भी जारी किया गया था। 23 फरवरी को हरदोई में मतदान हुआ। गोपामऊ विधानसभा से बीजेपी विधायक पार्टी के प्रत्याशी भी हैं। वोटिंग के बाद उनकी इस तरह की पोस्ट आने के बाद तमाम लोग विधायक पर अलग-अलग तरह की टिप्पणी कर रहे हैं।

बूथ के अपराधियों की सूची बना रही **गोरखपुर पुलिस**

शांतिपूर्ण चुनाव के लिए हर थाने में एक टीम, जुटा रही जानकारी

भास्कर न्यूज | गोरखपुर

गोरखपुर पुलिस और प्रशासन विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से कराने के लिए हर प्रयास कर रही है। पुलिस अब तीन दिन के भीतर हर बूथ पर जाएगी और सर्वे करेगी। पुलिस हर बूथ से संबंधित 11 बिंदुओं पर ब्योरा जुटाएगी। इसके लिए हर थाने से एक दरोगा और दो पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। बकायदा इन्हें एक बुकलेट भी दी गई है, जिसमें उन 11 बिंदुओं का जिक्र है, जिसकी जानकारी जुटानी है। साथ ही इसके पुलिसकर्मियों का नाम और मोबाइल नंबर भी दर्ज होगा।

ये जानकारी जुटाएगी पुलिस

पुलिस जानकारी जुटाएगी कि उस बूथ में कितने अपराधी हैं, किस पर कितने केस दर्ज हैं, बूथ के चौकीदार कौन हैं, संबंधित प्रधान, ग्राम पंचायत सदस्य, पार्षद कितने हैं। वहीं, पुलिस यह भी जानकारी रखेगी कि बूथ पर कितने असलहाधारी हैं और उनकी स्थित क्या है। यानि असलहे जमा हैं या उनके पास हैं।

पलटवार • सिराथू में चुनावी सभा में पूर्व सांसद डिंपल यादव ने सीएम योगी के पहनावे पर दिया था बयान

योगी के पहनावे वाले बयान पर महंत बोलीं- डिंपल यादव के परिवार के हाथ रामभक्तों के खून से सने हैं

भास्कर न्यूज | गाजियाबाद

सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल द्वारा सीएम योगी आदित्यनाथ के कपड़ों को लेकर दिए गए बयान पर गाजियाबाद के प्रमुख डासना देवी मंदिर की महंत चेतनानंद सरस्वती ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने शनिवार को एक बयान जारी करके कहा, 'डिंपल की टिप्पणी को मैं उनकी मानसिक विक्षिप्तता के तौर पर देखती हूं। जिस तरह से उनके परिवार के लोगों के हाथ खून से सने हुए हैं। सत्य, सनातन, संस्कृति इस बात की गवाह रहेगी कि उनके परिवार के लोगों ने हमारे खून को बहाकर सरयू नदी को लाल कर दिया था'। यूपी के कौशांबी जिले के सिराथू में एक चुनावी सभा में पूर्व सांसद डिंपल यादव ने सीएम योगी के पहनावे पर एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा, जिस रंग के हमारे मौजूदा मुख्यमंत्री कपड़े पहनते हैं, उसी रंग का जंग होता है, तो ऐसे जंग वाले इंजन को हटाने का समय आ गया है।

महंत चेतनानंद सरस्वती

डिंपल यादव पर मानसिक विक्षिप्तता सवार है

चेतनानंद सरस्वती ने कहा कि राम भक्तों का खून सरयू नदी में मिला हुआ है। वह सदियों तक गवाही देगा कि हमने श्रीराम मंदिर बनाने के लिए अपने खून से उस जल को लाल किया था। आज जब हम भव्य राम मंदिर निर्माण की तरफ बढ़ रहे हैं और जिस तरह से भगवा रंग का तेज दशों-दिशाओं में अपना प्रकाश फैला रहा है, उससे यह स्पष्ट होता है कि डिंपल यादव पर मानसिक विक्षिप्तता सवार है। एक मानसिक विक्षिप्त व्यक्ति के लिए कोई भी टिप्पणी करना उचित नहीं है।

सिराथू में यह कहा था डिंपल यादव ने...

सिराथू पहुंची पूर्व सांसद डिंपल यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए आज कहा था कि यूपी में डबल इंजन की सरकार है। इंजन की बात होती है तो बता दें कि उसमें लोहा इस्तेमाल होता है। लोहे में लगे जंग का रंग क्या होता है? जिस रंग के हमारे मुख्यमंत्री कपड़े पहनते हैं उसी रंग का जंग होता है। तो ऐसे जंग वाले इंजन को हटाने का समय आ गया है। यूपी को पटरी पर लाने का समय आ गया है।

भास्कर इंटरव्यू • गोसाईगंज से भाजपा कैंडीडेट आरती तिवारी बोलीं-

जनता का आशीर्वाद हमारे साथ है, मेरा मुकाबला प्रदेश के बड़े माफिया से

भास्कर न्यूज | अयोध्या

अयोध्या के गोसाईगंज से आरती तिवारी भाजपा से चुनाव लड़ रही हैं। उनका कहना है कि जनता का आशीर्वाद उनके साथ है। उनके पति इंद्रप्रताप तिवारी खब्बू पर उन्हें जेल से चुनाव लड़ाने का आरोप विरोधियों का प्रोपेगैंडा है। आरती ने कहा कि मैं खुद न तो बाहुबली हूं और न माफिया। मेरा मुकाबला प्रदेश के बहुत बड़े माफिया से हैं।

पेश है उनसे बातचीत के प्रमुख अंश...

▪ आपके चुनावी मुद्दे क्या हैं?
हमारे पति खब्बू तिवारी ने विधायक रहते पांच साल में क्षेत्र में सड़क, बिजली, पानी और घर आदि मूलभूत सुविधाओं का भरपूर विकास किया है। जो भी काम बचा है, उसे क्षेत्र के लोगों की राय से पूरा कराया जाएगा।

▪ आप महिला हैं और महिलाओं की सुरक्षा के लिए क्या करेंगी?
देखिए, महिलाओं की सुरक्षा के लिए भाजपा की सरकार ने अनेक बेहतर योजनाएं लागू की हैं। इन्हें प्रभावी रूप से लागू कराने के साथ महिलाओं की सुरक्षा हमारा लक्ष्य है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच लोगों के घर तक हो और सरकारी सुविधाओं का लाभ उन्हें सरलता से मिले। यही प्राथमिकता रहेगी।

▪ सपा का आरोप है कि आपके पति खब्बू तिवारी जेल से चुनाव लड़ा रहे हैं?
मेरे पति फैजाबाद जेल में चार महीने से बंद हैं। चार महीने से मैं उनका चेहरा नहीं देख सकी हूं। बहुत कहने पर मेरी डेढ़ साल की बेटी श्रीजी दीपावली पर अपने पापा से मिल पाई थी। मैं एक घरेलू महिला हूं और बीमार सास, दुंधमुही बेटी सबका ध्यान रखना है। मैं अपनी पीड़ा किससे कहूं। जब दर्द असहनीय होता है तो वह आंसू के रूप में छलक पड़ता है। मैं खुद न तो बाहुबली हूं और न माफिया, लेकिन मेरा मुकाबला प्रदेश के बहुत बड़े माफिया से हैं।

सुविचार
जब आप भीड़ से ऊपर खड़े होते हैं, तो आपको अपने ऊपर फेंके जाने वाले पत्थरों के लिए भी तैयार रहना चाहिए।

अभी मास्क भी वैक्सीन है™
दैनिक भास्कर

अपने शहर की रियल टाइम खबरें पढ़ने के लिए डाउनलोड करें दैनिक भास्कर ऐप

दैनिक भास्कर

रविवार, 27 फरवरी, 2022 फाल्गुन कृष्ण पक्ष-11 2078

रूस-यूक्रेन युद्ध

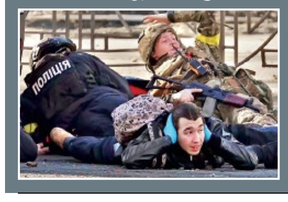

अब गली-गली गनफाइट

राजधानी कीव पर कब्जे की जंग, नागरिक भी मोर्चे पर डटे

- रूसी सैनिकों ने राजधानी कीव को घेर रखा है, कीव की गलियों में जंग जारी है
- **रूसी एजेंसियों का दावा-** यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की कीव छोड़कर भागे
- **जेलेंस्की ने कहा-** देख लो, कीव की सड़क पर हूं, आखिरी दम तक लड़ेंगे

रूसी सेना के सामने डटे यूक्रेन के लड़ाके, कीव में कड़ा संघर्ष

© The New York Times
दैनिक भास्कर से विशेष अनुबंध के तहत

कीव| यूक्रेन की राजधानी कीव पर कब्जे को आतुर रूसी सेना को शनिवार को पलटवार झेलना पड़ा। रूसी सेना को ऐसी उम्मीद नहीं थी, क्योंकि शहर के बाहरी इलाकों में टकराव नहीं के बराबर था। लेकिन, कीव के अंदरूनी इलाकों में हालात अलग हैं। यहां हजारों आम नागरिक भी हथियार लेकर सैन्य टुकड़ियों के साथ शामिल हो चुके हैं। बदले हुए हालात ने रूसी सैन्य कमांडरों के सामने नई चुनौती पैदा कर दी है। अगर रूसी सेना कदम नहीं रोकती तो उसे नागरिकों को निशाना बनाना पड़ता, ऐसे में नागरिकों का खून बहाए बिना सत्ता बदलने का रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन का दावा झूठा साबित होता। रूस ने कहा कि यूक्रेन ज्यादा दिन तक नागरिकों को ढाल नहीं बना पाएगा।

- **जेलेंस्की ने मोदी से यूएनएससी में समर्थन मांगा,** क्योंकि भारत, चीन व सऊदी अरब ने वोटिंग से हिस्सा नहीं लिया।
- **आर्थिक प्रतिबंधों के जवाब में पुतिन का एलान-** रूस में अमेरिका, यूरोपीय देशों की संपत्तियां जब्त होंगी। यूक्रेन पर हमले तेज किए जाएंगे। शेष पेज-07 पर

भारतीयों की वापसी शुरू, 219 छात्र मुंबई पहुंचे

भारत ने यूक्रेन में फंसे भारतीयों की वतन वापसी शुरू कर दी है। करीब 2 हजार भारतीय रोमानिया और पोलैंड के सीमावर्ती इलाकों में पहुंच रहे हैं। ज्यादातर छात्र हैं। एअर इंडिया का विमान रोमानिया से 219 छात्रों को लेकर मुंबई पहुंचा। एक और विमान आने वाला है। इसी तरह पोलैंड से भी भारत के लिए विशेष उड़ानें शुरू होंगी।

...और घर-घर दहशत

राजधानी में कर्फ्यू लगा, खाने-पीने का सामान खत्म हो रहा

कीव में जगह-जगह बंकर बन रहे हैं। लाखों लोग 3 दिन से अंडरग्राउंड रेलवे लाइनों में बैठे हैं। खाने-पीने का सामान खत्म होने हो रहा है। राजधानी कीव में कर्फ्यू लगा दिया गया है। लोग या तो घरों में हैं या बंकरों में। हालांकि सैकड़ों युवा ऐसे भी हैं, जो हथियार उठाकर अपने-अपने इलाकों में पहरा दे रहे हैं।

पोलैंड बॉर्डर पर यूपी के 25 स्टूडेंट्स फंसे

-5^0 की ठंड में बिताई रात, 19 घंटे से कुछ खाया नहीं

लखनऊ| रूस-यूक्रेन जंग के बीच देश के 120 स्टूडेंट्स पोलैंड बॉर्डर पर फंस गए हैं। इनमें यूपी के 25 स्टूडेंट्स हैं। शुक्रवार की रात 2 बजे से इन्हें खाने को कुछ नहीं मिला है। उन्हें पोलैंड की सेना अपने देश में एंट्री देने को तैयार नहीं है। वहां की सेना का कहना है कि उन्हें सरकार से बॉर्डर एंट्री का कोई ऑर्डर नहीं मिला है। इंडियन एंबेसी भी कोई स्पष्ट जवाब नहीं दे पा रही है। हालांकि अभी स्टूडेंट्स का हौसला टूटा नहीं है। वे अपने सीने से तिरंगा सटाकर अपने-अपने घर वालों को ढांढस बंधा रहे हैं कि वे सुरक्षित हैं। छात्रों ने कहा, हिंदुस्तान से अच्छा मुल्क कहीं नहीं है। बता दें कि रोमानिया से 219 छात्रों के भारत रवाना होने के बाद अन्य छात्र-छात्राओं में जल्द स्वदेश वापसी की आस जग गई है। अलीगढ़, आजमगढ़, जौनपुर, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर के बच्चों ने वहां के हालात अपने परिवार वालों से साझा किया है। इवानो फ्रेंकविस्क के कॉलेज से एमबीबीएस सेकेंड ईयर की छात्रा फाल्गुनी धीरज अलीगढ़ की रहने वाली हैं। फाल्गुनी धीरज ने अपने पिता पंकज से फोन पर बताया कि कॉलेज से उनका ग्रुप बस के जरिए रोमानिया बार्डर की ओर रवाना हुआ है। पंकज ने बताया कि इवानो फ्रेंकविस्क के हालात अन्य जगहों से ठीक हैं। वह हमले वाली जगह के दूसरे छोर पर है। इसलिए बच्चे धीरे-धीरे अपने ग्रुप बनाकर रवाना हो रहे हैं। रितिक ने बताया कि सभी को बंकर के अंदर ही रखा जा रहा है। बंकर के अंदर खाने-पीने की कोई भी व्यवस्था नहीं है। अलीगढ़ के सारसौल निवासी डॉ. विश्वमित्र आर्या का बेटा रितिक वार्ष्णेय खारकीव नेशनल मेडिकल यूनिवर्सिटी में MBBS अंतिम वर्ष का छात्र है। डॉ. आर्या ने बताया कि उनकी दोपहर 2:30 बजे बेटे से बातचीत हुई थी। इसमें रितिक ने बताया कि सभी को बंकर के अंदर ही रखा जा रहा है। बंकर के अंदर खाने-पीने की कोई भी व्यवस्था नहीं है। पढ़ें पेज 6 भी...

ट्रम्प : 2024 के चुनाव की तैयारी

वॉशिंगटन| रिपब्लिकन पार्टी की कंजर्वेटिव पॉलिटिकल एक्शन कॉन्फ्रेंस के बाद पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उनकी बेटी इवांका का कटआउट ले जाता पार्टी का एक नेता। कॉन्फ्रेंस में ट्रम्प ने पार्टी नेताओं को 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए अभी से तैयारी करने की अपील की।

इंफोग्राफिक

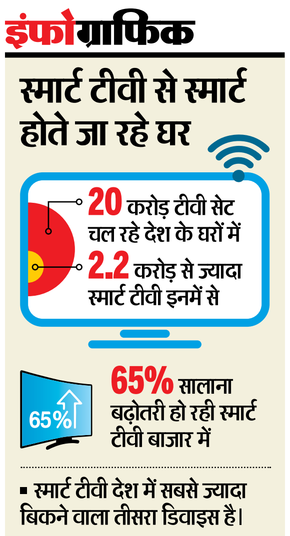

- स्मार्ट टीवी देश में सबसे ज्यादा बिकने वाला तीसरा डिवाइस है।
- पहले नंबर पर स्मार्टफोन और दूसरे नंबर पर लैपटॉप हैं।

स्रोत : टेकआर्क का आकलन

न्यूज ब्रीफ

सीए-इंटर के नतीजे घोषित, किंजल टॉपर

नई दिल्ली| इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स सीए इंटरमीडिएट में कोलकाता की किंजल अजमेरा ने टॉप किया है। नतीजे शनिवार को घोषित किए गए। किंजल ने 800 में से 690 अंक हासिल किए हैं। यह परीक्षा पिछले साल दिसंबर में हुई थी।

नोक-झोंक

दिल्ली-एनसीआर में बारिश के साथ बदला मौसम

तेज हवा ने बढ़ाई ठंड, दो दिनों में और गिर सकता है तापमान

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर में शनिवार को मौसम का मिजाज बदलने के साथ आबोहवा के स्तर में भी अप्रत्याशित सुधार देखने को मिला। शुक्रवार रात ओलों की बौछार और तेज हवा और बारिश के कारण कई माह बाद दिल्ली में एक्यूआई का औसत स्तर 98 दर्ज किया गया जो मध्यम स्तर का है। वहीं दिल्ली में सभी केंद्रों पर आज एक्यूआई 21 संतोषजनक व 20 जगहों पर मध्यम दर्ज किया गया जो पिछले वर्ष दिवाली से अब तक सबसे बेहतर है। मौसम विभाग के अनुसार सर्दी जाने के बाद फिर से दिल्ली में बारिश, ओला, आंधी होने का कारण उत्तर के पहाड़ों पर एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस के सक्रिय होना है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण हवाओं के पैटर्न में बदलाव आ रहा है। गर्म और नमी भरी हवाएं राजधानी पहुंच रही हैं। 27 फरवरी के आसपास दक्षिण अंडमान सागर और आसपास एक चक्रवात बनने की संभावना है। इसका असर दिल्ली, उत्तरी राजस्थान और हरियाणा में दिखेगा। इन जगहों पर शाम और रात के समय हल्की बारिश की संभावना बन रही है।

ग्रेटर नोएडा में आधी रात को बरसे ओले:बारिश और ओलावृष्टि से सरसों और गेहूं की फसल को नुकसान

सरसों की फसल को नुकसान।

ग्रेटर नोएडा| ग्रेटर नोएडा में आधी रात को जमकर बारिश हुई और उसके बाद ओले भी बरसे। ओलावृष्टि के चलते सरसों और गेहूं की फसल को नुकसान हुआ है। ओलावृष्टि के चलते दोबारा से ठंड बढ़ने के आसार हैं। रात में करीब एक बजे करीब 10 मिनट तक आसमान से जमकर ओले बरसे। बता दें, ग्रेटर नोएडा में शुक्रवार शाम से ही तेज हवाएं चलनी शुरू हो गई थीं। जिसके बाद मौसम ने करवट ली और आसमान में काले बादल छाने शुरू हो गए। रात करीब 9 बजे से हल्की-हल्की बूंदाबांदी जगह-जगह पर देखने को मिली, लेकिन उसके बाद अचानक रात 12 बजे के बाद मौसम और ज्यादा बिगड़ गया। जमकर बारिश शुरू हो गई और करीब एक बजे ओलावृष्टि भी शुरू हो गई।

डिलीवरी बाद देखभाल के बारे में समझाना डॉक्टर का दायित्वः उपभोक्ता आयोग

छत्तीसगढ़ के केस में महिला डॉक्टर पर 8 लाख का जुर्माना

पवन कुमार | नई दिल्ली

एक महिला के उपचार में कोताही बरतने के मामले में राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग ने एक महिला चिकित्सक को राहत देने से इंकार कर दिया है। महिला चिकित्सक पर आरोप है कि एक गर्भवती महिला की डिलीवरी कराने के बाद उपचार में लापरवाही बरती। जिससे महिला को 2 साल तक परेशानी झेलनी पड़ी। राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष जस्टिस आरके अग्रवाल और डॉक्टर एसएम कांतिकार की पीठ ने महिला डॉक्टर की याचिका को खारिज करते हुए कहा कि गर्भवती महिला की डिलीवरी कराने के बाद उसे उचित उपचार व देखभाल के बारे में समझाना चिकित्सक का दायित्व है। इस कर्तव्य को पूरा करने में महिला डाक्टर विफल रही। आयोग ने छत्तीसगढ़ की महिला डॉक्टर वर्तिका मिश्रा की याचिका को खारिज करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता आयोग के फैसले को बरकरार रखा है। इस फैसले के तहत डॉक्टर को इलाज में लापरवाही बरतने का दोषी मानते हुए निर्देश दिया गया था कि वह पीड़ित महिला को 8 लाख रुपए मुआवजा राशि 9 फीसदी ब्याज के साथ दो महीने में अदा करे और इसके अतिरिक्त पीड़िता को 10 हजार रुपए अलग से केस खर्च के तौर पर दे।

भारतीय क्रिकेट अनकंट्रोल बोर्ड

कमाई भले करोड़ों में, क्रिकेट पर 20% ही खर्च कर रहा बोर्ड

भास्कर Insight

...जबकि 70% कमाई खेल के विकास पर खर्च का नियम खुद बनाया था

दीपा द्विवेदी | नई दिल्ली/मुंबई

18,011 करोड़ रुपए नेटवर्थ और 2,658 करोड़ रुपए सालाना कमाई के बावजूद देश और एक तरह से दुनिया के क्रिकेट को चलाने वाली संस्था बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) में आर्थिक संतुलन स्वस्थ नहीं है। बोर्ड ने बेतहाशा कमाई के बाद भी दो सीजन (2020-21 व 2019-20) में क्रिकेट पर सिर्फ 10% से 20% पैसा खर्च किया है। इसमें पुरुष सीनियर टीम के इंटरनेशनल दौरे या टूर्नामेंट शामिल नहीं हैं। जबकि बीसीसीआई ने 1994 में खुद फैसला किया था कि वह कमाई का 70% हिस्सा क्रिकेट के विकास पर खर्च करेगा। यही नहीं, बीसीसीआई ने 2016-17 के बाद से अपनी बैलेंस शीट भी सार्वजनिक नहीं की है।

बोर्ड सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर बनी लोढ़ा कमेटी की अनुशंसाओं से भी बेपरवाह है। कोर्ट के निर्देश पर बोर्ड को पारदर्शिता बरतते हुए हर माह 25 लाख से ज्यादा खर्च के आंकड़े सार्वजनिक करने थे, लेकिन महामारी की शुरुआत के बाद से इसे रोक दिया गया। बीसीसीआई ने सितंबर 2020 में खर्च वेबसाइट पर अपलोड किया था। -शेष पेज 07

यहां खर्च हो तो संवरे खेल

- क्रिकेट स्टेडियम और बुनियादी ढांचे में सुधार पर।
- हाई परफॉर्मेंस सेंटर बने, जो मौजूदा नेशनल क्रिकेट एकेडमी की जगह ले।
- घरेलू, जूनियर और महिला क्रिकेटर्स की सैलरी बढ़े।
- बोर्ड को कॉर्पोरेट स्ट्रक्चर वाला पेशेवर संस्थान बनाएं।
- हर फॉर्मेट में खेल चुके पूर्व क्रिकेटर्स की पेंशन बढ़ाएं।
- एनालिस्ट, क्यूरेटर्स, रेफरी अंपायर्स की भी सैलरी बढ़ाएं।

ऐसे बढ़ रही नेटवर्थ

2014-15	5,438
2015-16	7,847
2016-17	8,431
2017-18	11,892
2018-19	14,489
2019-20	16,417
2020-21	18,011

(राशि करोड़ रुपए में)

वोट बैंक की राजनीति

बोर्ड सिर्फ खर्च ही नहीं, बल्कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय कई प्रक्रियाओं की अवहेलना कर रहा है। वह राज्य संघों को खुश करने के लिए उनके प्रतिनिधियों को टीम मैनेजर के रूप में दौरे पर ले जाता रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने पेशेवर टीम मैनेजर की नियुक्ति अनिवार्य की थी। पर वह राज्य संघ के सदस्यों को मैनेजर बनाने की पुरानी प्रथा पर आ गया है।

कोहली के 100वें टेस्ट को यादगार बनाने शहर में होर्डिंग्स

कोहली पहुंचे चंडीगढ़, आज शुरू करेंगे प्रैक्टिस

चंडीगढ़ | टेस्ट करिअर के 100वें टेस्ट के लिए विराट कोहली चंडीगढ़ पहुंच गए। वे क्वारेंटाइन में हैं और रविवार से टीम के अन्य खिलाड़ियों के साथ प्रैक्टिस शुरू करेंगे। टीम का ट्रेनिंग शेड्यूल सुबह 10.30 बजे से शुरू होगा, लेकिन कोहली साथी रिषभ पंत के साथ 12 बजे के करीब मैदान पर पहुंचेंगे। वे दोपहर 1.30 बजे तक मैदान में रहेंगे। कोहली के 100वें टेस्ट को यादगार बनाने के लिए पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन ने तैयारी की है। भले ही शहर के फैंस उन्हें इस यादगार टेस्ट में लाइव खेलते न देख सकें, लेकिन उनकी इस यादगार सफलता को मनाने के लिए शहर भर में होर्डिंग्स लगाई गई है। भारत का श्रीलंका से टेस्ट मैच 4 मार्च से आईएस बिंद्रा स्टेडियम पर खेला जाना है।

गंगूबाईः रिकॉर्ड आगाज विद्या, कंगना पीछे छूटीं

विनोद यादव, मुंबई | महिला किरदार प्रधान फिल्म की ओपनिंग कलेक्शन में आलिया भट्ट ने रिकॉर्ड बनाया है। उनकी फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' की पहले दिन कमाई करीब 10.50 करोड़ रुपए रही। जबकि विद्या बालन की 2011 में रिलीज 'द डर्टी पिक्चर' का ओपनिंग कलेक्शन 9.54 करोड़ और 2015 में आई कंगना रणौत की 'तनु वेड्स मनुः रिटर्न्स' का 8.85 करोड़ था। वहीं, करीना की फिल्म 'वीरे दी वेडिंग' का ओपनिंग कलेक्शन 10.42 करोड़, प्रियंका चोपड़ा की 'मैरी कॉम' का 8.32 करोड़, सनी लियोन की 'रागिनी एमएमएस-2' का 7.93 करोड़, कंगना की 'मणिकर्णिका...' का 7.66 करोड़ रुपए रहा था।

एलआईसी आईपीओ में 20% एफडीआई की अनुमति मिली

एजेंसी | नई दिल्ली

एलआईसी आईपीओ को लेकर केंद्र सरकार ने शनिवार को बड़ा फैसला लिया है। केंद्रीय कैबिनेट ने देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी एलआईसी (भारतीय जीवन बीमा निगम) के आईपीओ में ऑटोमेटिक रूट के तहत 20% प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति दी। एलआईसी के विनिवेश को सुगम बनाने के लिए यह फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शनिवार को हुई कैबिनेट में लिया गया। सरकार ने एलआईसी के शेयरों को आईपीओ के जरिए शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने की मंजूरी दी है। विदेशी निवेशक मेगा आईपीओ में भाग लेने के इच्छुक हो सकते हैं। मौजूदा एफडीआई नीति में एलआईसी में विदेशी निवेश के लिए कोई प्रावधान नहीं है। चूंकि एफडीआई नीति के अनुसार, सरकारी अनुमोदन के जरिए ऑटोमेटिक रूट से सरकारी बैंकों के लिए एफडीआई की सीमा 20% है, इसलिए एलआईसी और ऐसे अन्य कॉर्पोरेट निकायों के लिए 2% तक के एफडीआई को अनुमति देने का निर्णय लिया गया।

भास्कर खास • इंडिया मार्ट समेत 42 ऑनलाइन, 35 बाजारों का स्तर घटिया पाया गया

डुप्लीकेट सामान बेचने पर दिल्ली के पालिका बाजार समेत भारत के 3 मार्केट अमेरिका ने किए ब्लैक लिस्ट

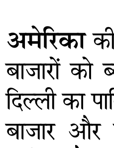

न्यूयॉर्क से भास्कर के लिए
मोहम्मद अली

अमेरिका की ट्रेड अथॉरिटी ने भारत के तीन बाजारों को ब्लैक लिस्ट कर दिया है। इसमें दिल्ली का पालिका बाजार, मुंबई का हीरा पन्ना बाजार और कोलकत्ता का किद्दरपुर बाजार शामिल है। यह कार्रवाई अमेरिकी ब्रांड्स के डुप्लीकेट सामान बेचने पर लगातार मिल रही शिकायतों के बाद की गई है। इसके साथ ही अथॉरिटी ने इंडिया मार्ट और कुछ अन्य ई-कामर्स वेबसाइट को भी काली सूची में डाला है। अमेरिकी अथॉरिटी का आरोप है कि इन बाजारों में उनके ब्रांड्स के डुप्लीकेट सामान 10 गुना कम दाम पर बिकते हैं। सबसे ज्यादा डुप्लीकेट चीजें इलेक्ट्रॉनिक्स और कपड़ों हैं। ग्लोबल ट्रेड रिप्रजेंटेटिव कैथरिन ताई ने 2021 में नकली सामान बेचने के नाम पर सभी बाजारों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि डुप्लीकेट और पायरेटेड सामाग्री बेचने से वैश्विक कारोबार प्रभावित हो रहा है। साथ ही अमेरिकी इनोवेशन और क्रिएटिविटी घटने से अमेरिकी कामगारों को नुकसान हो रहा है। इस रिपोर्ट में 42 ऑनलाइन मार्केट और 35 बाजारों का जिक्र किया गया, जो लगातार ट्रेडमार्क और कॉपीराइट का उल्लंघन कर रहे थे। अमेरिकी अधिकारियों ने भास्कर को बताया कि पालिका बाजार जैसे बाजार अरबों डॉलर के महंगे ब्रांडों की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाते हैं। इसलिए ब्लैकलिस्ट कर अमेरिकी पर्यटकों को ऐसे बाजारों से सावधान रहने के की सलाह दी गई है। इधर, इंडियन ट्रेड एसोसिएशन ने इस रिपोर्ट को नकारते हुए कहा है कि ऐसा नहीं है। कुछ डुप्लीकेट कॉस्मेटिक्स किद्दरपुर मार्केट कोलकता में मिले हैं। इससे कई लोगों ने आंखों में जलन, त्वचा संबंधी दिक्कते हुई हैं।

चीन से सबसे ज्यादा 78 फीसदी डुप्लीकेट सामान बरामद हुआ

वैश्विक स्तर पर अमेरिका का 2.5% डुप्लीकेट सामान बिकता है। ये करीब 37 लाख करोड़ रुपए का है। डुप्लीकेट सामान सबसे ज्यादा चीन में बनता है। हॉन्गकॉन्ग से चीनी कारोबारी समुद्र के रास्ते डुप्लीकेट सामान भारत भेजते हैं। छापेमारी में 78% डुप्लीकेट सामान चीन से मिलीं हैं। ब्लैक लिस्ट बाजार में बीजिंग सिल्क मार्केट भी है।

शेड्यूल से इस बार की स्थिति साफ

जेईई मेनः एक साल में चार बार नहीं हो सकेगी

इस बार नीट भी जुलाई के बाद ही होना संभव

दीपक आनंद | जयपुर

आईआईटी बॉम्बे से जेईई एडवांस्ड का शेड्यूल जारी होने के साथ ही जेईई मेन की स्थिति साफ हो गई। मेन इस साल चार बार किसी भी हाल में नहीं हो सकेगी। मेन की तारीखें जल्द घोषित होंगी, लेकिन 8 जून से पहले एनटीए को जेईई के मल्टीपल सेशंस का परिणाम और ऑल इंडिया रैंक जारी करनी होगी। एडवांस्ड का रजिस्ट्रेशन 8 जून से है। मार्च में राजस्थान सहित कई स्टेट बोर्ड और अप्रैल अंत में सीबीएसई के फाइनल एग्जाम होंगे। ऐसे में जेईई मेन का कोई एक सेशन सीबीएसई या किसी स्टेट बोर्ड से क्लैश हो सकता है। दो मार्च से सीबीएसई की प्रैक्टिकल परीक्षा होगी। एक्सपर्ट के अनुसार छात्रों को जेईई मेन के अलग-अलग सेशन की तैयारियों के लिए कम समय मिलेगा। एनटीए जून तक जेईई मेन में व्यस्त होगा। इससे नीट जुलाई के पहले सप्ताह के बाद होगी। जेईई मेन की फॉर्म फिलिंग जल्द शुरू होगी। सीबीएसई के प्रैक्टिकल एग्जाम और फॉर्म फिलिंग क्लैश हो सकती है।

स्टूडेंट्स को तैयारी नहीं मिलेगा गैपः जेईई मेन के सेशंस में अधिक गैप नहीं मिलेगा। मल्टीपल मेन इसलिए था ताकि एक अटैम्प्ट बिगड़ने पर छात्र दूसरे सेशन की बेहतर तैयारी कर लें। लेकिन दोनों के सेशन के बीच इस साल पर्याप्त गैप न होने पर तैयारी का समय सीमित होगा। जेईई मेन के परिणाम और एडवांस्ड की परीक्षा के बीच ज्यादा समय नहीं मिलेगा।

अपने शहर की रियल टाइम खबरें पढ़ने के लिए डाउनलोड करें दैनिक भास्कर ऐप

लखनऊ के गुडम्बा में हादसा

चूल्हे की चिंगारी से झोपड़ी में लगी आग... 20 घर जलकर राख

लखनऊ | लखनऊ के गुडम्बा में शनिवार सुबह मजदूरों की एक बस्ती में भीषण आग लग गई। सूचना मिलते ही गुडम्बा थाने की पुलिस के साथ दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंची। आग पर काबू पाने तक करीब 20 मजदूरों की झोपड़ियां जलकर राख हो चुकी थीं। गुडंबा के जाहिरपुर गांवमे छत्रपाल का खाली प्लॉट है। इसमें असमिया और बंग्लादेशी मजदूर झोपड़ियां बनाकर रहते हैं। पुलिस के मुताबिक सुबह किसी झोपड़ी में चूल्हे से निकली चिंगारी से आग लग गई। देखते-देखते आग फैलती गई। झोपड़ियां आपस मे सटी होने की वजह से आग ने पूरी बस्ती को चपेट में ले लिया।

अफरा-तफरी के बीच महिलाओं, बच्चों को बाहर निकाला गया... आग की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। फायर ब्रिगेड को बुलाने के साथ ही पुलिस ने अफरा-तफरी के बीच लपटों में फसे बच्चों और महिलाओं को सुरक्षित बाहर निकाला। करीब 20 मिनट में दमकल की चार गाड़ियां पहुंच गई। मुख्य अग्निशमन अधिकारी विजय सिंह ने बताया कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया। देर होने पर आग पास की कॉलोनी तक पहुंच सकती थी। मजदूरों की झोपड़ियां और उनके गृहस्थी के सामान जल गए। लेकिन कोई जनहानि नहीं होने पाई।

यूक्रेन-रूस इफेक्ट • जानकार बोले- सोने की खरीदारी का यह सही समय नहीं है

गोल्ड कारोबार पर युद्ध का असर, दो हजार तक सस्ता-महंगा हो रहा सोना

भास्कर न्यूज | लखनऊ

रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध का असर गोल्ड कारोबार पर पड़ रहा है। कभी रेट बढ़ रहे तो कभी कम हो रहे हैं। 24 फरवरी को जहां लखनऊ में सोने का रेट करीब 2300 रुपए प्रति 10 ग्राम बढ़ा था, वहीं 25 फरवरी को इसमें करीब 2200 रुपए तक की गिरावट आ गई। जानकारों का कहना है इस उतार-चढ़ाव से सोने की खरीदारी का यह सही समय नहीं है। सोने में इन्वेस्ट से युद्ध विराम का इंतजार करना चाहिए। लखनऊ में सोने का रेट 51800 रुपए प्रति 10 ग्राम था, जो गुरुवार को 54100 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गया। इसमें 2300 रुपए की बढ़ोतरी हुई थी। शनिवार को सोना 22 रुपए सस्ता होकर 51900 रुपए प्रति तोला पहुंचा है।

युद्ध विराम का करें इंतजार

जानकारों का कहना है कि अभी सोने में इन्वेस्ट करने का सही समय नहीं है। जब तक युद्ध विराम नहीं होता है, सोने की खरीदारी नहीं करनी चाहिए। इसमें ऐसे ही रेट बढ़ते और घटते रहेंगे। कारोबारी विशाल गुप्ता ने बताया कि अभी केवल शेयर खेलने वाले ही इसमें पैसा लगाते हैं। इसमें घंटे भर के अंदर नफा या नुकसान दोनों होता है। हालांकि आम आदमी को इससे दूरी बनानी चाहिए। बताया कि पिछले चार दिन के अंदर बिक्री करीब 60 फीसदी तक कम हो गई है।

लखनऊ में सोने की चाल

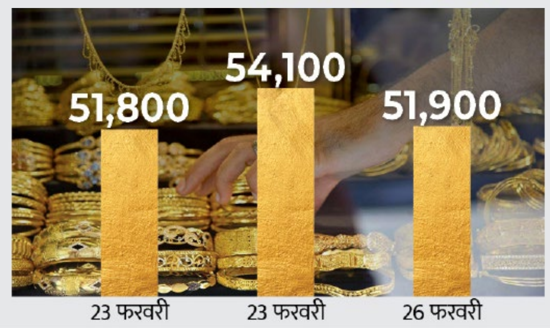

कीमत: रुपए प्रति 10 ग्राम में है

70 हजार प्रति 10 ग्राम पहुंच सकता है भाव

दरअसल, रूस ने यूक्रेन पर हमला कर दिया है। इसकी वजह से ग्लोबल स्तर पर अर्थव्यवस्था में भारी उछाल देखा गया। सेंसेक्स में जहां गिरावट आई है। वहीं, सोने का भाव बढ़ा है। जानकारों का कहना है कि अगर यह युद्ध ऐसे ही कुछ दिनों तक चला तो सोने का भाव बढ़ता ही जाएगा। इसका रेट 65 से 70 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकता है।

70% तक आएगी खरीदारी में गिरावट

चौक कारोबारी आदेश जैन ने कहा अब सहालक खत्म हो गई है। ऐसे में बिक्री पहले ही कम हो गई थी। सोना महंगा होने से बिक्री और भी ज्यादा कम हो जाएगी। आम आदमी की खरीदारी बंद हो जाएगी और केवल शेयर मार्केट का बाजार ही बचेगा। लखनऊ में करीब 70 फीसदी तक बिक्री कम होगी। यहां रोज 50 करोड़ रुपए से ज्यादा का कारोबार होता है। यहां करीब छोटी-बड़ी 3000 से ज्यादा दुकानें हैं। इसके अलावा बुलियन का कारोबार लखनऊ से पूरे प्रदेश में होता है।

रिफांइड तेल के बढ़े दाम

कानपुर में दुकानदारों ने 20 रुपए लीटर तक बढ़ाए दाम

डीएम ने छापेमारी के लिए बनाई टीमें...

भास्कर न्यूज | कानपुर

रूस और यूक्रेन के बीच छिड़ी जंग के बीच कानपुर में रिफाइंड तेल के दामों में तेजी आ गई है। थोक विक्रेताओं ने रिफाइंड तेल के दामों में वृद्धि कर दी है। इसको लेकर हल्ला मचा तो डीएम के पास भी मामला जानकारी में आया। डीएम ने तुरंत एक्शन लेते हुए हर जोन में अधिकारियों की टीम गठित कर दी है। यह टीमें न केवल दुकानों की जांच करेंगी बल्कि यह भी देखेंगी कि कहीं अधिक दाम न वसूले जाएं।

पहले फार्च्यून रिफाइंड का पैकेट 143 रुपए प्रति लीटर थोक में था, लेकिन थोक में भी 163 रुपए प्रति लीटर तक बिक्री शुरू हो गई। वहीं फुटकर दुकानदार भी 170 से 180 रुपए तक बेचने लगे। अन्य ब्रांड के रिफाइंड तेलों में वृद्धि की गई है। रूस और यूक्रेन के बीच छिड़ी जंग को लेकर मुनाफाखोरों ने भी अवसर तलाश लिए हैं। सोशल मीडिया पर इस बात की खबर उड़ी कि थोक विक्रेताओं ने रिफाइंड तेल के दामों में बढ़ोत्तरी कर दी है। थोक विक्रेताओं ने दाम बढ़ाए तो फुटकर विक्रेताओं ने भी रिफाइंड तेल के रेट बढ़ा दिए।

व्यापारियों का विरोध

मामले को लेकर व्यापारियों में विरोध भी शुरू हो गया है। व्यापारी नेता ज्ञानेश मिश्र ने कहा कि रिफाइंड आदि की कीमतें पूरे देश की बाजारों से निर्धारित होती हैं। इन बढ़ी कीमतों को नियंत्रित होना चाहिए, लेकिन इस आदेश की आड़ में व्यापारियों व उद्यमियों का उत्पीड़न नहीं होना चाहिए।

अमरोहा में आसपास के इलाकों में फसलें हो रही थीं खराब

उमंग डेयरी पर एनजीटी ने लगाया 4 करोड़ का जुर्माना, गंदा पानी छोड़ने का था आरोप

भास्कर न्यूज | अमरोहा

अमरोहा जिले के गजरौला इलाके में हसनपुर मार्ग पर स्थित उमंग डेयरी पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने 4 करोड़ 85 लाख 44 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। डेयरी पर खेतों में गंदा पानी छोड़ने और डार्क जोन में होने के बावजूद भूमिगत जल का अधिक दोहन करने का आरोप लगा था। साथ ही बताया गया कि डेयरी के खिलाफ दो साल से एनजीटी में मामला चल रहा था। सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस कर रही गजरौला निवासी अधिवक्ता मानसी चाहल ने बताया कि अगस्त-2020 में कुछ ग्रामीण उनके पास शिकायत लेकर आए थे।

2020 में एनजीटी में दायर की थी याचिका

अधिवक्ता मानसी चाहल ने बताया कि उमंग डेयरी द्वारा छोड़े गए गंदे पानी से उनके खेतों में फसल नष्ट हो रही है। ग्रामीणों के कहने पर उन्होंने अगस्त-20 में ही डेयरी के खिलाफ एनजीटी में याचिका दायर की। जिस पर एनजीटी ने कमेटी गठित कर जांच कराई। कमेटी ने डेयरी का निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट एनजीटी को सौंपी। जिसमें कहा गया कि डेयरी का गंदा और केमिकल युक्त पानी न केवल फसलों को नुकसान पहुंचा रहा है। बल्कि आस पास मच्छर भी पनप रहे हैं। डेयरी में गलत तरीके से भूमिगत जल दोहन का मामला भी सामने आया। जिस पर एनजीटी के चेयरपर्सन न्यायाधीश आदर्श गोयल, ज्यूडिसियल मेंबर सुधीर अग्रवाल व एक्सपर्ट मेंबर नागिन नंदा ने सुनवाई करते हुए डेयरी को गंदा पानी छोड़ने व जल के अधिक दोहन का दोषी करार देते हुए अपना निर्णय सुरक्षित किया। अब एनजीटी ने अपना फैसला सुनाया। इस दौरान ग्रामीणों की तरफ से सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता मानसी चाहल, उप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की तरफ से अधिवक्ता प्रदीप मिश्रा, सीजी डब्ल्यू ए की तरफ से श्रेया श्रीवास्तव व उमंग डेयरी की ओर से पिनाकी मिश्रा, आशीष प्रसाद ने जोरदार पैरवी की। उमंग डेयरी की तरफ से दिए गए तर्क को एनजीटी ने खारिज करते हुए उस पर चार करोड़ 85 लाख 44 हजार रुपये का जुर्माना लगाया।

जेल में बवाल पर 41 बंदियों पर केस

बंदी की मौत के बाद हुआ था उपद्रव; पुलिस ने शुरू की पड़ताल

वाराणसी|वाराणसी की जिला जेल में छोटी गैबी निवासी बंदी राजेश कुमार जायसवाल की मौत के बाद बंदियों के उपद्रव को लेकर लालपुर-पांडेयपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। जेलर वीरेंद्र कुमार त्रिवेदी ने अपनी तहरीर में 41 नामजद और अन्य अज्ञात बंदियों के खिलाफ सरकारी काम में बाधा डालने, बलवा, आपराधिक साजिश सहित अन्य आरोप लगाए हैं। जेल कर्मियों के बयान और सीसीटीवी फुटेज की मदद से लालपुर-पांडेयपुर थाने की पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

बता दें कि जेल में बवाल के बाद 10 थानों की फोर्स ने मोर्चा संभाला था। जेल में बंदियों ने तोड़फोड़ भी की थी। जिला जेल की बैरक नंबर-3 में रहने वाले बंदी राजेश की शुक्रवार की सुबह मौत हो गई थी। जेल प्रशासन का कहना था कि हार्ट अटैक की वजह से राजेश की मौत हुई है। राजेश लगभग साढ़े पांच महीने से धोखाधड़ी और कूटरचना सहित अन्य आरोपों में जिला जेल में बंद था। उसे चेतगंज थाने की पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

हरदोई में नकाब पहनकर महिलाओं ने की चोरी

हरदोई| हरदोई में अंतर्जनपदीय शातिर चोर गिरोह की चार महिला सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से चुराए गए सोने के जेवर के साथ 10 लाख रुपये की स्मैक भी बरामद की है। सभी महिलाएं सीतापुर की रहने वाली हैं। सभी महिलाएं नकाब पहनकर शातिराना ढंग से चोरी की घटनाओं को अंजाम देती थीं।

मामले का खुलासा करते हुए पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने बताया कि हरदोई में ज्वेलरी की दुकानों में अज्ञात महिलाओं द्वारा सोने के आभूषणों की चोरी की वारदातों को अंजाम दिया जा रहा था। 10 जनवरी को तीन अज्ञात महिलाओं ने कोतवाली शहर क्षेत्र की अतुल ज्वैलर्स और फिर 24 जनवरी को काशीनाथ सोमनाथ ज्वैलर्स के यहां चोरी की घटना को अंजाम दिया था।

उत्तर प्रदेश में भी छाए राजस्थान के सीएम गहलोत

पुरानी पेंशन लागू कर यूपी की राजनीति में चमके, नई सरकार पर यह मुद्दा पड़ेगा भारी

लखनऊ| राजस्थान सरकार ने अपने यहां पुरानी पेंशन लागू करने का ऐलान किया है। इसकी वजह से यहां के कर्मचारियों में भी एक नई ऊर्जा आ गई है। सपा और बसपा ने पहले ही कहा था कि सरकार आने के बाद वह लोग पुरानी पेंशन लागू करेंगे। कांग्रेस भी इसको लेकर सकारात्मक रही है, लेकिन राजस्थान सीएम अशोक गहलोत की ओर से इसे लागू करने के बाद वह उप्र की राजनीति में चर्चा की विषय बन गए हैं। इसके अलावा कर्मचारी संवर्ग के बीच कांग्रेस को लेकर चर्चा शुरू हो गई है।

उत्तर प्रदेश चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष रामराज दुबे ने कहा कि यूपी में करीब 13 लाख कर्मचारी इससे प्रभावित हैं। 10 मार्च के बाद जो भी सरकार आएगी उस पर कर्मचारी पुरानी पेंशन के लिए दबाव डालेंगे। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के लिए कांग्रेस की सरकार हमेशा से ठीक रही है। अशोक गहलोत ने राजस्थान में यह कर दिखाया है। इसके अलावा देश में जब छठा वेतनमान लागू किया गया था, तब भी कांग्रेस की सरकार थी। यह अब तक का सबसे अच्छा वेतनमान रहा है। सातवें वेतनमान के समय बीजेपी की सरकार बनी थी, जिसमें कर्मचारियों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ था।

कार्रवाई • बर्खास्तगी के बाद कई लोगों की दूसरे विभागों में या प्राइवेट सेक्टर में अच्छी नौकरी लग गई

बिजली विभाग में 300 से ज्यादा भगोड़े, 5 साल से गायब 56 जेई बर्खास्त, विभाग के पास बाबूओं की जानकारी नहीं

भास्कर न्यूज | लखनऊ

पावर कॉर्पोरेशन ने 5 साल या उससे ज्यादा समय तक गायब रहने वाले 56 जेई को बर्खास्त कर दिया है। इसके बावजूद अपने ही विभाग के बाबूओं के बारे में जानकारी नहीं कर पा रहे हैं। विभाग में करीब सैकड़ों बाबू ऐसे हैं जो पिछले कई साल से गायब हैं। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के एक सीनियर इंजीनियर ने बताया कि उनके यहां ही तीन बाबू काफी समय से गायब हैं, उनके बारे में किसी को जानकारी नहीं है।

सूत्रों का कहना है कि पूरे प्रदेश में करीब 300 से ज्यादा बाबू, इंजीनियर और अन्य पद तैनात लोग बिना किसी सूचना के नौकरी छोड़ चुके हैं। अब समस्या यह है कि इसकी वजह से काम में परेशानी होने लगी है।

ऐसे में एमडी एम देवराज ने आदेश जारी किया था कि दो साल या उससे ज्यादा समय जितने भी लोग गायब हैं, उनकी जांच की जाए। रिटायर इंजीनियर एसके पांडेय बताते हैं कि इसमें कई लोगों ने शुरू में वेतन भी लिया। हालांकि कुछ महीने के बाद वेतन रुक जाता है, लेकिन उसके बाद भी जांच कराई जाए तो करोड़ों रुपए का घोटाला सामने आएगा।

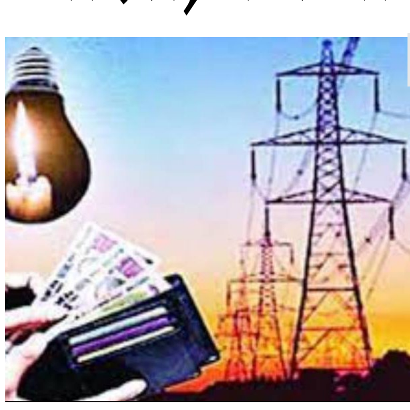

इन लोगों के खिलाफ हुई है कार्रवाई

रणधीर सिंह, संतोष कुमार वर्मा, हसमत ए आजम ,संजय पासवान, दिनेश राम, जगजीवन कुमार, अनिल कुमार, शिवराज वर्मा, राजीव कुमार सिंह, सर्वेश नारायण, सुमित जयसवाल, शेषमणि विश्वकर्मा, मोहन सिंह यादव, सिद्धार्थ गुप्ता, अशोक यादव, शैलेंद्र कुमार, अनूप कुमार, राजेंद्र कुमार, रमेश चंद्र, अनिल कुमार, मनीष कुमार गुप्ता ,साधु शरण वर्मा, रूपेश कुमार मौर्य, शैलेश प्रजापति ,सत्यवीर सिंह, महफूज अली, सचिन कुमार, जैन सुबोध कुमार, प्रेमी राजेश्वर विश्वकर्मा, अनिल कुमार सोनकर, मीनाक्षी सिंह, क ोमल सिंह, गिरिजेश कुमार, महेंद्र कुमार, महेंद्र सिंह, गौरव श्रीवास्तव , मुकेश कुशवाहा, जयप्रकाश ,संदीप कुमार, गुप्ता छोटेलाल , दिनेशचंद्र , राम सिंह, बृजेश यादव, हेमंत कुमार, कुलदीप, प्रत्यूष कुमार, राजीव कुमार ,गंभीर सिंह, गंभीर सिंह, अरविंद कुमार रे, प्रदीप कुमार, संजीव कुमार, शिव शंकर प्रसाद, मुनीश लाल, गंगा सागर शर्मा, मिश्रीलाल मौर्य समेत कई लोग शामिल रहे।

पांच साल से 91 जेई गायब थे

पावर कॉर्पोरेशन ने पांच साल और उससे ज्यादा समय तक 91 जेई गायब थे। इसमें 55 इंजीनियरों को नौकरी से बर्खास्त कर दिया है। बर्खास्त होने वाले ज्यादातर लोग भगोड़े थे। बताया जा रहा है कि इसमें से कई लोगों की दूसरे विभागों में या प्राइवेट सेक्टर में अच्छी नौकरी लग गई है। इसकी वजह से बिना सूचना के लोग गायब हो गए हैं। इसके अलावा कुछ पारिवारिक दिक्कतों की वजह से छुट्टी पर गया और वह वापस नहीं आ पाए। मामले में पिछले करीब 6 महीने से जांच चल रही थी अब जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद एमडीएम देवराज ने यह कार्रवाई की है।

लखनऊ के चारबाग में की कार्रवाई

एटीएस ने मानव तस्कर को गिरफ्तार किया

भास्कर न्यूज |लखनऊ

यूपी एटीएस ने शनिवार को म्यांमार के मानव तस्कर को लखनऊ में चरबाग से गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी रोहिंग्या और बंगलादेशी नागरिकों को विदेशों में बेचने वाले गिरोह का सदस्य है। 27 जुलाई को गिरफ्तार हुए गिरोह के सदस्यों से मिलने और उनकी जमानत करवाने के लिए वह हैदराबाद से लखनऊ आया था।

आईजी एटीएस जीके गोस्वामी ने बताया कि पकड़ा गया मोहम्मद रफीक उर्फ रफीक उल इस्लाम बहादुरपुरा हैदराबाद में रहता है। रफीक का जन्म बांग्लादेश, रोहिंग्या कैंप में हुआ था। उसके माता-पिता मूल रूप से म्यांमार के रहने वाले थे। वहां से वो लोग बांग्लादेश, रोहिंग्या कैंप आ गए थे। रफीक जब चार साल का था तभी उसके माता-पिता की मौत हो गई थी। उसका पालन-पोषण चाचा मकसूद अली ने किया। उन्हीं के साथ रफीक बांग्लादेश भारत बॉर्डर अवैध रूप से पार कर इंडिया आ गया। फिर उनके साथ रामनगर राणाघाट जिला नादिया पं. बंगाल में रह रहा था। बाद में रफीक दिल्ली आ गया। फिर वहां से मेवात जाकर एक लोहा बनाने वाली कंपनी में काम करने लगा। वहीं उसने फर्जी पते पर आधार कार्ड लिया।

अपने शहर की रियल टाइम खबरें पढ़ने के लिए डाउनलोड करें दैनिक भास्कर ऐप

यूक्रेन से आ अब लौट चलें... यूपी के छात्रों की पोलैंड-हंगरी के रास्ते हुई वापसी

भारतीय विद्यार्थियों को पड़ोसी देश के बॉर्डर पर छोड़ेगी बस, एंबेसी ने कहा- तैयार रहें, दूर चलना है

भास्कर न्यूज़ | उत्तर प्रदेश

यूक्रेन में बम धमाकों के बीच फंसे उत्तर प्रदेश के छात्रों की आज वतन वापसी होगी। इन छात्रों को पोलैंड, हंगरी और रोमानिया होकर वापस लाया जाएगा। भारतीय दूतावास की ओर से छात्रों को इस संबंध में जानकारी दी गई है। इस खबर के बाद यूक्रेन में फंसे छात्र-छात्राओं के माता-पिता ने राहत की सांस ली है। एंबेसी ने कहा कि सुबह बस यूक्रेन से रवाना होगी जो हंगरी या पोलैंड के बॉर्डर पर भारतीय छात्रों को छोड़ेगी। सभी को अलर्ट किया गया है कि मानसिक रूप से तैयार रहें, काफी दूरी पैदल चलना पड़ सकता है। उधर, सहारनपुर की निहारिका ने घरवालों से बात करते हुए वहां के हालात बयां किए हैं। निहारिका ने कहा कि एंबेसी में फॉर्म फिल कर दिया है, लेकिन यहां से भारत वापसी कब होगी अभी यह पता नहीं है। ऊपर मौत मंडरा रही है, आसपास बम धमाके हो रहे हैं। इससे डर लग रहा है कि कभी भी कुछ हो सकता है।

गुरुवार से लगातार मिसाइल और बम धमाकों की गूंज सुनाई दे रही है। शहर में सड़कों पर रूस की सेना के वाहन दौड़ रहे हैं। जहां पर वह हैं, वहां से कुछ दूरी पर मिसाइल से हमले हुए हैं। जबरदस्त बम धमाकों की आवाजों से दिल दहल रहा है।

ऐसे समझें हालात.. 300 रुपए में 4 ब्रेड, एटीएम में रुपए भी खत्म हो चुके हैं...

बॉर्डर से एयरलिफ्ट किया जाएगा

आगरा के शास्त्रीपुरम निवासी संतोष देवी की बेटी श्रेया यूक्रेन के इवानो शहर में फंसी हैं। संतोष देवी ने बताया कि शुक्रवार शाम को उनकी बेटी से बात हुई। उसने बताया कि उनको यूनिवर्सिटी की ओर से बताया गया है कि इंडियन एंबेसी की ओर से सभी छात्रों को वापस भेजा जाना है। ऐसे में इवानो से पोलैंड की सीमा करीब 300 किमी है, जबकि हंगरी करीब 500 किमी है। पासपोर्ट सहित बहुत जरूरी सामान ही साथ रखें। खाने का सामान भी ले लें। बस से उन्हें पोलैंड या हंगरी के बॉर्डर तक ले जाएगी।

यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों के साथ लूटपाट

बहन के साथ रोमानिया के लिए निकलीं श्रेया, हालात खराब

भास्कर न्यूज़ | आगरा

यूक्रेन में बम धमाकों को बीच में फंसे उत्तर प्रदेश के छात्रों की वतन वापसी के लिए तैयारी शुरू हो गई है। इन छात्रों को पोलैंड, हंगरी और रोमानिया होकर वापस लाया जाएगा। भारतीय दूतावास की ओर से छात्रों को इस संबंध में जानकारी दी गई है। हालांकि यूक्रेन में अब हालात बिगड़ गए हैं। स्थानीय लोगों ने छात्रों के साथ लूटपाट शुरू कर दी है। इससे अभिभावक और घबरा गए हैं।

आगरा के शास्त्रीपुरम निवासी संतोष देवी की बेटी श्रेया यूक्रेन के इवानो शहर में फंसी हैं। संतोष देवी ने बताया कि शुक्रवार शाम को उनकी बेटी से बात हुई। उसने बताया कि उनको यूनिवर्सिटी की ओर से बताया गया है कि इंडियन एंबेसी की ओर से सभी छात्रों को वापस भेजा जाना है। ऐसे में इवानो से पोलैंड की सीमा करीब 300 किमी है, जबकि हंगरी करीब 500 किमी है। ऐसे में उनसे कहा गया है कि वो अपना एक बैग तैयार कर लें।

इसमें पासपोर्ट सहित बहुत जरूरी सामान ही रखें। खाने का सामान भी ले लें। शनिवार सुबह एक बस सभी छात्रों को लेकर निकलेगी। ये बस उन्हें पोलैंड या हंगरी के बॉर्डर तक ले जाएगी। इसके अलावा सभी से कहा गया है कि वो अपने आप को मानसिक रूप से तैयार रखें कि उन्हें काफी पैदल भी चलना पड़ सकता है। बॉर्डर पर पहुंचने के बाद उन्हें वहां से एयरलिफ्ट किया जाएगा। सभी छात्रों से एक फार्म भी भरवाया गया है।

यूक्रेन में स्थानीय लोगों ने छात्रों के बैग व सामान लूटा

वतन वापसी की उम्मीद लगाए बैठे भारतीय और उत्तर प्रदेश के छात्रों के साथ अब यूक्रेन के लोगों ने लूटपाट शुरू कर दी है। इससे छात्र घबरा गए हैं। आगरा की रहने वाली श्रेया ने अपने घरवालों को बताया कि उनसे पहले जो बस निकली थी, उसे रास्ते में रोक लिया गया। यूक्रेन के स्थानीय लोगों ने बस में बैठे सभी छात्रों के बैग, रुपए और खाने का सामना लूट लिया। बस में एंबेसी का कोई भी अधिकारी नहीं था। इसके बाद छात्र बहुत घबरा गए हैं। वहां से सभी छात्र अपने रिस्क पर निकल रहे हैं।

घर पहुंचाएगी 'स्पेशल-3'

शासन के आदेश पर 3 अधिकारियों की बनाई गई टीम, दिल्ली एयरपोर्ट पर स्टूडेंट्स को करेंगे रिसीव

यूक्रेन से आने वाले स्टूडेंट्स को नोएडा की 'स्पेशल-3' टीम घर पहुंचाएगी।

भास्कर न्यूज़ | नोएडा

यूक्रेन से आने वाले स्टूडेंट्स को नोएडा की 'स्पेशल-3' टीम घर पहुंचाएगी। दरअसल, यूक्रेन से दो स्पेशल फ्लाइट के जरिए भारतीय छात्रों को दिल्ली लाया जा रहा है। इनमे उप्र के कई छात्र और छात्राएं शामिल हैं। इन छात्रों को दिल्ली एयरपोर्ट पर रिसीव कर प्रदेश में उनके घरों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी नोएडा टीम को दी गई है। नोएडा के जिलाधिकारी ने इसके लिए तीन सदस्यों की टीम गठित की है।

ये टीम जल्द ही दिल्ली एयरपोर्ट के लिए रवाना हो गई हैं। टीम से डीएम का लगातार कार्डिनेशन रहेगा। जो शासन को यहां की स्थिति से अवगत कराएंगे। बता दें, पहला विमान रोमानिया से 300 लोगों को लेकर यूक्रेन से आएगा। बताया गया कि एक विमान दिल्ली और दूसरा मुबंई आएगा।

दरअसल, राहत आयुक्त एवं सचिव उप्र कीओर से फोन पर जिलाअधिकारी गौतमबुद्ध नगर को निर्देशित किया गया है कि यूक्रेन से विद्यार्थियों और अन्य लोगों को लेकर दो प्लेन दिल्ली एयरपोर्ट पहुंच रहे है। प्रदेश के निवासियों को एयरपोर्ट पर रिसीव करना और उनके गंतव्य स्थल तक पहुंचाने के निर्देश मिले है। इस मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए टीम बना दी गई है। जिन्हें साजोसामान के साथ एअरपोर्ट भेजा जा रहा है।

'स्पेशल-3' गौतमबुद्ध नगर के अधिकारियों की बनाई टीम

- बलराम सिंह (अपर जिला अधिकारी) - 7897240672
- अंकित वर्मा (डिप्टी कलेक्टर) - 8285179367
- प्रशांत तिवारी (एआरटीओ) - 9415673714

हृति बोली- मेट्रो स्टेशन पर रह रहे, खाना भी जिंदा रहने भर का खा रहे, बंकर में हैं कैद

उन्नाव|यूक्रेन में छिड़ी जंग के बीच में उन्नाव की एक बेटी भी फंसी हुई है। दैनिक भास्कर से बातचीत में यूक्रेन में फंसी छात्रा ने अपना पूरा दर्द बताया। उसने पूरी आंखों देखी चीजें बयां की। उन्नाव के औरास थाना क्षेत्र के दीपवल गांव की रहने वाली बेटी यूक्रेन पढ़ने गयी थी। रूस से युद्ध के चलते वहां पर हृति सिंह फंस गई हैं। वो पिछले 4 सालों से वहां पर रह कर पढ़ाई कर रही हैं। हृति सिंह ने बताया कि यहां हम हम लोगों को रात मेट्रो स्टेशन पर बिताना पड़ता है।

यहां के हालात खराब हो गए हैं। रात मेट्रो स्टेशन पर दहशत में गुजरती है। हम लोग खाना भी जीने भर का खा रहे हैं। एटीएम में पैसे खत्म हो गए हैं। मार्केट में समान कम है। रेट बहुत बढ़ गए हैं। 4 ब्रेड 300 रुपए के मिलते हैं। पहले का जो स्टॉक था उसी से गुजारा कर रहे हैं। आगे आने वाले दिनों का कुछ नहीं पता, कैसे रहेंगे, कैसे खाएंगे। घर पर मम्मी पापा परेशान हो रहे हैं।

यहां बम फट रहे, : फर्रुखाबाद के छात्र ने कहा दूसरे शहर में शिफ्ट करने की तैयारी

फर्रुखाबाद|फर्रुखाबाद के शमशाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चीफ फार्मासिस्ट के पद पर तैनात कमलेश बाबू का बेटा प्रतीक यूक्रेन में एमबीबीएस की पढ़ाई करने गया है। वहां यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध होने से फंस गया है। उसके घर वालों ने उससे फोन पर वीडियो कॉल के माध्यम से बात की तो उसने बताया कि पापा बड़ी घबराहट हो रही है। यहां बम पर बम फट रहे हैं। छात्र के मुंह से यह बात सुनकर घर वाले भी परेशान हो रहे हैं। छात्र की चिंता सताए जा रही है ।

पिता कमलेश ने बताया, बेटे ने जानकारी दी है कि सुबह से शाम तक उसके घर के नजदीक कई बार बम फूट चुके हैं। तेज धमाके हो रहे हैं, डर लग रहा है । इस पर कमलेश ने अपने बेटे को हिम्मत बंधाई। कहा, घबराए न और घर से बाहर न निकले। कमलेश ने बताया, बेटे ने जानकारी दी है कि यूक्रेन में जो छात्र फंसे हैं, उन्हें पास के ही दूसरे शहरों में शिफ्ट करने की तैयारी हो रही है।

न्यूज ब्रीफ

फर्म में चोरी करने वाला गैंग गिरफ्तार:दीवार काटकर चोरी किए थे 13 लाख

मुरादाबाद|मुरादाबाद पुलिस ने मझोली चौराहे के पास एक फर्म के गोदाम से चोरी करने वाले गैंग को गिरफ्तार किया है। गैंग ने गोदाम की दीवार काटकर 13 लाख रुपए चोरी कर लिए थे। सीसीटीवी कैमरों से पहचान न हो जाए, इस डर में चोर गोदाम में लगे सीसीटीवी कैमरों की DVR भी अपने साथ ही ले गए थे।

एसएसपी बबलू कुमार ने घटना का खुलासा करते हुए बताया कि 13 फरवरी को हुई इस घटना को नरेंद्र माली पुत्र सुरेश माली निवासी सूरज नगर पीतल बस्ती, ब्रजपाल सैनी उर्फ नासिर पुत्र भूप सिंह निवासी गली नंबर 3 गुलाबबाड़ी और राजीव पुत्र रतनलाल सिंह निवासी शिव मंदिर गुलाबगाड़ी कटघर ने मिलकर अंजाम दिया था। इनके कब्जे से पुलिस ने 7.5 लाख रुपये बरामद कर लिए हैं। गैंग ने नमकीन और सिगरेट के गोदाम में रखे 13.21 लाख रुपये चोरी किए थे।

18 को घर से अचानक लापता हो गया था युवक

युवक की गर्दन काटकर चार फीट गहरे गड्ढे में फेंकी लाश

भास्कर न्यूज़ | मुजफ्फरनगर

मुजफ्फरनगर में सनसनीखेज वारदात सामने आई है। शनिवार को गर्दन काटकर 23 साल के युवक की लाश 4 फीट गहरे गड्ढे में फेंक दी गई। दरअसल, 18 फरवरी को युवक घर से अचानक गायब हो गया था। जिसकी परिजन काफी समय से तलाश कर रहे थे, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल रही थी। पुलिस में गुमशुदगी भी दर्ज कराई थी। इस बीच 1 दिन पहले उनके घर के बाहर एक चिट्ठी मिली। जिसमें लिखा था 2 लाख दो और बेटे की जान बचा लो। पुलिस ने कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। से घटना चरथावल क्षेत्र के बिरालसी गांव की है।

आशुतोष पुत्र जगपाल 18 फरवरी को घर से लापता हो गया था। 2 दिन तलाशने के बावजूद जब उसका कोई सुराग नहीं लगा। तो पुलिस में गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस गुमशुदा आशुतोष को तलाश रही थी, लेकिन कई दिन की छानबीन के बाद भी उसकी कोई जानकारी नहीं मिल पाई। आशुतोष के पिता जगपाल बिरालसी में ही सुनार की दुकान करते हैं। शनिवार को दुकान खोली तो वहां उन्हें एक पर्चा पड़ा मिला था। पर्चे में आशुतोष के किडनैप की बात करते हुए बदमाशों ने उसे छोड़ने के एवज में 2 लाख रुपए फिरौती देने की मांग की थी। जिसके बाद सक्रिय हुई पुलिस ने 1 संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ की। गांव बिरालसी के जंगल से संदिग्ध की निशानदेही पर 4 फिट गहरे गड्ढे को खोदकर गुमशुदा आशुतोष का शव बरामद किया।

बोरे में मिले आशुतोष के कई टुकड़े

बिरालसी में ईख के खेत से करीब 4 फिट गहरे गड्ढे से आशुतोष का शव मिला। पुलिस शव का पोस्टमार्टम करा रही है। शव के कई टुकड़े कर बोरे में बंद कर गड्ढे में दबाया गया था। पुलिस को आशंका है कि आशुतोष की हत्या उसके गायब होने के उसी दिन कर दी गई थी। पुलिस को भटकाने या स्वजन को गुमराह करने के लिए दो लाख रुपए की फिरौती मांगी जा रही थी।

1.31 करोड़ के सोने के साथ पांच तस्कर गिरफ्तार

लखनऊ| लखनऊ के अमौसी एयरपोर्ट पर कस्टम की टीम ने दुबई से पहुंचे पांच तस्करों को गिरफ्तार कर 2.49 किलो सोना बरामद किया। इसकी कीमत 1.31 करोड़ रुपए है। गिरफ्तार किए गए लोगों में दुबई से आए 3 यात्री भी शामिल हैं। कस्टम के अधिकारी उनसे पूछताछ कर रहे हैं। कस्टम कमिश्नर वेद प्रकाश शुक्ला ने बताया कि शुक्रवार रात में दुबई से आई फ्लाइट FZ 433 से उतरे यात्रियों की चेकिंग की जा रही थी। शक होने पर पहले तीन लोगों को एयरपोर्ट पर रोककर पूछताछ की गई। इनसे 2.49 किलो सोना बरामद हुआ। तस्करों ने सोने के बुरादे में जेली मिलाकर पेस्ट बना लिया था। इसके बाद इसे पैंट में कमर की ओर भीतर से सिल दिया था। पूछताछ में पता चला कि इनके अलावा दो और यात्री दुबई से सोना लेकर आए हैं। फिर उन्हें भी गिरफ्तार किया गया। यह सोना अमौसी एयरपोर्ट के बाहर किसी को देना था। तस्करों के पकड़े जाने के बाद सोना लेने आए लोग भी भाग गए गए।

मामा के बेटे की बारात में शामिल होने गए थे, हादसा

शादी से घर लौटते समय वाहन की टक्कर से युवक की मौत

भास्कर न्यूज़ | झांसी

झांसी के एक युवक की बहन की विदाई के 5 दिन बाद ही सड़क हादसे में मौत हो गई, जबकि उसका बड़ा भाई समेत 3 लोग घायल है। हादसा शुक्रवार देर रात मध्य प्रदेश के सेंदरी गांव के पास हुआ। सभी शादी में शामिल होकर घर लौट रहे थे। वाहन की टक्कर के बाद कार पलट गई। तीनों घायलों को झांसी मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया गया है।

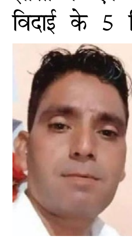

बाहर सैंयर गेट निवासी अमित कुमार (27) पुत्र श्रीरामदास मेडिकल कॉलेज में ठेके पर सफाई कर्मचारी था। शुक्रवार को वह मामा के बेटे की बारात में शामिल होने के लिए बड़े भाई रवि, मामा नीरज और पड़ोसी राजू उर्फ मिरिंडा के साथ गुरसराय गया था। बड़े भाई ऋषिराज ने बताया खाना खाने के बाद रवि ने फोन कर घर के लिए रवाना होने की बात कही। तब उसने रात होने की बात कहते हुए उन्हें रुकने के लिए कहा और बोला कि सुबह आ जाना। पर वे नहीं माने। रास्ते में देर रात को निवाड़ी के सेंदरी के पास अज्ञात वाहन की टक्कर के बाद आपे पलट गया। इसमें अमित की मौके पर मौत हो गई। जबकि घायल रवि, नीरज व राजू को झांसी मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया गया है।

हादसे में रवि, नीरज और राजू घायल हो गए, मेडिकल कॉलेज में भर्ती हैं।

5 दिन पहले हुई थी अमित की बहन की शादी

4 भाइयों में अमित सबसे छोटा था। उसकी 4 बहनें हैं। बड़ी बहन की शादी 19 फरवरी को ही हुई थी। 20 को विदाई के बाद वह 21 फरवरी को बहन के रिसेप्शन में भी गया था। अमित अविवाहिता था। उसके पिता श्रीरामदास हॉकी के बड़े प्लेयर थे और रेलवे से रिटायर्ड थे। अमित की मौत के बाहर घर में कोहराम मच गया।

विरोध प्रदर्शन.. मेरठ के चौधरी चरण सिंह विवि में विद्यार्थियों ने प्रदर्शन कर कहा- विद्यार्थियों की पढ़ाई पर हो रहा है असर

एबीवीपी ने कुलपति का किया घेराव: बोले-यूनिवर्सिटी में ऑनलाइन क्लास शुरू, पर लाइब्रेरी-मैस में हो रही परेशानी

विवि में ऑफलाइन कक्षाएं तो चालू हो चुकी हैं

भास्कर न्यूज़ | मेरठ

मेरठ के चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में शनिवार को अखिल भारती विद्यार्थी परिषद के तहत छात्रों ने विरोध प्रदर्शन और घेराव किया। छात्रों ने कहा कि कोरोना महामारी के बाद विवि में ऑफलाइन कक्षाएं तो चालू हो चुकी हैं मगर अभी तक छात्रों को पूरी सुविधाएं नहीं दी जा रही। हॉस्टल में भी छात्र परेशान हैं, इसका असर उनकी पढ़ाई पर हो रहा है।

प्रदेश प्रमुख उत्तम सैनी ने बताया कि कोरोना काल में सर छोटू राम में जेल बनाई गई थी, लेकिन अब कक्षाएं चालू हो गई हैं पर जेल को अभी तक वहां से शिफ्ट नहीं किया गया। दूसरी बड़ी परेशानी छात्रों को हॉस्टल में खाने की हो रही है। छात्रों की शिकायत की बावजूद मैस संचालकों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। विवि खुल गया है मगर, सेंट्रल लाइब्रेरी का समय 12 बजे तक था जो अभी तक नहीं बदला गया। लाइब्रेरी को 8 बजे ही बन्द कर दिया जाता है जिस कारण छात्र पढ़ाई नहीं कर पा रहा। इन सभी समस्याओं के निस्तारण को लेकर कुलपति को ज्ञापन दिया गया।

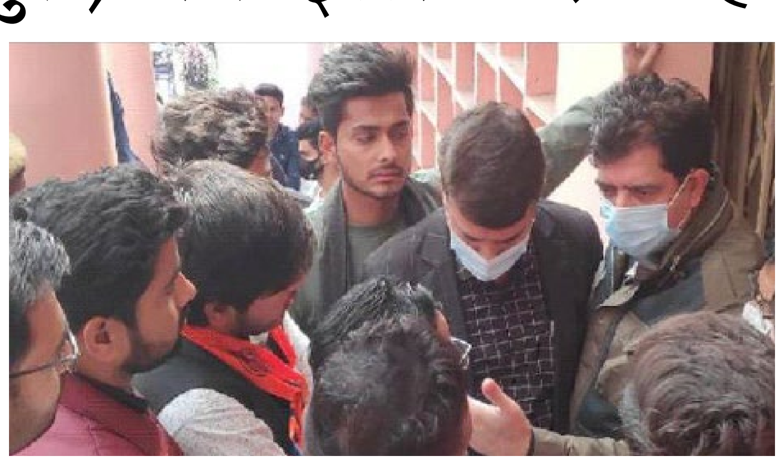

मेरठ के चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में शनिवार को अखिल भारती विद्यार्थी परिषद के तहत छात्रों ने विरोध प्रदर्शन और घेराव किया।

कुलपति कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करने बैठे छात्र

इस पर कुलपति द्वारा सभी समस्याओं को जल्द समाधान करने का आश्वासन दिया गया। छात्र नारेबाजी करते हुए कुलपति कार्यालय पहुंचे, लेकिन ताला लगा होने के कारण छात्र कार्यालय के बाहर ही धरने पर बैठ गए। जिससे छात्रों की यूनिवर्सिटी प्रशासन से घंटों तक जमकर नोकझोंक हुई। तब जाकर कुलपति ने विद्यार्थी परिषद के प्रतिनिधि मंडल से मुलाकात हुई। प्रदर्शन में उत्तम सैनी,अंकित स्वामी,राहुल सिंह,अभिषेक गोयल,आदित्य हूण, अर्जुन बुटार ,अंकित कुमार,अमित धारीवाल,आकाश चौधरी,वैभव तोमर, सोनाली वार्ष्णेय, शिवानी काजला,वैभव शर्मा,हिमांशु तोमर,अमन शर्मा,अक्षय बेनीवाल आदि रहे।

लंबे समय से बीमारी से परेशान थीं

लखनऊ में डॉक्टर की पत्नी ने गोली मारकर की आत्महत्या

भास्कर न्यूज़ | लखनऊ

लखनऊ में बलरामपुर अस्पताल के रेडियोलॉजिस्ट डॉ. समीर वर्मा की पत्नी ने गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के मुताबिक वह लंबे समय से मानसिक बीमारी से परेशान थीं। दो साल से उनका डिप्रेशन में थीं, उनका इलाज चल रहा था।

इंदिरानगर इंस्पेक्टर रामफल प्रजापति ने बताया कि सेक्टर 10 निवासी डॉ. समीर वर्मा की पत्नी अंजू (49) ने शनिवार को घर के अंदर ही खुद को गोली मार ली। इंस्पेक्टर ने बताया कि समीर वर्मा सुबह ही हॉस्पिटल चले गए थे। दोपहर में पत्नी ने उन्हें कॉल किया कि अब मेरी बीमारी ठीक नहीं हो सकती, इसलिए जीना नहीं चाहती हूं। इसके बाद समीर की लाइसेंसी रिवाल्वर अलमारी से निकाली और अपनी दाईं कनपटी पर गोली मार ली। इंस्पेक्टर ने बताया कि घटना के समय समीर की मां, उनके 18 और 13 साल के दोनों बेटे घर पर मौजूद थे।

पत्नी की बातें सुन हॉस्पिटल से भागे समीर

अंजू ने जैसे ही उनसे बात करके फोन काटा वो हड़बड़ी में घर भागे। मगर, घर पहुंचने से पहले ही अंजू ने यह आत्मघाती कदम उठा लिया। समीर अंजू को ट्रॉमा सेंटर लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इंस्पेक्टर ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

अपने शहर की रियल टाइम खबरें पढ़ने के लिए डाउनलोड करें दैनिक भास्कर ऐप

न्यूज ब्रीफ

अमेठी में गौरीगंज से भाजपा प्रत्याशी के भतीजे ने फोन पर धमकाया, ऑडियो वायरल

अमेठी| पहले गौरीगंज से भाजपा प्रत्याशी चंद्र प्रकाश मिश्र मटियारी के भतीजे का एक ऑडियो वायरल हुआ है। जिसमें वो धमकी दे रहा है कि अगर बूथ हारे तो जान से मार देंगे। धमकी से डरकर घबराए युवक नें वीडियो जारी कर पुलिस से अपनी जान की रक्षा की गुहार लगाई है। हालांकि दैनिक भास्कर इस ऑडियो की पुष्टि नहीं करता है। दरअसल पीड़ित गौरीगंज कोतवाली क्षेत्र के अपुईया गांव का रहने वाला है। गांव निवासी विपिन गुप्ता पुत्र राधे श्याम गुप्ता ने एक वीडियो वायरल करते हुए बताया है कि गौरीगंज से भाजपा प्रत्याशी चंद्र प्रकाश मटियारी के भतीजे पिंकू मटियारी नें मुझे फोन पर जान से मारने की धमकी दी है।

अकबरपुर : लोग बोले- धर्मराज निषाद फाइट में नहीं, सपा-बसपा में टक्कर

अंबेडकरनगर|अंबेडकरनगर के अकबरपुर विधानसभा में बीजेपी बैकफुट पर दिख रही है। इसके चलते यहां सपा और बसपा की बीच सीधी लड़ाई है। सूत्रों की मानें तो संगठन की नाकामी और धर्मराज निषाद के पहले अकबरपुर में न दिखने से, लोग बीजेपी कैंडिडेट को डमी मान रहे हैं। यही वजह है कि अकबरपुर में बसपा और सपा में सीधी लड़ाई मानी जा रही है। सूत्र बताते हैं कि धर्मराज निषाद कटेहरी से चुनाव लड़ना चाहते थे, लेकिन बीजेपी ने नामांकन से ठीक पहले उन्हें अकबरपुर से प्रत्याशी बना दिया। यही वजह थी अकबरपुर से धर्मराज को टिकट दिए जाने से बीजेपी नेताओं में नाराजगी हो गई। आपसी गुटबाजी के चलते बीजेपी मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज चौहान की जनसभा में भीड़ नहीं बटोर सकी और ये रैली फ्लॉप साबित हुई।

कानपुर मेट्रो : ढाई हजार लोगों करेंगे शिफ्ट, लोगों के रहने की व्यवस्था की जाएगी

कानपुर |कानपुर में पहले कॉरिडोर में सेकेंड फेज का काम शुरू हो गया है। चुन्नीगंज में टनल खुदाई करने से पहले रिटेनिंग वॉल बनाने का काम भी शुरू किया जा चुका है। टनल की खुदाई से पहले मेट्रो ढाई हजार लोगों से मकान खाली कराकर दूसरे स्थान पर रहने की व्यवस्था करेगा। रहने के लिए किराए के मकान दिए जाएंगे। लखनऊ में हैदर कैनाल के पास मेट्रो अंडरग्राउंड टनल बनाते समय लोगों को किराए के मकान में रख चुका है। शहर में चुन्नीगंज, नवीन मार्केट, बड़ा चौराहा और नयागंज अंडरग्राउंड स्टेशन बनाए जाएंगे। सभी स्टेशन जमीन के अंदर 21 मीटर नीचे होंगे। इनकी खुदाई के लिए टनल बोरिंग मशीन भी आ चुकी है। बता दें कि शहर में 3 सेक्शन में मेट्रो की अंडरग्राउंड टनल बन रही है। चुन्नीगंज से नयागंज स्टेशन के बीच अंडर ग्राउंड के पहले सेक्शन में मेट्रो की टनल 90 मकानों के नीचे से गुजरेगी। ये सभी मकान बड़ा चौराहा से नयागंज स्टेशन के बीच हैं। मेट्रो ने इन सभी मकानों का सर्वे किया है।

लोकतंत्र के महापर्व में साक्षी बनेंगे मासूमः प्रयागराज में आज होना है मतदान

प्रयागराज|जरा इस तस्वीर को गौर से देखिए, यह मासूम न तो मतदाता हैं और न ही मतदान कर्मी फिर भी लोकतंत्र के इस महापर्व में साक्षी बनने जा रहे हैं। दरअसल, प्रयागराज में 27 फरवरी को विधानसभा का चुनाव होने जा रहा है। ऐसे में एक दिन पहले 26 फरवरी को प्रयागराज के केपी कॉलेज से मतदान कराने के लिए पोलिंग पार्टियां रवाना हुईं। यहां मतदानकर्मियों के साथ बस में दो मासूम बच्चे भी मौजूद थे। जो लोकतंत्र के इस महापर्व के साक्षी बनने जा रहे थे। यह अपनी मां के साथ चुनाव ड्यूटी में जा रहे हैं। मां विमला देवी सहायक अध्यापिका हैं। यह दोनों छोटे-छोटे बच्चों के साथ चुनाव ड्यूटी के लिए जा रही थीं। विमला अपने दोनों बच्चों के साथ मतदान ड्यूटी करेंगे।

ग्राउंड रिपोर्ट • उत्तर प्रदेश की तीन यूनिवर्सिटीज का हाल जानने के लिए पहुंचा भास्कर

विवि में आमरण अनशन, बीएचयू में हिंसक छात्र आंदोल और गोरखपुर में कुर्सी के पीछे मारपीट...

यूपी की यूनिवर्सिटीज हमेशा से राजनीति का अखाड़ा बनती रही हैं। चाहें मामला ऑफलाइन परीक्षा का हो, ऑनलाइन क्लासेस का या छात्र संघ बहाल करने का, हर चीज पर राजनीति शुरू होने में देर नहीं लगती। इन्हीं मुद्दों की तह तक जाने के लिए हमने यूपी की तीन ऐसी जगह की यूनिवर्सिटीज चुनीं जहां वोटिंग होने वाली है। इलाहाबाद यूनिवर्सिटी, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी और दीनदयाल उपाध्याय यूनिवर्सिटी। तीनों जगह से स्टूडेंट्स की जो बातें निकलकर आईं हम उनको इस रिपोर्ट में लिख रहे हैं...

यूनिवर्सिटी 1: इलाहाबाद यूनिवर्सिटी, प्रयागराज

पहले हमारे आंदोलन की बात फिर हम राजनीति पर आएंगे

इलाहाबाद, प्रयागराज | इलाहाबाद विश्वविद्यालय में राजनीति से पहले आमरण अनशन की बात करनी पड़ेगी। 6 मुख्य कैंपस और 13 से ज्यादा हॉस्टल वाली इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में इस वक्त उन्माद मचा है।

चुनाव की बात करने पर छात्र कहते हैं, 'पहले हमारे आंदोलन की बात कीजिए। उसके बाद हम राजनीति पर आएंगे। हमारे 25 साथी बेहोश होकर बेली अस्पताल जा चुके हैं। आज यूनिवर्सिटी फैसला नहीं करती तो कल 50 और बच्चे बिना खाए-पिए बेहोश हो जाएंगे।' मामला विश्वविद्यालय की ओर से ऑफलाइन परीक्षा कराने का है। छात्रों की मांग है कि उन्हें असाइनमेंट के आधार पर पास किया जाए। क्योंकि ऑनलाइन कक्षाओं में प्रैक्टिकल नहीं हुए। अब प्रशासन प्रैक्टिकल के लिए कह रही है।

बहरहाल, ऊपर की अब राजनीति की बात, एनसएसयूआई और समाजवादी पार्टी से जुड़े नेता सबसे ज्यादा सक्रिय हैं। एनएसयूआई के अभिषेक त्रिपाठी विश्वविद्यालय के निराला गेट पर लेटे हुए हैं। उनमें उठने की ताकत नहीं बची है। कहते हैं, 'चार दिन से आमरण अनशन पर हूं। अभी मेडिकल रिपोर्ट आई डॉक्टर्स ने शुगर-बीपी सब कम बताया। लेकिन एयू प्रशासन हमारी बात मानें नहीं तो मेरी लाश एम्बुलेंस में जाएगी।'

एनएसयूआई के अभिषेक त्रिपाठी निराला गेट पर लेटकर धरना देते हुए।

बीते 30 सालों में इविवि में पहले जैसे नेता नहीं हुए

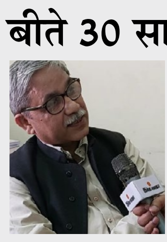

1980 के दशक के बाद इलाहाबाद विश्वविद्यालय की राजनीति पढ़ाने वाली नर्सरी कमजोर हो गई इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सेंटर ऑफ मीडिया स्टडीज में कोर्स कोऑर्डिनेटर पद पर कार्यरत धनंजय चोपड़ा कहते हैं, 'पहले विश्वविद्यालय की नसर्री से निकले छात्र नेता देश की कमान संभालते थे। शंकर दयाल शर्मा से लेकर मदनलाल खुराना तक ऐसे कई नेता रहे। लेकिन 1980 के दशक में राजनीतिक पार्टियां छात्र राजनीति में कूदीं। तब से एक स्वर में बोलने वाले छात्र कम हो गए। अब पार्टियों के नारे को जिंदाबाद करते हैं। इसी वजह से बीते 30 सालों में इविवि में पहले जैसे नेता नहीं हुए।'

कुर्सी के लिए हमारे सामने मारपीट

यूनिवर्सिटी के कुछ स्टूडेंट्स ने हमें बताया कि डीडीयू में 10-15 साल पहले तक मारपीट हो जाती थी पर अब बच्चे शिक्षित हो गए हैं तो ऐसा नहीं होता है। लेकिन जब हम कैंटीन में बैठे थे तो हमें कुछ अलग दिखा। वहां अचानक से लड़कों ने मारपीट शुरू कर दी। मामला था एक कुर्सी का। पूरी कैंटीन भरी हुई थी। बस एक कुर्सी खाली थी। उस कुर्सी पर बैठने को लेकर दो लड़कें आपस में बहस करने लगे। आसपास लोग कुछ समझ पाते उससे पहले ही एक लड़के ने कुर्सी उठाकर दूसरे के ऊपर फेंक दी। दोनों के बीच जमकर मारपीट शुरू हो गई। लोग कैंटीन छोड़ भागने लगे।

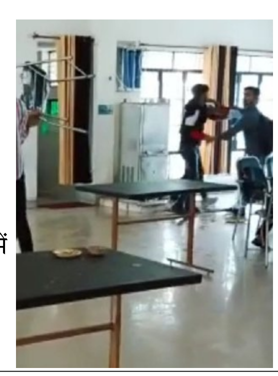

यूनिवर्सिटी 2: बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी

मोदी जी ने बनारस और यहां के लोगों के लिए बहुत किया है, इसलिए छात्र भाजपा के साथ

वाराणसी| बनारस में 7 मार्च को चुनाव होने हैं। लेकिन 10 दिन पहले से ही बीएचयू का माहौल गर्म है। बीते 6 दिनों से यूनिवर्सिटी के मेन गेट पर ऑनलाइन क्लासेज पर छात्रों का विरोध शांत हो चुका है। कैंपस में जगह-जगह चुनावी पोस्टर चिपके हैं। कैंटीन में रूस-यूक्रेन युद्ध की बातें हो रही हैं। बीएचयू के स्टूडेंट्स योगी जी को बहुत पसंद करते हैं। यहां के हॉस्टल में भाजपा, मोदी और योगी की बातें सबसे ज्यादा होती हैं।'' बीएचयू यानी काशी हिंदू विश्वविद्यालय की कैंटीन पर मिले मोहित कुमार ने हमसे यह बात कही। वो आगे कहते हैं कि पिछले 5 साल में मोदी जी ने बनारस और यहां के लोगों के लिए बहुत कुछ किया है। इसलिए यहां के छात्र भाजपा के साथ हैं। इंदिरा गांधी के दौर में भी बीएचयू की बड़ी राजनीतिक पहचान थी। यूनिवर्सिटी के लंका चौराहे पर बने सिंह द्वार पर लोकनायक जय प्रकाश नारायण से लेकर लोकबंधु राज नारायण ने बड़े आंदोलन छेड़े। बीएचयू में समाज शास्त्र विभाग के प्रोफेसर डॉ.अरविन्द जोशी कहते हैं,'' बचपन में जब हमें पता चलता था कि लंका गेट पर राज नारायण जी धरने पर बैठे हैं। हम सभी दोस्त नींबू पानी पीने उनके टेंट पर पहुंच जाते थे।

1998 के हिंसक छात्र आंदोलन ने बीएचयू की छवि धूमिल की

प्रोफेसर जोशी ने बताया,' यूनिवर्सिटी की छात्र राजनीति में कई दौर आए। 1990 में एक दौर आया जब छात्र राजनेता बनने की तैयारी करते थे। 1998 तक छात्र राजनीति में आपराधिक प्रवृत्ति हावी होती गई। कैंपस में बाहरी गुंडे आने लगे। इसके यहां के इंनोसेंट छात्र भी डरे सहमे रहने लगे। 1998 के हिंसक छात्र आंदोलन ने विश्वविद्यालय की इमेज बदलकर रख दी। खूब हंगामा हुआ, विधानसभा तक इसकी गूंज रही। इस आंदोलन के बाद से ही यहां छात्र संघ चुनाव शांत पड़ता गया।''

2017 में गर्ल्स हॉस्टल में लाठी चार्ज को नहीं भूल पाएं स्टूडेंट्स

बीएचयू के मालवीय सेंटर फॉर पीस रिसर्च से एमए कर रहे प्रियेश पांडे कहते हैं,''2017 में योगी सरकार आई। इत्तेफाक से उसी साल यहां लड़कियों पर लाठी चार्ज किया गया। यहां के स्टूडेंट्स ने योगी सरकार में गिरती कानून व्यवस्था देखी। कोरोना के टाइम पर कैंपस में सैकड़ों लाशों को जाते देखा है। कई लोग प्लेसमेंट्स के लिए आज भी दर-दर भटक रहे हैं। हालत ये है कि अगर आज छात्र चुनाव हो जाए एक वोट भी बीजेपी के समर्थन में नहीं जाएगा।''

यूनिवर्सिटी 3: दीनदयाल उपाध्याय विवि, गोरखपुर

डीडीयू में मौजूद 10 में से 9 छात्रों ने कहा- योगी सरकार स्टूडेंट्स के लिए हर मामले में एकदम फेलियर रही

दीनदयाल उपाध्याय | कैंपस में घुसते ही हर तरफ 'छात्र संघ बहाल करो' ही लिखा हुआ नजर आता है। स्टूडेंट्स ने बताया, "2016 के बाद छात्र संघ चुनाव न होने से अब हमारी कोई नहीं सुनता। कैंपस में गंदे वाशरूम, सीटों की जर्जर हालत, बेरोजगारी और शिक्षा के साथ खिलवाड़ ही अब डीडीयू की पहचान बन गए हैं।

भाजपा ने युवाओं को इतना रोजगार दिया है कि रूम से निकाल-निकाल कर मारा गया योगी आदित्यनाथ बतौर सांसद इसी गोरखपुर विश्वविद्यालय को केंद्रीय विवि बनाने का मुद्दा उठाकर नेता बने हैं। आज मुख्यमंत्री हो गए तो सब कुछ भूल गए। यूनिवर्सिटी के आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का 5-6 महीनों का वेतन बाकी है। एक कर्मचारी तो कोविड के समय पैसे की कमी से इलाज कराए बिना मर गया। उसके परिवार की सुनने वाला कोई नहीं है। जो यहां के छात्र नहीं हैं वो यहां राजनीति चमकाने चले आते हैं। स्टूडेंट्स को डिस्टर्ब करते हैं।

उन्हें मारने पीटने तक उतारू हो जाते हैं। जब मैं यहां आया तो मुझे लगा योगी जी का क्षेत्र हैं। बदलाव मिलेगा। पर बदलाव के नाम पर ऐसा माहौल मिला कि यहां कुछ बोल ही नहीं सकते।

64 साल में पहली बार कुलपति पर भ्रष्टाचार के आरोप

गोरखपुर यूनिवर्सिटी के 64 साल के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि कुलपति पर भ्रष्टाचार और पद का दुरूपयोग करने के आरोप लगे हैं। प्रोफेसर कमलेश ने 21 दिसंबर को कुलपति के खिलाफ सत्याग्रह आंदोलन शुरू किया था। आज 2 महीने से ज्यादा हो गया है। प्रोफेसर अब तक आंदोलन कर रहे हैं लेकिन उसकी कोई सुनवाई नहीं हुई।

कांग्रेस की महिला जिलाध्यक्ष की गाड़ी पर फेंके पत्थरःवाराणसी के रोहनिया विधानसभा क्षेत्र की घटना

वाराणसी|वाराणसी की कांग्रेस की महिला जिलाध्यक्ष अनुराधा यादव ने शनिवार को रोहनिया विधानसभा के केशरीपुर क्षेत्र में अपनी गाड़ी पर पथराव का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्षियों ने हमें डराने की कोशिश की। मगर, विपक्षियों को यह नहीं पता है कि हमारी नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने हमें सिखाया है कि लड़की लड़ सकती है। मैं भी लड़की हूं और लड़ सकती हूं।

विपक्षियों की ऐसी गंदी हरकत से मैं डरने वाली नहीं हूं। रोहनिया विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी राजेश्वर सिंह पटेल का पूरे दमखम के साथ प्रचार करती रहूंगी। हम सभी को पूरा विश्वास है कि इस बार रोहनिया विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी राजेश्वर सिंह पटेल की जीत हर हाल में तय है। उधर, इस संबंध में रोहनिया थाना प्रभारी विमल कुमार मिश्र ने कहा कि उन्हें ऐसी किसी घटना की जानकारी नहीं है। उन्हें न किसी ने टेलीफोन करके सूचना दी है और न इस संबंध में कोई तहरीर दी है।

पूर्व छात्रों ने आईआईटी और बीएचयू को1.33 करोड़ रुपए दान दिएः तीन प्रोफेसरों को मिलेगी रिसर्च एक्सीलेंस फेलोशिप

भास्कर न्यूज |वाराणसी

आईआईटी-बीएचयू को अपने पूर्व छात्रों से शनिवार को 1.33 करोड़ रुपए मिले। ये पैसे रिसर्च एक्सीलेंस फेलोशिप के लिए दिए गए हैं। दान करने वाले पूर्व छात्र मनु श्रीवास्तव और श्रीकांत कोम्मू 1994 बैच के हैं। IIT-BHU की यह फेलोशिप संस्थान के तीन विभागों केमिकल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, मैकेनिकल इंजीनियरिंग और मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग के तीन प्रोफेसरों को दी जाएगी। चुनिंदा क्षेत्र में नई रिसर्च की संभावनाओं को खोजने और उसे बढ़ाने वाले प्रोफेसर ही इसके हकदार होंगे।

आज आईआईटी-बीएचयू ने समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किया है। इसमें अमेरिका में रह रहे 94 बैच के छात्र मनु श्रीवास्तव और श्रीकांत कोम्मू (आईआईटी-बीएचयू) के साथ संस्थान के अधिष्ठाता (संसाधन और एलुमुनाई) प्रो. राजीव श्रीवास्तव भी रहे। यह फेलोशिप रिसर्च के क्षेत्र के अलावा भी परमानेंट आधार पर जारी रहेगी।

निदेशक बोले-रिसर्च का इकोसिस्टम... आईआईटी-बीएचयू के निदेशक प्रोफेसर प्रमोद कुमार जैन ने कहा कि 1994 बैच के पूर्व छात्रों द्वारा दिया गया यह योगदान लंबे समय तक रहेगा। संस्थान में शैक्षणिक और अनुसंधान इको-सिस्टम को मजबूत करेगा।

इन क्षेत्र में रिसर्च करने वालों को फेलोशिप

आईआईटी-बीएचयू की यह फेलोशिप केमिकल इंजीनियरिंग में रिन्यूएबल एनर्जी और सस्टनेबिलिटी साइंस, मैकेनिकल इंजीनियरिंग में इंफ्रॉस्ट्रक्चर, डिजाइन, थर्मल और फ्लूइड इंजीनियरिंग, मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग में कंप्यूटेशनल, मटेरियल इंजीनियरिंग, सस्टेनेबल मैटेरियल्स, कोरोजन फैटीग, गर्म कोरोजन फैटीग और फ्रैक्चर, फेरस प्रोसेस मेटलर्जी आदि क्षेत्रों में रिसर्च करने वालों को दिया जाएगा।

भास्कर खास • बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी में भास्कर की डेमोक्रेसी वॉल, छात्रों को मिला मंच

सत्ता ऐसी चुनें जो संविधान की रक्षा करे; स्टूडेंट्स ने लिखा- गलत कैंडिडेट चुनने से बेहतर है नोटा

भास्कर न्यूज | वाराणसी

25 फरवरी को सुबह 11 बजे बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी कैंपस में दैनिक भास्कर ने अपनी 'डेमोक्रेसी वॉल' खड़ी की। इसका मकसद था यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स को अपनी बात कहने के लिए एक मंच प्रदान करना। तकरीबन 11:40 बजे तक 'डेमोक्रेसी वॉल' के पास स्टूडेंट्स का जमावड़ा लगना शुरू हुआ और स्टूडेंट्स ने एक-एक कर अपनी बात लिखना शुरू किया।

स्टूडेंट्स में उत्साह इतना था कि मात्र पांच घंटे में ही तकरीबन 250 बच्चों ने भास्कर की 'डेमोक्रेसी वॉल' पर अपनी बात लिखी और दैनिक भास्कर की इस पहल को पसंद भी किया।

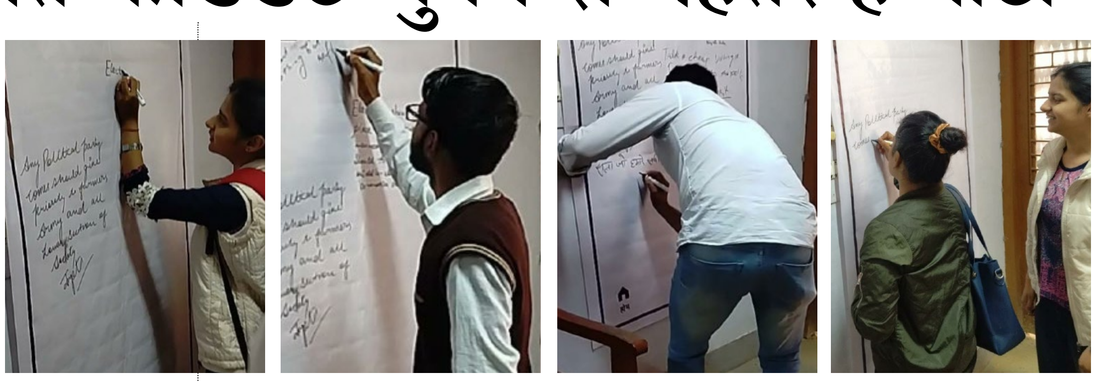

बीएचयू के पत्रकारिता विभाग के 50 से ज्यादा बच्चों ने डेमोक्रेसी वॉल पर चुनाव को लेकर अपनी बात लिखी। इसमें वोटिंग के समय हिंसा को रोकने पर पुलिस की कार्रवाई की तारीफ भी की।

कांग्रेस के लोग ही चाहते हैं कांग्रेस हारे

सदफ जफर बोलीं- कांग्रेस में भी कुछ संघी हैं, जो नहीं चाहते आगे बढ़ें

भास्कर न्यूज |जौनपुर

नाराज कार्यकर्ताओं को मनाने में सभी पार्टी एड़ी चोटी का जोर लगा रही हैं। ऐसी ही कुछ हालत कांग्रेस की भी है। जौनपुर में कांग्रेस प्रत्याशी नदीम जावेद के प्रचार के लिए लखनऊ मध्य की कांग्रेस प्रत्याशी सदफ जफर आई हुई हैं। नाराज कार्यकर्ता को मनाने के दौरान उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश कांग्रेस में कुछ ऐसे लोग हैं, जो चाहते हैं कि कांग्रेस हार जाए। दरअसल, फैसल हसन का टिकट काटकर कांग्रेस ने पूर्व विधायक नदीम जावेद को टिकट दे दिया है। जिसके चलते कुछ कांग्रेसी कार्यकर्ताओं में आक्रोश है।

जौनपुर में चुनाव प्रचार प्रसार में सदफ जफर की मुलाकात कांग्रेसी कार्यकर्ता से हो गई। कार्यकर्ता में आक्रोश था कि कांग्रेस ने फैसल हसन का टिकट काटकर नदीम जावेद को उम्मीदवार बना दिया। इस बात से खफा होकर वो नदीम जावेद को वोट नहीं करना चाहता है। इसी बात को लेकर सदफ जफर नाराज कार्यकर्ता को मना रही थीं। नाराज कार्यकर्ता को मनाने के दौरान सदफ जफर ने कहा, उत्तर प्रदेश कांग्रेस में कुछ ऐसे लोग भी हैं, जो चाहते हैं कि कांग्रेस हारे।

एयर एंबुलेंस से दिल्ली रवाना हुए नदीम जावेद

शुक्रवार को चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस के सदर विधानसभा से प्रत्याशी नदीम जावेद की तबीयत बिगड़ गई थी। उन्हें एयर एंबुलेंस के माध्यम से दिल्ली भेजा गया। बाबतपुर एयरपोर्ट से वो दिल्ली के लिए रवाना हुए। दिल्ली के मेदांता अस्पताल में उनकी जांच चल रही है।

अपने शहर की रियल टाइम खबरें पढ़ने के लिए डाउनलोड करें दैनिक भास्कर ऐप

1 अप्रैल से होगा लागू • कूड़ा-कचरा उठाने वालों को रोज 400 की जगह 450 और सुपरवाइजर को 400 से बढ़कर 475 रुपए रोजाना मिलेंगे

नगर निगम के दैनिक कर्मियों की 3 साल बाद बढ़ी मजदूरी...अकुशल की 50 और कुशल की 75 रुपए

4600 कामगारों की पुरानी मांग पर बोर्ड की मुहर

▪ 1.15 लाख वर्गफीट में अर्बन फॉरेस्ट विकसित करेगा निगम

सिटी रिपोर्टर | पटना

करीब 3 साल के बाद पटना नगर निगम के दैनिक कर्मियों की मजदूरी में वृद्धि की जाएगी। शनिवार को निगम की बोर्ड बैठक में दैनिक कर्मियों की मजदूरी बढ़ाने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई है। 1 अप्रैल 2022 से निगम के छह अंचलों में काम करने वाले करीब 4600 दैनिक कर्मियों को इसका लाभ मिलेगा। अकुशल कर्मियों को 50 रुपए और कुशल कर्मियों को 75 रुपए दैनिक मजदूरी बढ़ाने का निर्णय लिया गया। अकुशल श्रेणी में कूड़ा-कचरा उठाने, ठेला चलाने वाले, झाड़ू मारने वाले, नाली साफ करने वाले मजदूरों को अभी प्रतिदिन 400 रुपए मिलते हैं, जो 450 रुपए हो जाएंगे। वहीं, कुशल में सुपरवाइज को अभी दैनिक मजदूरी 400 रुपए प्रतिदिन है, जिसे 475 रुपए किया जाएगा।

स्वच्छता एप इंस्टॉल करने पर पार्किंग शुल्क माफ

निगम ने हरियाली बढ़ाते हुए वायु प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए अर्बन फॉरेस्ट विकसित करने की भी स्वीकृति दी है। इसमें सड़क के किनारे और निगम की खाली जमीन पर पौधरोपण किया जाएगा। स्टैंडिंग कमिटी के मेंबर डा. आशीष सिन्हा ने बताया कि जापान की मियावाकी टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर कम जमीन पर कम समय में ज्यादा संख्या में पौधे उगाए जाएंगे। उन्हीं पौधों का चयन किया जाएगा, जो यहां की आबोहवा के अनुकूल हों। मिट्टी की जांच के बाद उसके अनुकूल पौधों की नर्सरी तैयार की जाएगी। जमीन की 3 फीट अंदर तक की मिट्टी निकाल कर उसे उर्वरा बनाने के लिए चावल का भूसा, गोबर, जैविक खाद, कम्पोस्ट खाद, जीवामृत आदि डाल कर ऊपर से मिट्टी डाली जाएगी। इन पौधों में झाड़ीनुमा पौधे और मध्यम आकार के पेड़ों के पौधे होंगे। इन दोनों श्रेणी के पौधों को सुरक्षा, छांव और नमी देने वाले बड़े पेड़ के पौधे लगाए जाएंगे।

स्मार्ट पार्किंग के लिए बोर्ड ने दी स्वीकृति

शहर में स्मार्ट पार्किंग सुविधा के लिए बोर्ड ने स्वीकृति दे दी है। स्मार्ट पार्किंग की जगह पहले ही चिह्नित है। अधिकारी इनका जायजा लेकर इसमें संशोधन कर सकते हैं। इसके लिए भी अनुमति मिल गई है।

निगम की बोर्ड बैठक के अन्य फैसले

- पटना मेट्रो के लिए मीठापुर में 2943.02 वर्गमीटर जमीन मिलेगी।
- लाइट लगाने वाली ईईएसएल को बकाया भुगतान होगा।
- मोबाइल पर स्वच्छता एप इंस्टॉल रहने पर वाहन पार्किंग शुल्क नहीं लगेगा।
- कचरा प्रबंधन के लिए 3 करोड़ 32 लाख 10 हजार रुपए से 150 ई-रिक्शा की खरीद होगी।
- बेहतर ढंग से काम के लिए मानव बल उपलब्ध कराने वाली एजेंसियों को निविदा के जरिए सूचीबद्ध किया जाएगा।
- आउटसोर्सिंग एजेंसी की सेवा अवधि के विस्तार का निर्णय हुआ।
- श्री कृष्णापुरी अवस्थित भू-खंड संख्या-224 टाइप ए के नामांतरण का निर्णय स्वीकृत हो गया।
- वार्ड-71 में ट्यूबवेल निर्माण के लिए करीब 1 करोड़ रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति मिलेगी। प्रस्ताव पास।
- धनकी मोड़ से जलापूर्ति केन्द्र अधिष्ठापन एवं पाइपलाइन कनेक्शन करने के लिए राशि की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।

बाहर कर्मियों, तो अंदर पार्षदों का हंगामा

30 फीसदी चतुर्थवर्गीय कर्मी हड़ताल से जुड़े

पटना नगर निगम चतुर्थवर्गीय कर्मचारी संघ के आह्वान पर शनिवार को दूसरे दिन भी हड़ताल जारी रही। संघ के महासचिव नंदकिशोर दास, कार्यकारी अध्यक्ष जयप्रकाश नारायण दास, उपाध्यक्ष सूरज राम ने कहा कि जब तक मांगें पूरी नहीं होंगी, हड़ताल जारी रहेगी। 28 फरवरी से आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

18 हजार वेतन करने की मांग

पटना नगर निगम के दैनिक कर्मियों ने सेवा नियमित करने, 18 हजार रुपए मासिक वेतन और हर माह 5 तारीख तक वेतन-पेंशन भुगतान सहित अन्य मांगों को लेकर मौर्या लोक और बांकीपुर अंचल के परिसर में जमकर प्रदर्शन किया।

योजना राशि के लिए पार्षद भड़के

पटना नगर निगम के मेयर सीता साहू, डिप्टी मेयर रजनी देवी और नगर आयुक्त अनिमेश कुमार पराशर की मौजूदगी में बोर्ड की बैठक शुरू हुई। बैठक में एक करोड़ की योजना को लेकर पार्षदों ने जमकर हंगामा किया। कुछ वार्ड में इस योजना की राशि भेजी है।

एसटीईटी के सफल अभ्यर्थियों का सचिवालय के पास फिर हंगामा

शिक्षक अभ्यर्थी ने दी आत्मदाह की धमकी, घसीटकर थाने ले गई पुलिस

क्राइम रिपोर्टर | पटना

एसटीईटी 2019 के सफल अभ्यर्थियों ने लगातार तीसरे दिन शनिवार को भी बहाली के लिए सचिवालय के पास हंगामा किया। सभी सचिवालय गेट के पास बैठ गए और हंगामा करने लगे। प्रतिबंधित क्षेत्र में पहुंचने और नारेबाजी करने से पुलिस अधिकारियों में अफरातफरी मच गई। भारी तादाद में पुलिस पहुंची। पुलिस इन्हें हटने को कह रही थी, पर अभ्यर्थी मानने को तैयार नहीं थे। नौकरी नहीं मिलने से कई छात्र रोने-चिल्लाने लगे। एक छात्र अनिल ने तो आत्मदाह की धमकी दे डाली। इससे पुलिस के हाथ-पांव फूलने लगे। पुलिस उसे घसीट कर सचिवालय थाने ले गई। उसके बाद सभी अभ्यर्थियों को वहां से हटा दिया गया। सचिवालय थानेदार सीपी गुप्ता ने बताया कि पकड़े गए छात्र अनिल को छोड़ दिया गया। इससे पहले गुरुवार और शुक्रवार को भी अभ्यर्थियों ने हंगामा किया था। इसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज किया था। छात्रों का कहना है कि एसटीईटी 2019 में 80,402 छात्र पास हुए थे। इनमें 30,675 को मेरिट लिस्ट, जबकि शेष को नॉन मेरिट कैटेगरी में रखा गया। अभ्यर्थियों का कहना है कि जो भी छात्र सफल हुए हैं, सबों को मेरिट में रखा जाए।

लिखित में बैठाया था स्कॉलर

सिपाही भर्ती के फिजिकल में महिला अभ्यर्थी गिरफ्तार

पटना | सिपाही बहाली के फिजिकल टेस्ट के दौरान एक महिला अभ्यर्थी गिरफ्तार कर ली गई। गया की रहने वाली राखी कुमारी ने लिखित परीक्षा में किसी स्कॉलर का बैठाया और पास कर गई। पास होने के बाद शनिवार को उसका फिजिकल टेस्ट था। वह शारीरिक परीक्षा देने के लिए गर्दनीबाग हाईस्कूल आ गई। जब उसका साइन, चेहरा और फिंगरप्रिंट मिलाया गया, तो मेल नहीं खाया। उसके बाद गर्दनीबाग थाने की पुलिस को बुलाकर उसे सौंप दिया गया। थानेदार अरुण कुमार ने बताया कि उसके खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। उसे जेल भेज जाएगा। केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) की ओर से आयोजित महिला सिपाहियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा में शनिवार को 941 अभ्यर्थी मौजूद रहीं। इसमें दौड़ में 721, ऊंची कूद और गोला फेंक में 677, ऊंचाई व वजन माप में 379 अभ्यर्थी सफल रहीं।

पटना एम्स की डॉक्टरों ने किया कमाल, दोनों अंडाशय को भी बचाया

17 साल की अविवाहित लड़की के अंडाशय से नौ माह के गर्भ के बराबर सिस्ट निकाला

सिटी रिपोर्टर | पटना

पटना एम्स में 17 साल की किशोरी के पेट से चिकित्सकों ने नौ महीने के गर्भ के बराबर अंडाशय से सिस्ट निकाला। उसे सांस लेने में तकलीफ, भूख न लगना, वजन कम होना और पेट के बढ़ने की शिकायत थी। उसने 21 फरवरी को डॉ. इंदिरा प्रसाद से ओपीडी में दिखाया। अविवाहित लड़की का इतना बड़ा पेट देखकर चिकित्सक भी हतप्रभ थीं। उसने स्कूल जाना भी बंद कर दिया था। सोनोग्राफी और सीटी स्कैन कराने पर ओवरी (अंडाशय) के इस सिस्ट का पता चला।

लड़की अविवाहित थी इसलिए बड़ा चीरा लगाना भी ठीक नहीं था। साथ ही सिस्ट को सावधानी से निकालना था जिससे भविष्य में वह मां बन सके। दोनों अंडाशय को भी बचाना एक मुश्किल काम था। लेकिन दोनों अंडाशय को भी बचा लिया गया। डॉ. इंदिरा ने बताया कि ऑपरेशन के पहले किशोरी का वजन 49.5 किलो था। बाद में 33 किलो हो गया। सिस्ट के अलावा पानी भी भर गया था। ड्रेन करके पहले पानी निकाला गया फिर दूरबीन पद्धति से सफल सर्जरी करके सिस्ट को निकाला गया। सर्जरी में तीन घंटे से अधिक का समय लगा। बिहार में अबतक इतना बड़ा ओवरी का सिस्ट नहीं निकाला गया होगा। उसे एम्स से शनिवार को छुट्टी दे दी गई। बेनाइन ट्यूमर के मल्टीपल कारण हो सकते हैं। वैसे आमतौर पर यह जेनेटिक ही होता है। सिस्ट निकालने के बाद कैंसर मार्कर की भी जांच कराई गई, जो निगेटिव मिला है। सर्जरी करने वाले डॉक्टरों की टीम में डॉ. शगुफ्ता और डॉ. उपासना शामिल थीं।

भारत आने वाले सैकड़ों छात्र पोलैंड बॉर्डर पर फंसे

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध के कारण हालात दिनोंदिन खराब होते जा रहे हैं। भारत लौटने वालों की परेशानी बढ़ती जा रही है। फरीदाबाद के रहने वाले दो मेडिकल छात्र पोलैंड बॉर्डर पर फंसे हैं तो कोई हंगरी बॉर्डर पर घंटों फ्लाइट के लिए इंतजार कर रहा है। प्रभावित छात्रों के परिजनों ने अपने बच्चों की समस्याएं शेयर करते हुए कहा कि सरकार ने जो हेल्प लाइन नंबर जारी किया है, उससे कोई मदद नहीं मिल रही। संकट के दौर में बच्चों से 45 किलोमीटर सफर के 10-10 हजार रुपए तक वसूले जा रहे हैं। यही नहीं उन्हें यूक्रेन से पोलैंड बॉर्डर पहुंचने के लिए 25 से 30 किलोमीटर पैदल चलना पड़ रहा है। खाने-पीने का संकट भी बढ़ गया है। बच्चों को फ्लाइट कब मिलेगी कुछ पता नहीं।

परिजनों ने यह बताई पीड़ा: सेक्टर दो बल्लभगढ़ निवासी धर्मेंद्र चौधरी, मुकेश कॉलोनी निवासी राजकुमार बिंदल व राहुल कॉलोनी एनआईटी निवासी कुमार चंद ने बताया कि उनके बच्चे यूक्रेन में फंसे हैं। सरकार जो दावा कर रही है, उस तरह से बच्चों को मदद नहीं मिल रही। बच्चे मेडिकल की पढ़ाई विभिन्न विश्वविद्यालयों में करते हैं। मेडिकल के छात्र विनायक चौधरी व गगन के परिजनों ने बताया कि उनके बच्चे लवीव शहर में रहते हैं। भारत सरकार की एडवाइजरी के अनुसार उनके बच्चे लवीव से 70 किलोमीटर दूर कैब कर पोलैंड बॉर्डर पर पहुंच गए। कैब वाले ने उन्हें 43 किलोमीटर ले जाकर छोड़ दिया। दोनों बच्चे 25 किलोमीटर पैदल चलकर किसी तरह बॉर्डर पहुंचे। इसके लिए उनसे 10-10 हजार रुपए वसूले गए।

हंगरी पहुंचने के बाद ही हो पाएगी व्यवस्था

एनआईटी निवासी मेडिकल छात्र विशाल के परिजनों ने बताया कि उन्हें इवानो शहर से हंगरी ले जाने के लिए बस की व्यवस्था की गई है। हंगरी पहुंचने के बाद ही कोई व्यवस्था बन पाएगी। एनआईटी निवासी कैब कारोबारी कुलदीप सिंह ने बताया कि वह शुक्रवार रात हंगरी बॉर्डर पर परिवार के साथ पहुंच गए, लेकिन फ्लाइट के लिए 7-8 घंटे से इंतजार कर रहे हैं। फ्लाइट कब मिलेगी, कुछ कह पाना मुश्किल है। विशाल के परिजनों ने छात्रों को ले जाने वाली बस की फोटो भी शेयर की।

शहरी विकास के लिए कई घोषणाएं, शहरवासियों को मिलेगा लाभ

अर्बन इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट के लिए बजट में होगा 1000 करोड़ रुपए का प्रावधान

भास्कर न्यूज | गुड़गांव

गुड़गांव में आयोजित दो दिवसीय अर्बन डेवेलपमेंट कॉन्क्लेव के दूसरे दिन शनिवार को मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव डीएस ढेसी ने कहा कि रीयल एस्टेट में संरचनात्मक सुधार के लिए नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग हरियाणा की टीम सकारात्मक सोच के साथ योजनाओं को क्रियान्वित कर रही है और रेगुलेटरी अथॉरिटी के तौर पर पंचकूला व गुरुग्राम हरेरा सक्षम भूमिका भी निभा रही है।

बदलते समय के साथ एक्ट में सुधार लाते हुए कार्य किए जा रहे हैं, ऐसे में डेवेलपर और अलॉटी को सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने के लिए कॉन्क्लेव में प्रेरित किया गया।

अर्बन डेवेलपमेंट कॉन्क्लेव के दूसरे दिन प्रातःकालीन सत्र का मुख्य प्रधान सचिव ने शुभारंभ किया

रोजगार सृजन, क्वालिटी ऑफ लाइफ पर फोकस

मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव वी उमाशंकर ने कहा शहरी विकास के साथ-साथ रोजगार सृजन, क्वालिटी ऑफ लाइफ व क्षमता निर्माण पर विचार रखते हुए इन पहलुओं पर पूरा फ़ोकस करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यदि रोजगार की संभावनाएं बढ़ेगी तो निश्चित तौर पर ही रीयल स्टेट व शहरी विकास भी बढ़ेगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि किसी भी शहर में विकास व क्वालिटी लिविंग के लिए अच्छी मोबिलिटी, डिजिटल कनेक्टिविटी के महत्व पर भी बल दिया जाना समय की जरूरत है। रीयल एस्टेट के हितधारकों की संख्या काफी बढ़ी है। ऐसे में जरूरी है कि इन सभी मुद्दों पर चरणबद्ध तरीके से काम करते हुए इनका समाधान किया जाए।

टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेंद्र सिंह ने कहा कि बाहरी व आंतरिक ढांचागत सुविधा की समस्या को देखते हुए जहां प्रोजेक्ट ओसी के लिए तैयार हैं या ओसी जारी की जा सकती है, वहां पर सुविधाओं को उपलब्ध करवाने की तुरंत जरूरत है। प्रोजेक्ट के अंदर के मार्गों को सही प्रकार से विकसित नहीं किया जाता है और न ही इन मार्गों को मुख्य मार्गों से जोड़ा जाता है।

इसलिए टीसीपी विभाग प्रोजेक्ट विकसित करने की प्रकिया पर कड़ी नजर रखते हुए बाहरी एवं आंतरिक भाग में ढांचागत सुविधाओं के विकास को सुनिश्चित करेगा। गुरुग्राम मेट्रोपोलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी के सीईओ सुधीर राजपाल ने कहा कि गुरुग्राम में मास्टर प्लान के मुताबिक ही रोड कनेक्टिविटी देने पर काम किया जा रहा है। वहीं वाटर सप्लाई नेटवर्क का काम अगले 3-4 माह में पूरा हो जाएगा। गुरुग्राम के ज्यादातर एरिया में सीवर को लेकर काम हो गया है। शहर को जलभराव की समस्या से निजात दिलाने के लिए बादशापुर ड्रेन की क्षमता बढ़ाने का काम अंतिम चरण में है।

गुड़गांव. अर्बन डेवेलपमेंट कॉन्क्लेव में बोलते सीएम मनोहर लाल।

सरकारी-निजी स्कूल में टीईटी पास वाले ही बन सकेंगे टीचर

इसीलिए 11 लाख लोगों ने भरे हैं फॉर्म

सिटी रिपोर्टर | भोपाल

प्रदेश के कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा भोपाल सहित प्रदेश के 16 शहरों में 5 मार्च से प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा ली जाएगी। यह टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट (टीटीई) है। इसे देने के लिए 11 लाख लोगों ने फॉर्म भरे हैं। परीक्षा देने वालों की तादाद इतनी ज्यादा होने की खास वजह सरकार द्वारा शिक्षा के अधिकार संबंधी कानून में तय किया गया मापदंड है।

इस पैमाने के मुताबिक पहली से आठवीं तक के किसी भी सरकारी या प्राइवेट स्कूल में टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट पास किए बिना शिक्षक पद पर नियुक्ति नहीं हो सकती। विभाग के अधिकारियों के मुताबिक 2011 में लागू इस एक्ट के बाद पहली से आठवीं कक्षा तक के स्कूलों में शिक्षक पद पर नियुक्ति के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा पास करने की शर्त शामिल की गई है। इसके अलावा स्कूलों में पहले से नियुक्त शिक्षकों के लिए भी एक प्रावधान किया गया है।

अनुकंपा नियुक्ति भी टेस्ट पास किए बिना नहीं

मृत शिक्षक के आश्रितों को शिक्षक पद पर अनुकंपा नियुक्ति के लिए भी यह टेस्ट पास करना अनिवार्य कर दिया गया है। टेस्ट पास करने के साथ व्यावसायिक दक्षता के तौर पर डीएड या बीएड होना भी जरूरी है।

पेज-1 का शेष

कमाई भले करोड़ों में, क्रिकेट पर 20% ही खर्च कर रहा बोर्ड

बीसीसीआई ने इसके बाद छह महीने कोई जिक्र नहीं किया। फरवरी 2021 में छह महीने की एक साथ रिपोर्ट अपलोड कर दी। अब करीब एक साल हो चुका है, लेकिन वेबसाइट पर खर्च नहीं बताया गया है। इससे सवाल उठता है कि क्या बोर्ड ने एक महीने में 25 लाख रुपए से ज्यादा खर्च करना कम कर दिया है? या वह खर्च की जानकारी देना महत्वपूर्ण नहीं समझता।

यह जानकारी इसलिए जरूरी है क्योंकि इसी से पता चलता है कि बोर्ड विभिन्न गतिविधियों पर मासिक आधार पर कितना पैसा खर्च कर रहा है। यही नहीं, चूंकि बीसीसीआई सूचना के अधिकार (आरटीआई) के दायरे में आने से इनकार कर चुका है। ऐसे में फैंस के लिए यह जानना और भी अहम हो जाता है कि बीसीसीआई कहां और कितना पैसा खर्च कर रहा है।

भास्कर खास • मार्च आखिर तक मिलेंगे रैक, अप्रैल से शुरू कर देंगे ट्रेन

भोपाल से दिल्ली के बीच चलेगी वंदे भारत, कोचों में दिखेंगे सांची के स्तूप और उदयगिरी की गुफाएं

ट्रांसपोर्ट रिपोर्टर | भोपाल

भोपाल से दिल्ली के बीच जल्द ही वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन चलेगी। रेल बजट में इसकी घोषणा हो चुकी है। टाइम टेबल सेट होते ही अप्रैल से इसे शुरू किया जाएगा। इस ट्रेन की खासियत इसका इंटीरियर है। ट्रेन में सांची के विश्व प्रसिद्ध स्तूप, उदयगिरी की गुफाएं, खजुराहो मंदिर की कलाकृतियां, भीमबैठिका के शैल चित्रों आदि की झलक कोचों में देखने को मिलेगी। ये ट्रेन भोपाल से शाम को दिल्ली के लिए रवाना होगी। अक्सर भोपाल से दिल्ली के बीच सीजन के समय यानी समर, विंटर और अन्य अवसरों पर वेटिंग के हालात रहते हैं। भोपाल एक्सप्रेस जैसी ट्रेन में भी सीजन के दौरान सीटें खाली नहीं मिलतीं। अब कोरोना संक्रमण काबू में आ चुका है, इसके बाद रेलवे ने अपनी आगामी तैयारियां शुरू कर दी हैं।

इंटीरियर रहेगा खास- सबसे खास बात यह है कि वंदे भारत एक्सप्रेस में संबंधित राज्य की सांस्कृतिक व पुरातात्विक धरोहर की झलक उसमें किए जाने वाले इंटीरियर में की जाएगी।

रैक फिनिशिंग का काम बाकी

वर्तमान में नई दिल्ली से वाराणसी और नई दिल्ली से कटरा के लिए दो वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें चल रही हैं। इनका फीडबैक अच्छा होने के कारण मोदी सरकार ने अगले तीन सालों के दौरान 400 वंदे भारत एक्सप्रेस देशभर में चलाने की घोषणा की है। इसके तहत अब तक 44 रैक चेन्नई, रायबरेली आदि स्थानों की कोच फैक्ट्रियों में बनाए जा चुके हैं। उनमें मात्र फिनिशिंग का काम बचा है, जो मार्च अंत तक कंप्लीट हो जाएगा।

ऐसी है ट्रेन को चलाने की प्लानिंग

भोपाल से नई दिल्ली के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस को शाम के समय रानी कमलापति स्टेशन से चलाए जाने की संभावना है, ताकि दिल्ली तरफ जाने वाली लंबी दूरी की ट्रेनों जीटी, दक्षिण एक्सप्रेस, शान-ए- भोपाल एक्सप्रेस आदि का लोड भी कम हो सके।

कल से छात्रों के लिए खुलेगा मैनिट

फंक्शन नहीं होंगे, एडवांस देनी होगी हॉस्टल की फीस

वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट के बिना किसी भी छात्र को नहीं मिलेगी एंट्री

एजुकेशन रिपोर्टर | भोपाल

मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) सोमवार से विभिन्न चरणों में छात्रों के लिए खुल रहा है। छात्रों को यहां आने के पहले तय गाइडलाइन का पालन करना अनिवार्य रहेगा। यदि वे गाइडलाइन का पालन नहीं करेंगे तो उन्हें एंट्री नहीं दी जाएगी। आने वाले छात्रों को हॉस्टल और मैस की फीस एडवांस जमा करना होगी। इसी के साथ उन्हें मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट, रजिस्ट्रेशन स्लिप और अंडरटेकिंग संबंधित हॉस्टल वार्डन को जमा करना होगी। मांगे गए दस्तावेज जमा करने पर ही छात्र को हॉस्टल का अलाटमेंट किया जाएगा। मैनिट ने पीएचडी, एमटेक, एमप्लान, एमसीए, एमबीए, एमएससी, बीटेक, बीप्लान, बीऑर्क के स्टूडेंट्स के लिए यह गाइडलाइन जारी की है।

मिलने-जुलने पर रोक गुटखे वालों पर नजर

कैंपस में गुटखा, अल्कोहल आदि पर विशेष नजर रखी जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि समय-समय पर हॉस्टल की चैकिंग का भी प्लान है। वहीं, छात्रों के किसी रिलेटिव को हॉस्टल में उनसे मिलने की इजाजत नहीं मिलेगी।

रूसी सेना के सामने डटे यूक्रेन के लड़ाके, कीव में कड़ा संघर्ष

रूसी एजेंसियों ने दावा किया कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की कीव छोड़कर भाग चुके हैं। इस खबर के सामने आने के बाद जेलेंस्की ने अपने कुछ सैन्य कमांडरों के साथ कीव की सड़क पर घूमते हुए वीडियो जारी कर कहा कि- कुछ भी हो जाए, हम कीव नहीं छोड़ेंगे। हमारे साथी देश बेशक हमारे साथ नहीं लड़ रहे, लेकिन वे हमें हथियार दे रहे हैं। इसलिए हम लड़ते रहेंगे।

यूक्रेन की सेना ने दावा किया कि उसने रूस के 600 सैनिक मार गिराए हैं। दूसरी ओर, रूसी सेना ने दावा किया कि यूक्रेन के सैकड़ों सैनिक मारे जा चुके हैं। रूस ने दावा किया है उसने यूक्रेन में कई हथियार जब्त किए हैं। रूसी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता इगोर कोनाशेनकोव ने कहा कि यूक्रेन में बड़ी मात्रा में हथियार जब्त किए गए हैं। यह पश्चिमी देशों ने यूक्रेन को दिए थे। यूक्रेन के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा- रूसी सेना ने अब तक तीन बच्चों सहित 198 लोगों की हत्या की है।

लक्ष्य

एक्जीक्यूटिव के 22 पदों के लिए अवसर

ओएनजीसी पेट्रो एडिशन लिमिटेड ने एक्जीक्यूटिव के 22 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन मांगे हैं। इन पदों पर काम करने के इच्छुक उम्मीदवार 18 मार्च 2022 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

शैक्षणिक योग्यता: उम्मीदवारों ने मान्यता प्राप्त संस्थान से ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल की हो। विस्तृत जानकारी ऑफिशियल वेबसाइट पर उपलब्ध है।
आयु सीमा: सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों की आयु 26 साल से अधिक नहीं होनी चाहिए। जबकि आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को सरकारी नियमानुसार आयु सीमा में छूट दी जाएगी।
वेतन: चयनित उम्मीदवारों को तय नियमों के अनुरूप प्रति माह वेतन दिया जाएगा।
कैसे करें आवेदन: उम्मीदवार वेबसाइट https://www.opalindia.in/career.php के माध्यम से आखिरी तारीख से पहले ऑनलाइन मोड में आवेदन कर सकते हैं।
चयन: उम्मीदवारों का चयन लिखित परीक्षा तथा इंटरव्यू के आधार पर किया जाएगा।

सीनियर सिस्टम एनालिस्ट के पद रिक्त

बिहार एनिमल साइंस यूनिवर्सिटी ने सीनियर सिस्टम एनालिस्ट के 01 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन मांगे हैं। इन पदों पर काम करने के इच्छुक उम्मीदवार 21 मार्च 2022 तक ऑफलाइन आवेदन कर सकते हैं।

शैक्षणिक योग्यता: उम्मीदवारों ने मान्यता प्राप्त संस्थान से एमई/एमटेक की डिग्री हासिल की हो। विस्तृत जानकारी ऑफिशियल वेबसाइट https://basu.org.in/recruitments/ पर उपलब्ध है।
वेतन: उम्मीदवारों को पे-मैट्रिक्स लेवल-13 के अनुरूप प्रति माह वेतन दिया जाएगा।
आवेदन शुल्क: सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों को शुल्क के रूप में 1,000 रुपए देना होगा। जबकि आरक्षित वर्ग को आवेदन शुल्क में छूट प्रदान की जाएगी।
कैसे करें आवेदन: इच्छुक उम्मीदवार आवेदन पत्र के साथ सभी आवश्यक दस्तावेज आखिरी तिथि से पहले इस पते पर भेज दें- रजिस्ट्रार, बिहार एनिमल साइंस यूनिवर्सिटी, पीओ- बिहार वेटनरी कॉलेज, पटना- 800014
चयन: उम्मीदवारों का चयन लिखित परीक्षा तथा इंटरव्यू के आधार पर किया जाएगा।

परियोजना एवं प्रशिक्षु अभियंता के 20 पद

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड में परियोजना एवं प्रशिक्षु अभियंता के 20 रिक्त पद पर भर्ती के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन मांगे हैं। इन पदों पर काम करने के इच्छुक उम्मीदवार 16 मार्च 2022 तक ईमेल के जरिये आवेदन कर सकते हैं।

शैक्षणिक योग्यता: उम्मीदवारों ने मान्यता प्राप्त संस्थान से संबंधित विषय से बीई/बी-टेक या एमटेक की डिग्री हासिल की हो। विस्तृत जानकारी ऑफिशियल वेबसाइट https://bel-india.in/ पर उपलब्ध है।
आयु सीमा: सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों की आयु 28-32 साल के बीच होनी चाहिए।
वेतन: चयनित उम्मीदवारों को 30,000 से 40,000 प्रति माह वेतन दिया जाएगा।
आवेदन शुल्क: सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों को शुल्क के रूप में 500 रुपए देना होगा। जबकि आरक्षित वर्ग को आवेदन शुल्क में छूट प्रदान की जाएगी।
कैसे करें आवेदन: इच्छुक उम्मीदवार आवेदन पत्र के साथ आवश्यक दस्तावेज आखिरी तिथि से पहले इस ईमेल आईडी पर भेज दें- contengr-1@bel.co.in
चयन: उम्मीदवारों का चयन लिखित टेस्ट और इंटरव्यू के आधार पर किया जाएगा।

कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर के 180 पदों के लिए अवसर

नेशनल हेल्थ मिशन, त्रिपुरा ने कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर के 180 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन मांगे हैं। इच्छुक उम्मीदवार 13 मार्च 2022 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

शैक्षणिक योग्यता: उम्मीदवारों ने मान्यता प्राप्त संस्थान से बीएससी (नर्सिंग)/जीएनएम की डिग्री हासिल की हो। संबंधित जानकारी ऑफिशियल वेबसाइट पर उपलब्ध है।
आयु सीमा: सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों की आयु 35 से अधिक नहीं होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग के लिए सरकारी नियमानुसार आयु सीमा में पूर्ण छूट दी जाएगी।
वेतन: इन पदों के लिए चयनित उम्मीदवारों को 20,500 रुपए प्रति माह वेतन दिया जाएगा।
कैसे करें आवेदन: उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट http://tripuranrhm.gov.in/ के माध्यम से आखिरी तारीख से पहले ऑनलाइन मोड में आवेदन कर सकते हैं।
चयन: योग्य तथा दक्ष उम्मीदवारों का चयन मेरिट के आधार पर किया जाएगा।

लास्ट डेट 12 मार्च 2022

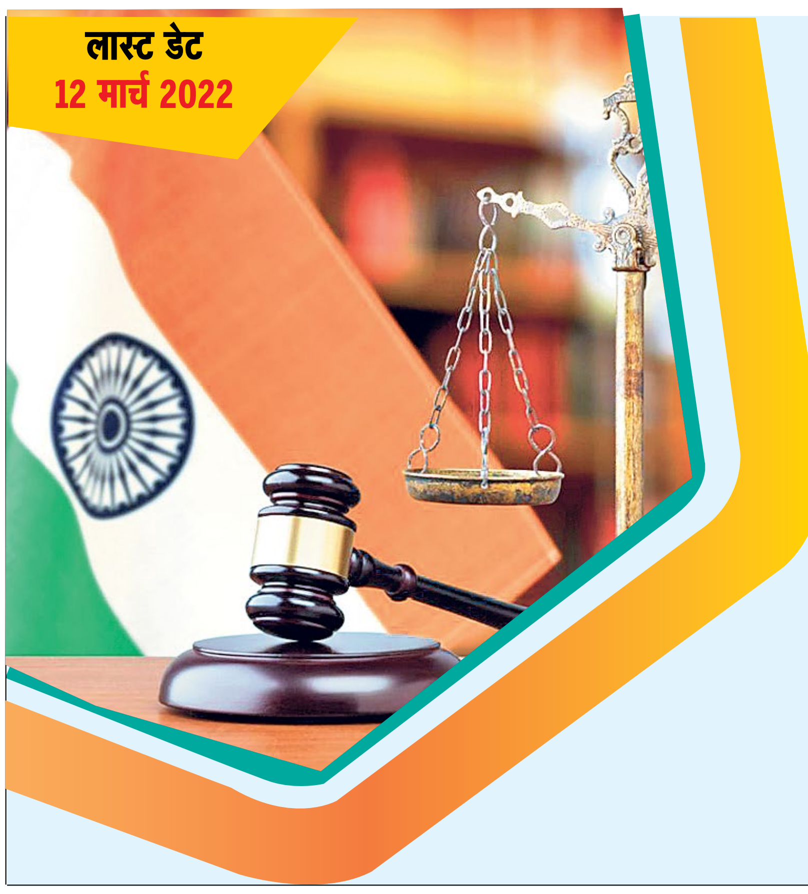

दिल्ली में मौका • प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन 20 मार्च 2022 को होगा, परीक्षा ऑब्जेक्टिव टाइप की होगी, इसमें निगेटिव मार्किंग होगी, प्रत्येक गलत उत्तर के लिए एक चौथाई अंक काटा जाएगा।

दिल्ली ज्यूडिशियल सर्विस एग्जामिनेशन का नोटिफिकेशन जारी, करें आवेदन

दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली ज्यूडिशियल सर्विस एग्जामिनेशन 2022 के लिए नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इसके जरिये 123 रिक्त पदों को भरा जाएगा। इच्छुक उम्मीदवार 12 मार्च 2022 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

शैक्षणिक योग्यता
उम्मीदवारों ने मान्यता प्राप्त संस्थान से एलएलबी की डिग्री हासिल की हो। विस्तृत जानकारी ऑफिशियल वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आयु सीमा
सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों की आयु 32 साल से अधिक नहीं होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग को छूट दी जाएगी।

वेतनमान
चयनित उम्मीदवारों को पे-मैट्रिक्स लेवल-10 के अनुरूप प्रति माह वेतन दिया जाएगा।

आवेदन शुल्क
सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों को शुल्क के रूप में 1,000 रुपए देना होगा। जबकि आरक्षित वर्ग को शुल्क में छूट प्रदान की जाएगी।

चयन प्रक्रिया:
योग्य उम्मीदवारों का चयन प्रारंभिक लिखित परीक्षा, मुख्य लिखित परीक्षा तथा इंटरव्यू के आधार पर किया जाएगा।

ऑनलाइन आवेदन के बाद हार्ड कॉपी की आवश्यकता नहीं
इन पदों पर काम करने के इच्छुक उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट http://delhihighcourt.nic.in/generalnotices.asp के माध्यम से आखिरी तारीख से पहले ऑनलाइन मोड में आवेदन कर सकते हैं।

पदों का विवरण	
यूआर	86
एससी	08
एसटी	29

लास्ट डेट • 07 मार्च 2022

सीनियर रेजिडेंट सहित 94 रिक्त पदों के लिए करें ऑनलाइन आवेदन

गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, चंडीगढ़ ने सीनियर रेजिडेंट सहित 94 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन मांगे हैं। इच्छुक उम्मीदवार 07 मार्च 2022 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं

शैक्षणिक योग्यता: उम्मीदवारों ने एमसीआई से मान्यता प्राप्त संस्थान से एमबीबीएस/एमडी/एमएस/पीजी की डिग्री हासिल की हो। विस्तृत जानकारी ऑफिशियल वेबसाइट पर उपलब्ध है।
आयु सीमा: सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों की आयु 45 साल से अधिक नहीं होनी चाहिए।
वेतनमान: चयनित उम्मीदवारों को 67,700 रुपए प्रति माह वेतन दिया जाएगा।
आवेदन शुल्क: सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों को शुल्क के रूप में 500 रुपए देना होगा।
कैसे करें आवेदन: इच्छुक उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट http://gmch.gov.in/ के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।
चयन प्रक्रिया: योग्य उम्मीदवारों का चयन लिखित परीक्षा तथा इंटरव्यू के आधार पर किया जाएगा।

लास्ट डेट • 16 मार्च 2022

एनटीपीसी में जीडीएमओ तथा मेडिकल स्पेशलिस्ट के 97 पद

नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन ने जीडीएमओ तथा मेडिकल स्पेशलिस्ट के 97 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन मांगे हैं। इच्छुक उम्मीदवार 16 मार्च 2022 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं

शैक्षणिक योग्यता: उम्मीदवारों ने एमसीआई से मान्यता प्राप्त संस्थान से एमबीबीएस/एमडी/एमएस की डिग्री हासिल की हो। विस्तृत जानकारी ऑफिशियल वेबसाइट पर उपलब्ध है।
वेतनमान: चयनित उम्मीदवारों को 50,000 से 1,80,000 रुपए प्रति माह वेतन दिया जाएगा।
आवेदन शुल्क: सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों को शुल्क के रूप में 300 रुपए देना होगा। जबकि आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को आवेदन शुल्क में छूट प्रदान की जाएगी।
कैसे करें आवेदन: इन पदों पर काम करने के इच्छुक उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट https://careers.ntpc.co.in/ के माध्यम से आखिरी तारीख से पहले ऑनलाइन मोड में आवेदन कर सकते हैं।
चयन प्रक्रिया: योग्य उम्मीदवारों का चयन इंटरव्यू के आधार पर किया जाएगा।

लास्ट डेट • 15 मार्च 2022

प्रबंधक और वरिष्ठ प्रबंधक के 42 रिक्त पदों पर भर्ती

बैंक ऑफ बड़ौदा में प्रबंधक और वरिष्ठ प्रबंधक के 42 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन मांगे हैं। इच्छुक उम्मीदवार 15 मार्च 2022 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

शैक्षणिक योग्यता: उम्मीदवारों ने मान्यता प्राप्त संस्थान से संबंधित विषय में स्नातक या पीजी की डिग्री हासिल की हो। विस्तृत जानकारी ऑफिशियल वेबसाइट पर उपलब्ध है।
आयु सीमा: सामान्य के उम्मीदवारों की आयु 27 से 55 साल के बीच होनी चाहिए। जबकि आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को सरकारी नियमानुसार आयु सीमा में छूट दी जाएगी।
वेतनमान: चयनित उम्मीदवारों को 1,48,000 से 1,78,000 रुपए प्रति माह वेतन दिया जाएगा।
आवेदन शुल्क: सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों को शुल्क के रूप में 600 रुपए देना होगा।
कैसे करें आवेदन: ऑफिशियल वेबसाइट https://www.bankofbaroda.in/ के माध्यम से आखिरी तारीख से पहले ऑनलाइन मोड में आवेदन कर सकते हैं।
चयन प्रक्रिया: योग्य उम्मीदवारों का चयन शॉर्टलिस्टिंग और इंटरव्यू के आधार पर किया जाएगा।

डिप्लोमा और ग्रेजुएट अप्रेंटिस के 360 पद खाली

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, बेंगलुरू ने डिप्लोमा और ग्रेजुएट अप्रेंटिस के 360 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन मांगे हैं। इन पदों पर काम करने के इच्छुक उम्मीदवार 10 मार्च 2022 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं

शैक्षणिक योग्यता
उम्मीदवारों ने मान्यता प्राप्त संस्थान से बीई/बीटेक की डिग्री हासिल की हो। विस्तृत जानकारी ऑफिशियल वेबसाइट पर उपलब्ध है।

वेतनमान
चयनित उम्मीदवारों को 10,400 से 11,110 रुपए प्रति माह वेतन दिया जाएगा।

कैसे करें आवेदन
इन पदों पर काम करने के इच्छुक उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट https://bel-india.in/ के माध्यम से आखिरी तारीख से पहले ऑनलाइन मोड में आवेदन कर सकते हैं।

चयन प्रक्रिया
योग्य उम्मीदवारों का चयन डिग्री में प्राप्त अंकों के आधार पर किया जाएगा।

प्राप्तांकों के आधार पर शॉर्टलिस्ट उम्मीदवारों की लिस्ट बनेगी, इसके बाद डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन किया जाएगा।

लास्ट डेट • 23 मार्च 2022

तमिलनाडु में 5413 पदों की निकली वेकेंसी

तमिलनाडु पब्लिक सर्विस कमीशन ने कंबाइंड सिविल सर्विस एग्जामिनेशन-II के लिए उम्मीदवारों से 23 मार्च 2022 तक ऑनलाइन आवेदन मांगे हैं।

शैक्षणिक योग्यता : उम्मीदवारों ने मान्यता प्राप्त संस्थान से ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल की हो। विस्तृत जानकारी ऑफिशियल वेबसाइट पर उपलब्ध है।
आयु सीमा: सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों की आयु 18 से 32 साल के बीच होनी चाहिए। जबकि आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को सरकारी नियमानुसार आयु सीमा में छूट दी जाएगी।
वेतनमान: चयनित उम्मीदवारों को पे-मैट्रिक्स लेवल-9 से लवल-18 के अनुरूप प्रति माह वेतन दिया जाएगा।
आवेदन शुल्क: सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों को शुल्क के रूप में 150 रुपए देना होगा। जबकि आरक्षित वर्ग को आवेदन शुल्क में छूट प्रदान की जाएगी।
कैसे करें आवेदन: ऑफिशियल वेबसाइट https://www.tnpsc.gov.in/English/Notification.aspx के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।
चयन प्रक्रिया: चयन प्रारंभिक लिखित परीक्षा, मुख्य लिखित परीक्षा तथा इंटरव्यू के आधार पर किया जाएगा।

लास्ट डेट 09 मार्च 2022

बड़ा मौका • उम्मीदवारों को सेना, नौसेना या वायु सेना से भूतपूर्व सैनिक होना चाहिए, उच्च योग्यता वाले आवेदन नहीं कर सकते।

सिक्योरिटी गार्ड के 202 पदों की निकली वेकेंसी

इंडियन बैंक ने सिक्योरिटी गार्ड के 202 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन मांगे हैं। इच्छुक उम्मीदवार 09 मार्च 2022 तक ऑफलाइन आवेदन जमा कर सकते हैं।

शैक्षणिक योग्यता
उम्मीदवारों ने मान्यता प्राप्त बोर्ड से दसवीं पास किया हो। साथ ही उम्मीदवार को स्थानीय भाषा में बोलने, पढ़ने और लिखने में सक्षम होना जरूरी है। विस्तृत जानकारी ऑफिशियल वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आयु सीमा
सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों की आयु 26 साल से अधिक नहीं होनी चाहिए। जबकि आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को सरकारी नियमानुसार आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

कैसे करें आवेदन
इन पदों पर काम करने के इच्छुक उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट https://www.indianbank.in/ के माध्यम से आखिरी तारीख से पहले ऑनलाइन मोड में आवेदन कर सकते हैं।

वेतनमान
चयनित उम्मीदवारों को 14,500 से 28,145 रुपए प्रति माह वेतन दिया जाएगा।

चयन प्रक्रिया
योग्य उम्मीदवारों का चयन ऑनलाइन टेस्ट तथा पीएफटी के आधार पर किया जाएगा।

यह भी जरूरी
ऑब्जेक्टिव टेस्ट में कुल 60 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिन्हें 90 मिनट में पूरा करना होगा, ऑब्जेक्टिव टाइप ऑनलाइन टेस्ट 40 अंक, लोकल लैंग्वेज के 10 अंक, फिजिकल फिटनेस टेस्ट के 40 अंक और ड्राइविंग लाइसेंस के 10 अंक मिलेंगे, चयन चार चरणों में किया जाएगा।

अपने शहर की रियल टाइम खबरें पढ़ने के लिए डाउनलोड करें दैनिक भास्कर ऐप

बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट

- 'गंगूबाई' के लिए फीमेल ऑडियंस और महाशिवरात्रि की छुट्टी पर मेकर्स को है भरोसा
- 'वलिमै' हिंदी बेल्ट में रही कमजोर, 'भीमला नायक' को मिली 11 करोड़ 80 लाख की ओपनिंग

'गंगूबाई' को मिली 10 करोड़ 5 लाख की ओपनिंग, 100 करोड़ के क्लब में जाने की ट्रेड को है उम्मीद

अमित कर्ण। मुंबई

पिछले दो सालों में कोविड की अलग-अलग लहरों की मार से परेशान थिएटर्स इंडस्ट्री में इस शुक्रवार रिलीज हुई फिल्मों से खुशी की लहर दौड़ी है। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श और साउथ के ट्रेड जानकार श्रीधर पिल्लई के मुताबिक, 'गंगूबाई', 'वलिमै'' और 'भीमला नायक' ने अपनी-अपनी टेरिटरी में स्ट्रॉन्ग ओपनिंग कलेक्शंस हासिल किए हैं। 'गंगूबाई' ने हिंदी बेल्ट से 10 करोड़ 5 लाख की ओपिनंग हासिल की है। 'वलीमै' ने साउथ में अकेले तमिलनाडु में दो दिनों में 63 से 64 करोड़ कलेक्ट किए। हिंदी बेल्ट में ऑडियंस के रिएक्शंस आने के चलते शुक्रवार को बोनी कपूर ने 'वलिमै' की लंबाई में तकरीबन 20 मिनट कम भी किए। हिंदी बेल्ट में उसे तकरीबन एक हजार स्क्रीन मिले हैं। वहीं 'गंगूबाई' पैन इंडिया तीन हजार से ज्यादा स्क्रीन पर रिलीज हुई है। तेलुगु की 'भीमला नायक' ने पहले दिन हैदराबाद जोनर में 11 करोड़ 80 लाख का कलेक्शन कर पाई थी।'

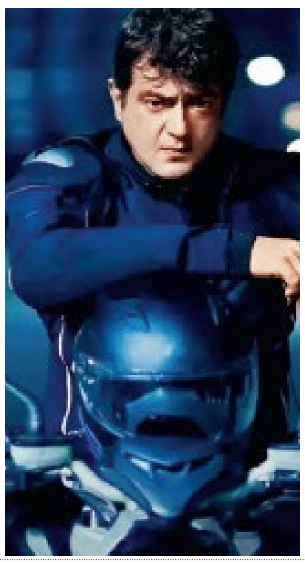

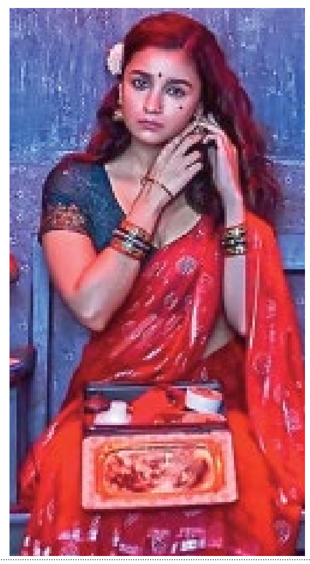

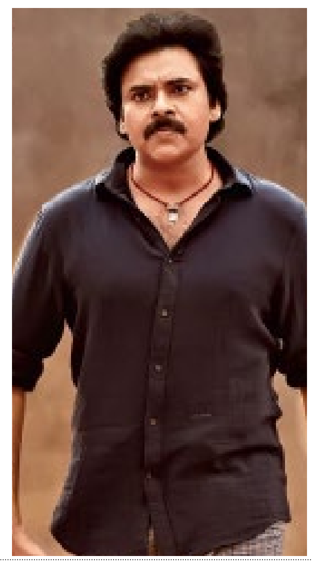

50 फीसदी ऑक्यूपेंसी में भी अच्छा रिस्पॉन्स

'गंगूबाई' के राइट्स संजय लीला भंसाली से जयंतीलाल गड़ा ने ले लिए हैं। ट्रेड एनालिस्ट कोमल नाहटा कहते हैं...'गंगूबाई ने 10 करोड़ 5 लाख का कलेक्शन तब हासिल किया है, जब मुंबई और दिल्ली जैसे अहम सर्किट में अभी भी 50 फीसदी ऑक्यूपेंसी की रेस्ट्रिक्शन है। दिल्ली सर्किट में तो नाइट शोज भी नहीं हैं। फीमेल ऑडियंस में इसको लेकर उत्साह का माहौल है। आगे महाशिवरात्रि की छुट्टियां भी हैं। ऐसे में सोमवार और मंगलवार को भी इसके कलेक्शन में बड़े ग्रोथ की पूरी उम्मीद है।'

150 करोड़ में बिकी गंगूबाई के राइट्स

कोमल आगे बताते हैं, 'फिल्म के थिएट्रिकल, सैटेलाइट और डिजिटल राइट्स जयंतीलाल ने 150 करोड़ में लिए हैं। उस पर 30 करोड़ मार्केटिंग का बजट है। सैटेलाइट और डिजिटल से 70 से 80 करोड़ रिकवर हो चुके हैं। थिएटर से 90 से 100 करोड़ कलेक्ट हो ही जाएंगे। फिल्म भी 100 करोड़ के क्लब में चली ही जाएगी।'

नॉर्थ में टिकट रेट अधिक होने से नुकसान

ट्रेड पंडित राज बंसल कहते हैं, 'वलिमै' का तमिलनाडु में चमत्कारिक कलेक्शन एक्सपेक्टेड था। वह इसलिए कि वहां स्टार्स की पूजा करने का रिवाज है। वो बात नॉर्थ के ऑडियंस में अपने स्टार्स को लेकर कम है। साथ ही साउथ में सिनेमाघरों में टिकट रेट कम हैं। ऐसे में वहां सिनेमाघरों में जाने वाली ऑडियंस की तादाद ज्यादा रहती है। नॉर्थ में टिकट प्राइस ज्यादा रहने का खामियाजा बॉलीवुड फिल्मों को भुगतना पड़ा है। उन्हें देखने ऑडियंस कम आती है और कलेक्शन साउथ की फिल्मों के मुकाबले कम रहता है।'

साउथ में 'वलिमै' को मिल रहा अच्छा रिस्पॉन्स

इस बारे में ताईद श्रीधर पिल्लई भी कहते हैं...'वलिमै' की तमिलनाडु के सिनेमाघरों में पहले दो दिन ऑक्यूपेंसी 80 से 85 फीसदी रही। यह इसलिए कि साउथ में अब भी स्टार्स के फैन क्लब में स्टार्स की पूजा करने वाला पॉइंट स्ट्रॉन्ग है। साथ ही टिकटों की कीमतें कम हैं। तभी यहां बड़े सितारों की फिल्में ज्यादा कलेक्शंस हासिल कर लेती हैं। जैसा 'वलिमै' के आंकड़े सामने हैं। उसने साउथ में महज 900 स्क्रीन से पहले दिन 31 करोड़ और दूसरे दिन तकरीबन 27 से 28 करोड़ कलेक्ट किए। उम्मीद है कि आगे के कलेक्शन में तेजी आएगी।' वहीं नॉर्थ में टिकट प्राइस मसले पर तरण आदर्श बताते हैं, 'नॉर्थ के मल्टीप्लेक्स से हमने कई मर्तबा कहा कि उन्हें भी टिकट कीमतों में कमी करनी चाहिए। वरना सिनेमाघरों में ऑडियंस कम आएगी।'

फिल्म से नया गाना लॉन्च

प्रभास और पूजा स्टारर 'राधे श्याम' से 'जान है मेरी' गाना हुआ रिलीज

प्रभास और पूजा हेगड़े स्टारर 'राधे श्याम' एक लव सिनेमैटिक फिल्म है। अब इस फिल्म का नया गाना 'जान है मेरी' रिलीज हो गया है। गाने में इनिशियल स्टेज में लव बॉन्डिंग देखने को मिल रही है। फिल्म के इस गाने में प्रभास और पूजा की क्यूट लव स्टोरी देखने को मिल रही है। गाने की शुरुआत बारिश के एक सीन से होती है, जिसके बाद पूरे गाने में प्रभास और पूजा की कई मुलाकातें दिखाई गई हैं। इस नए गाने को टी सीरीज के अपने यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। फिल्म 'राधेश्याम' के इस गाने को अब तक 28 लाख से ज्यादा लोग देख चुके हैं। इसे अरमान मलिक ने अपनी आवाज दी है, जबकि गाने के बोल रश्मि विराग ने लिखे हैं। इसका संगीत अमाल मलिक ने निर्देशित किया है। हाल ही में अमिताभ बच्चन भी फिल्म से बतौर नैरेटर जुड़े हैं। यह फिल्म 11 मार्च 2022 को रिलीज होगी।

जोया अख्तर की फिल्म

'द आर्चीज' में आर्ची का रोल प्ले करेंगे अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा

निर्देशक जोया अख्तर काफी समय से अपनी फिल्म 'द आर्चीज' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। अब इस प्रोजेक्ट से जुड़ी एक जानकारी सामने आ रही है कि अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा इस फिल्म में आर्ची का रोल करेंगे। सूत्रों ने बताया, 'श्वेता बच्चन के बेटे अगस्त्य जोया की फिल्म में आर्ची की भूमिका निभाएंगे, फिल्म में शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान भी नजर आएंगी। इन दो स्टार किड्स के अलावा गैर फिल्मी बैकग्राउंड के युवा कलाकार भी फिल्म का हिस्सा बनेंगे। जोया ने युवा कलाकारों के बहुत सारे ऑडिशन किए हैं, जो फिल्म का हिस्सा होंगे। कुछ दिनों पहले ही अगस्त्य को सुहाना और फिल्म निर्माता जोया के साथ स्पॉट किया गया था। अगस्त्य और सुहाना दोनों ही इस फिल्म के साथ एक्टिंग कॅरिअर में अपना डेब्यू करेंगे। एक्टिंग की बारीकियों को सीखने के लिए अगस्त्य क्लासेस भी ले रहे हैं।

रोमांस ड्रामा

सितंबर में शुरू होगी 'सनम तेरी कसम 2' की शूटिंग

हर्षवर्धन राणे स्टारर 'सनम तेरी कसम' के सीक्वल की शूटिंग इस साल सितंबर और अक्टूबर में शुरू होगी। इसका पहला शेड्यूल मुंबई और दिल्ली में शूट होगा। इसकी जानकारी डायरेक्टर विनय सप्रू और राधिका राव ने दी है। उन्होंने कहा...'हमें बहुत खुशी है कि हमें फिल्म के अगले पार्ट की कहानी मिल गई है। यह मारवा होकेन के कैरेक्टर की मौत के आगे की कहानी है। हम इस बारे में बहुत सोच रहे थे कि सीक्वल को आगे ले जाने के लिए हम क्या कर सकते हैं। हमें इस मोड़ पर पहुंचने में छह साल लगे हैं। हम दर्शकों को एक जबरदस्त कहानी दिखाना चाहते हैं। पिछली फिल्म को उसके शानदार गीतों के लिए याद किया जाता है। फिल्म के मूल में एक सुंदर प्रेम-कहानी है। हर्षवर्धन के कैरेक्टर को आखिरी सीन में एक पेड़ के नीचे देखना एक इमोशनल मोमेंट है, जहां सरस्वती 'मारवा होकेन' को दफनाया गया है। उसके बाद जो होता है, वहीं से सीक्वल की शुरुआत होगी है।' बहरहाल इस बार कहानी में नई एक्ट्रेस कौन होगी यह देखना बाकी है।

संजय गुप्ता निर्देशित 'मिरांडा बॉयज' से बाहर हुई मौनी, मेकर्स तलाश रहे नई एक्ट्रेस

स्पोर्ट्स ड्रामा

मौनी रॉय ने हाल ही में अपने बॉयफ्रेंड सूरज नांबियार के साथ शादी के बंधन में बंधी हैं। शादी से पहले मौनी का नाम एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 'मिरांडा बॉयज' से जुड़ा था। इस फिल्म का निर्देशन संजय गुप्ता कर रहे हैं। फिल्म में मौनी को साइन कर लिया गया था, लेकिन अब खबर है कि उन्हें इससे बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है।

सूत्रों के अनुसार मौनी की जोड़ी फिल्म में हर्षवर्धन राणे के साथ सेट की गई थी, लेकिन अब मेकर्स को लगता है कि ये पेयरिंग सही नहीं हैं। लिहाजा अब फिल्म के लिए उनकी जगह दूसरी एक्ट्रेस की तलाश चल रही है। हालांकि, इस बारे में मौनी को जानकारी नहीं दी गई है। फिल्म की कहानी फुटबॉल पर बेस्ड है। फिल्म में हर्षवर्धन के अलावा मीजान जाफरी भी नजर आएंगे। दोनों स्पोर्ट्समैन के अवतार में दिखेंगे। इसकी शूटिंग गोवा में मार्च से शुरू करने की प्लानिंग है।

मार्च से फिटनेस बेस्ड चैट शो 'शेप ऑफ यू' होस्ट करेंगी शिल्पा

नई जिम्मेदारी के लिए तैयार

शिल्पा शेट्टी जल्द ही फिटनेस पर बेस्ड एक चैट शो को होस्ट करेंगी। इस शो का टेलीकास्ट मार्च से शुरू होने वाला है। शिल्पा के इस चैट शो का टाइटल 'शेप ऑफ यू' रखा गया है। इस शो को प्रोडक्शन कंपनी मिर्ची द्वारा प्रोड्यूस किया जाएगा। इसमें सेलिब्रिटी गेस्ट मानसिक और शारीरिक फिटनेस की बात करेंगे। बतौर होस्ट यह शिल्पा का तीसरा शो है। बता दें कि शिल्पा अपनी फिगर और फिटनेस के लिए जानी जाती हैं। फिटनेस उनका पसंदीदा विषय रहा है। शिल्पा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शो से जुड़ी जानकारी दी है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा...'मेरा दृढ़ विश्वास है कि हर दिन कई वजहों से आप खुद को सेलिब्रेट करते हैं। एक चीज जो इस सेलिब्रेशन को पूरा करती है, वह है हेल्थ और वेलनेस का उपहार। इसलिए मिर्च और मैंने अपने नए शो 'शेप ऑफ यू' के माध्यम से कुछ बहुत ही खास मेहमानों के साथ इन रहस्यों को उजागर करने के लिए हाथ मिलाया है।' शो में जॉन अब्राहम, शहनाज गिल, मसाबा गुप्ता और रैपर बादशाह जैसे सेलेब्स दिखाई देंगे।

मिस्ट्री थ्रिलर

दिनेश विजन की अगली फिल्म का हिस्सा बन सकती हैं वामिका

वामिका गब्बी जल्द ही एक बड़ी फिल्म साइन करने की तैयारी कर रही हैं। वे अब तक फिल्म 'खूफिया', वेब सीरीज 'स्टारडस्ट' और 'मॉडर्न लव' के हिंदी रीमेक जैसे कई प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बन चुकी हैं। ऐसा चर्चा है कि वामिका जल्द ही फिल्ममेकर दिनेश विजन की फिल्म में नजर आ सकती हैं। यह खबर तब से उड़ी है जब से वामिका को दिनेश के ऑफिस मैडॉक एंटरटेनमेंट से निकलते देखा गया है। यह कहा जा रहा है कि वह जल्द ही दिनेश की आगामी फिल्म का हिस्सा बन सकती हैं। सूत्रों ने मुताबिक, दिनेश एक मर्डर मिस्ट्री पर काम कर रहे हैं। यह एक मल्टीस्टारर फिल्म है। इसी फिल्म में वामिका कास्ट हो सकती हैं।

फिल्म की सातवीं वर्षगांठ पर....

'दम लगा के...' मेरे कॅरिअर की सबसे अहम फिल्मों में से एक है: भूमि

फिल्म 'दम लगा के हईशा' के साथ सिनेमा में सात साल पूरे करने पर भूमि पेडनेकर ने कहा...'फिल्म में एक ओवर वेट, लेकिन आत्मविश्वास से भरपूर लड़की संध्या के किरदार में अविश्वसनीय प्रदर्शन के साथ मैंने बॉलीवुड में धमाका कर दिया था। फिल्म की सातवीं एनिवर्सरी पर यहीं कहना चाहूंगी कि मुझे इंडस्ट्री में बेहतरीन मौका उपलब्ध कराने का श्रेय निर्देशक शरत कटारिया को जाता है। यह फिल्म मेरे कॅरिअर में एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है। अगर पीछे मुड़कर देखूं, तो मुझे लगता है कि अपनी पहली फिल्म के रूप में इस फिल्म का मिलना मेरे लिए वास्तव में जरूरी था, क्योंकि महिलाओं को सही तरीके से पेश करने वाली फिल्मों का मिलना काफी मुश्किल होता है। इस तरह की फिल्में रोज-रोज नहीं बनती हैं और महिलाओं को सिनेमा में चित्रण के लिहाज से अब एक उदाहरण बन चुकी इस खूबसूरत भूमिका के लिए मुझ पर भरोसा करने के लिए मैं मनीष शर्मा, शरत, आदित्य चोपड़ा के साथ ही पूरी टीम को धन्यवाद देना चाहती हूं।'

STYLE STATEMENT OF BOLLYWOOD CELEBS

शनिवार को सोशल मीडिया पर बॉलीवुड सेलेब्स की कई फैशनेबल तस्वीरें छाई रहीं। यहां हम आपको उनकी फैशन डिटेल्स के बारे में बता रहे हैं...

KRITI SANON

कृति ने ब्राउन राल्फ लॉरेन सेक्विन टॉप और स्ट्रेट कट पैंट में फोटोशूट कराया। उनकी स्टाइलिंग सुकृति ग्रोवर ने की।

DEEPIKA PADUKONE

दीपिका ने ब्लैक लैस अप विंटिज वन पीस में फोटोशूट कराया। उनकी स्टाइलिंग शालीना नथानी ने की।

HUMA QURESHI

हुमा ने ब्लैक क्रॉप टॉप और पैंट में फोटोशूट कराया। साथ में मैचिंग ब्लेजर पहना। उनकी स्टाइलिंग मोहित राय ने की।

KEERTHY SURESH

कीर्ति ने सिल्वर स्लीवलेस कुर्ता सेट में फोटोशूट कराया। उनकी स्टाइलिंग अर्चा मेहता ने की।

SURBHI CHANDNA

सुरभि ने टील ग्रीन स्टाइलिश साड़ी में फोटोशूट कराया। साथ में मैचिंग मोतियों वाली इयररिंग पहनी। उनकी स्टाइलिंग नताशा बोथरा ने की।

YAMI GAUTAM DHAR

यामी ने स्लीवलेस मोनोक्रोम जंपसूट में फोटोशूट कराया। उनकी स्टाइलिंग अलिया अल रुफैई और रिया जैन ने की।

दैनिक भास्कर | अब आप रसरंग के सभी आर्टिकल DB एप पर हर रविवार पढ़ सकते हैं। डाउनलोड करें DB एप

रसरंग

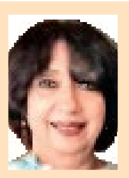

कवर स्टोरी
डॉ. ज़ीनत शौकत अली
इस्लामिक स्कॉलर एवं डायरेक्टर जनरल- विज़्डम फाउंडेशन, मुंबई

भारतीय संविधान किसी को कुछ पहनने या नहीं पहनने को बाध्य नहीं करता। लेकिन ताज़ा मामला इस बात को लेकर है कि सरकारी स्कूलों में इच्छुक छात्राओं को हिजाब पहनने की छूट मिलनी चाहिए या नहीं। फिलहाल यह मामला अदालत में विचाराधीन है।

हिजाब, बुर्क़ा और इसकी अनिवार्यता को लेकर क्या कहता है इस्लाम, ऐसे ही सवालों की पड़ताल इस बार की कवर स्टोरी में....

क्या ज़रूरी है हिजाब?

तीन सवाल, तीन जवाब...

जानिए परिधानों में इस अंतर को

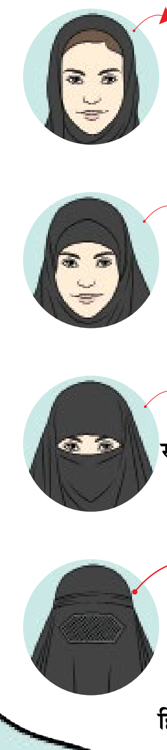

1 क्या कुरान में हिजाब का उल्लेख मिलता है?

हां, मगर उस रूप में नहीं, जिस रूप में उसकी आज व्याख्या की जाती है

कुरान में हिजाब का उल्लेख केवल सात बार हुआ है, लेकिन उस परिधान के तौर पर नहीं, जिसे हम आज समझते हैं। यानी वस्त्र के तौर पर हिजाब का जिक्र नहीं है। वहां हिजाब का मतलब परदे से और परदे का मतलब पार्टिशन से है यानी दो चीजों के बीच अंतर को दिखाने के लिए हिजाब का जिक्र किया गया है। उदाहरण के लिए ईश्वर और आम इंसान के बीच जो अंतर है, उसे हिजाब से बताया गया है। अच्छाई और बुराई के बीच की रेखा को हिजाब के रूप में अभिव्यक्त किया गया है।

2 क्या कुरान में बुर्क़े को अनिवार्य बनाया गया है?

नहीं एक सुसभ्य परिधान होना ही काफ़ी, बुर्क़े का ज़िक्र तक नहीं

कुरान में बुर्क़ा, नक़ाब, अबाया (बुर्क़े का ही एक स्वरूप) जैसे शब्दों का कहीं जिक्र नहीं हुआ है। हां, उसमें हैंडस्कार्फ के लिए खिमर और जिलबाग शब्दों का इस्तेमाल जरूर किया गया है। सिर से लेकर पैर तक ढंककर रहना है या नहीं, इसको लेकर अलग-अलग विद्वान कुरान की अलग-अलग व्याख्या करते हैं। लेकिन सभी इस बात पर एकमत हैं कि इस्लाम में एक सुसभ्य परिधान होना ही सबसे बड़ी शर्त है (और यह बात महिलाओं और पुरुषों दोनों पर लागू होती है)। महिलाओं के लिए कोई खास परिधान तय नहीं किया गया है, इसकी पुष्टि इस्लाम के जाने-माने प्राचीन विद्वान भी करते हैं। बारहवीं सदी के मुस्लिम विद्वान अल-फ़ख़र अल-राज़ी ने कहा था कि कोई अपने को किस तरह से ढंक रहा है, यह उस क्षेत्र की परम्परा के अनुसार तय किया जा सकता है, जबकि 11वीं सदी के महान ईरानी मुस्लिम विद्वान अल-ज़माक्षरी मानते थे कि किसे क्या पहनना है, इसे स्थानीय परम्परा के साथ-साथ स्थानीय प्रकृति के अनुसार तय किया जाना चाहिए। ध्यान रहें, पैगम्बर मोहम्मद का भी जोर केवल सौम्य परिधान पर है, किसी खास परिधान पर नहीं।

3 परदा प्रथा की शुरुआत क्या इस्लाम के उद्भव से हुई?

नहीं 2500 साल पहले से चली आ रही है यह प्रथा

इस्लाम की शुरुआत सातवीं सदी में हुई, जबकि अरब क्षेत्र में 2500 साल पहले जो मूर्तियां मिलती हैं, उनमें हिजाब जैसा वस्त्र पहना हुआ नजर आता है। इससे स्पष्ट है कि परदे की परंपरा उस क्षेत्र में इस्लाम के उद्भव से काफी पहले से ही मौजूद थी। मेटोपोटामिया (वर्तमान में इराक), बैजायनटाइन (मौजूदा तुर्की वाला क्षेत्र) और पर्शियन साम्राज्य (आज का ईरान) की उच्च तबकों की महिलाएं उस समय (ईस्वी पूर्व से ही) अपने हाई स्टेटस को दिखाने के लिए परदा करती थीं।

कुरान में **शिक्षा सबसे पहले...**

हिजाब का 7 बार, इल्म का 805 बार ज़िक्र

अल्लाह ने पैगम्बर को जो पहला शब्द बताया, वह था इक़रा यानी अध्ययन। पैगम्बर ने भी कहा था कि शिक्षा हासिल करना प्रत्येक पुरुष और महिला की धार्मिक जवाबदेही है। कुरान में शिक्षा व ज्ञान अर्जन को कितना ज्यादा महत्व दिया गया है, वह इस तथ्य से स्पष्ट हो जाता है कि इसमें हिजाब का उल्लेख केवल 7 बार हुआ है, जबकि इल्म (ज्ञान, पढ़ाई) का उल्लेख 805 बार आया है। अल्लाह के बाद सबसे ज्यादा जिक्र इल्म का ही हुआ है।

हिजाब/ बुर्क़े पर मुस्लिम देशों का क्या रुख?

5 मुस्लिम देशों में हिजाब या बुर्क़े पर प्रतिबंध...

कोसोवो ने 2009 और अजरबैजान ने 2010 से सरकारी स्कूलों, कॉलेजों और सरकारी दफ्तरों में हिजाब पर प्रतिबंध लगा रखा है। ट्यूनिशिया ने 1981 से प्रतिबंध लगाया, जिसे 2011 में आंशिक तौर पर उठाया गया। तुर्की में भी इस पर प्रतिबंध था, जहां अब थोड़ी छूट दी गई है। सीरिया ने यूनिवर्सिटीज में 2010 में नकाब या बुर्क़े पर प्रतिबंध लगा दिया था।

सऊदी अरब : महिलाएं अनिवार्यता से मुक्त...

रूढ़िवादी मुल्क के रूप में पहचान रखने वाले सऊदी अरब में 2019 से अबाया (बुर्क़े का ही एक रूप) पहनने की अनिवार्यता खत्म कर दी। धार्मिक मामलों की शीर्ष संस्था के सदस्य और प्रमुख मौलवी शेख अब्दुल्ला अल मुतलक ने एक बयान में कहा- महिलाएं क्या पहनें, इसके लिए उन्हें बाध्य नहीं किया जाना चाहिए। बस, परिधान सौम्य हो।

मिस्र : चेहरे को ढंकना इस्लाम का हिस्सा नहीं

मिस्र की अल-अजहर मस्जिद के ग्रैंड इमाम मुहम्मद सैय्यद तांतावी (जिन्हें कुछ मुसलमान सुन्नी इस्लाम के सर्वोच्च अधिकारी मानते हैं) ने अक्टूबर 2009 में एक फतवा जारी कर कहा, 'इस्लाम में चेहरे को ढंकना जरूरी नहीं है। चेहरे को ढंकना सांस्कृतिक परंपरा का हिस्सा हो सकता है, इस्लाम का नहीं।' कई मुस्लिम देशों जैसे इंडोनेशिया, मलेशिया, मोरक्को, ब्रुनेई में महिलाएं पारंपरिक तौर पर ही हिजाब जैसे परिधान पहनती हैं।

ईरान : बगैर हिजाब पर जेल में डालने का कानून

हिजाब केवल ईरान, अफगानिस्तान और इंडोनेशिया के एक प्रांत (एकेह) में कानूनी तौर पर अनिवार्य किया हुआ है। ईरान में 1979 की सांस्कृतिक क्रांति के बाद से हिजाब पहनना अनिवार्य किया गया। 1995 के कानून के तहत अफसरों को 60 साल तक की महिलाओं को बगैर हिजाब के घर से बाहर निकलने पर जेल में डालने का अधिकार हासिल है। अफगानिस्तान में काले रंग के हिजाब को अनिवार्य किया गया है।

कई यूरोपीय देशों में नक़ाब/ बुर्क़ों पर प्रतिबंध

फ्रांस
11 अप्रैल 2011 को फ्रांस सार्वजनिक स्थानों पर पूरे चेहरे को ढंकने वाले इस्लामी नक़ाबों पर प्रतिबंध लगाने वाला पहला यूरोपीय देश बना था।

बेल्जियम
पूरा चेहरा ढंकने पर 2011 में प्रतिबंध लगाया। सार्वजनिक स्थलों पर ऐसे किसी भी पहनावे पर रोक जो पहनने वाले की पहचान ज़ाहिर न होने दे।

बुल्गारिया
2016 में संसद में बिल पारित। जो महिलाएं सार्वजनिक जगहों पर चेहरा ढंकती हैं, उन्हें मिलने वाली सुविधाओं में कटौती का प्रावधान।

डेनमार्क
2018 में पूरा चेहरा ढंकने वालों के लिए जुर्माने का प्रावधान। किसी को बुर्क़ा पहनने के लिए मजबूर करने वाले को दो साल तक जेल हो सकती है।

मायथोलॉजी
देवदत्त पटनायक
प्राचीन भारतीय धर्मशास्त्रों के आख्यानकर्ता और लेखक

गुरुओं के गुरु: जब भगवान शिव ने अपना ज्ञान ऋषियों में बांटा

दो दिन बाद शिवरात्रि है। इस अवसर पर शिवजी के गुरु रूप को जानना रोचक है।

दक्षिण भारत के कई मंदिरों में दक्षिण की ओर मुंह किए और बरगद के पेड़ के नीचे बैठे शिवजी की मूर्ति पाई जाती है। इस मूर्ति को दक्षिणामूर्ति कहा जाता है। यह मूर्ति शिव को गुरुओं के गुरु के रूप में प्रस्तुत करती है। इस रूप में शिव कैलाश पर्वत पर ध्रुवतारा के नीचे बैठते हैं। उत्तर में स्थित ध्रुवतारा स्थिर है और यह इस बात का प्रतीक है कि वे इस अस्थिर विश्व का केंद्र है। बरगद का पेड़ भारत की संन्यासी परंपराओं से जुड़ा है। वे संन्यासी मन से प्राप्त ज्ञान को गृहस्थों के भौतिकवादी विश्व तक पहुंचाते हैं।

दक्षिणामूर्ति का बायां हाथ वरद-मुद्रा अर्थात दान की मुद्रा में है। उनका दाहिना हाथ ज्ञान-मुद्रा में है, जहां उनकी तर्जनी उनके अंगूठे को छूती है। ये मुद्राएं उन्हें गुरु के रूप में स्थापित करती हैं : वे जो ज्ञानी हैं और अपना ज्ञान बांटते हैं।

उनके दो और हाथ हैं। इनमें पकड़े चिह्नों को लेकर सर्वसम्मति तो नहीं है, लेकिन सभी चिह्न ज्ञान को दर्शाते हैं। एक चिह्न तप है, शरीर में बिना ईंधन के, चिंतन से निर्मित की गई आग। यह आग उस ज्ञान का प्रतीक है जो मन के विकसित होने में बाधा डालने वाली सभी गांठों को जलाता है। दूसरा चिह्न है फण लहराता हुआ सांप, जो ज्ञान के फूलने को दर्शाता है। यह ज्ञान हमें तब मिलता है, जब हम जीवन में हिस्सा लिए बिना उसका केवल अवलोकन करने लगते हैं। तीसरा चिह्न है जपमाला, जिसका प्रयोग जपने और याद करने के लिए किया जाता है। अन्य चिह्न संगीत वाद्ययंत्रों और पुस्तकों के हैं।

मदुराई स्थित मीनाक्षी मंदिर में भगवान शिव की दक्षिणामूर्ति। इसमें वे 'गुरुओं के गुरु' के रूप में ज्ञान बांटते दर्शाए गए हैं।

दक्षिणामूर्ति शिव अपना बायां पैर अपनी दाहिनी जांघ पर रखते हैं। आम तौर पर बायां भाग प्रकृति या शरीर का और दाहिना भाग पुरुष अथवा मन का प्रतीक है। जैसा कि नटराज की मूर्ति में देखा जाता है, यहां भी शिव दाहिने पैर को प्राथमिकता देकर उसे पूर्णतः धरती पर रखते हैं और बायां पैर या तो हवा में या दाहिनी जांघ के ऊपर होता है। इसके विपरीत कृष्ण की प्रतिमाओं में वे हमेशा बाएं पैर पर खड़े रहते हैं और अपना दाहिना पैर उसके आड़े रखते हैं। कृष्ण भौतिक सुखों का आनंद लेते हैं, लेकिन वैसा करते समय सचेत रहते हैं। कृष्ण के दोनों पैर धरती पर होते हैं, जिसका मतलब है कि वे शरीर और मन दोनों को महत्व देते हैं। शिव शरीर के बजाय मन को महत्व देते हैं और इसलिए उनका केवल एक पैर धरती पर रहता है। इसलिए उन्हें एकपद भी बुलाया जाता है।

कई ऋषियों ने शिव के पैरों तले बैठकर उनसे वेद और तंत्र का ज्ञान प्राप्त किया। कहते हैं कि सभी ऋषि शिव का प्रवचन सुनने उत्तर भारत गए जिस कारण धरती उस दिशा में झुक गई। धरती को फिर से संतुलित करने के लिए शिव ने अपने शिष्य अगस्त्य को दक्षिण भारत जाने को कहा। इस तरह अगस्त्य दक्षिण भारत के महान ऋषि बने।

आदि शंकर द्वारा रचे गए दक्षिणामूर्ति स्तोत्रम में उन्होंने इस बात की व्याख्या की कि कैसे इस तरुण दिखने वाले शांतचित्त गुरु ने बूढ़े ऋषियों को अपना ज्ञान बांटा। शिव से प्रश्न ऋषियों ने नहीं, बल्कि स्वयं देवी ने पूछे। देवी ने शिव से विवाह करके सदियों के चिंतन से अर्जित किया ज्ञान बांटने को उन्हें प्रोत्साहित किया।

यदि शिव काल हैं, तो देवी काली हैं, वे जो काल को वश में करती हैं। देवी ने ही शव को शिव अर्थात ईश्वर में परिवर्तित किया। दक्षिण से आने वाली और बदलाव को मूर्त रूप देने वाली देवी ने ही उत्तर प्रेरित किए। उत्तर हर बार बोला नहीं गया; वह संगीत और नृत्य के माध्यम से भी प्रदर्शित किया गया। यही वजह है कि भारतीय शास्त्रीय नृत्य इतना अर्थपूर्ण है।

devdutthindi@gmail.com

टॉकिंग पॉइंट
भावना सोमाया
जानी-मानी फिल्म लेखिका, समीक्षक और इतिहासकार

मनोरंजन जगत की इन पांच शादियों से मिलते हैं ये सबक

कटरीना कैफ और विक्की कौशल ने एक तरह से फिल्म बिरादरी में शादियों का मूड बना दिया है। लंबे समय तक उनकी कहानियों को सिर्फ अफवाहें मानकर हवा में उड़ाया जा रहा था, लेकिन जब उनकी चट मंगनी, पट ब्याह की खबर आई तो इसके बाद हवा में उनके प्यार की खुशबू फैल गई। इसकी शुरुआत करण जौहर के टीवी शो 'कॉफी विद करण' में हुई थी, जहां निर्देशक ने कटरीना से उस एक अभिनेता का नाम पूछा था, जिसके साथ वे अच्छी जोड़ी बनाना चाहेंगी। कैटरीना के मुंह से तत्काल निकला था- 'विक्की कौशल'। इसके कुछ हफ्ते बाद जब विक्की, करण के शो में आए और उन्हें कटरीना की ये क्लिप दिखाई गई तो वे इससे यकायक सकपका गए और शरमाने लगे। यह संसार का नियम है कि जब भी कोई पुरुष या महिला किसी के प्रति आकर्षण व्यक्त करता या करती है तो ज्यादातर मामलों में सामने से भी उसकी प्रतिक्रिया आती ही है। बाद में इनकी प्रेम कहानी कैसे आगे बढ़ी, इस बारे मैं एकदम नहीं जानती, लेकिन जो कुछ भी हुआ, वह इस शो के बाद ही हुआ। कुछ डेट्स और पारिवारिक बैठकों के बाद दोनों अग्नि कुंड के सात फेरे लेने को तैयार हो गए। उनके विरोधियों का कहना था कि इन दोनों में कॉमन बात कुछ नहीं हैं, लेकिन मैं सहमत नहीं हूं। विक्की और कटरीना दोनों ने शीर्ष पर पहुंचने के लिए कड़ा संघर्ष किया है। उन्होंने अपने परिवार के संघर्ष को देखा है और यही बातें उन्हें साथ रखने के लिए पर्याप्त कारण हैं।

मोहित रैना और मौनी रॉय ने लोकप्रिय धारावाहिक 'देवों का देव महादेव' में महादेव और सती की भूमिका निभाईं। सभी ने मान लिया था कि वे ऑफ स्क्रीन भी शिव-पार्वती की भूमिका निभाएंगे। लेकिन धारावाहिक समाप्त होते ही दोनों ने अपने-अपने रास्ते और अपने-अपने जीवनसाथी चुन लिए। मोहित ने अदिति शर्मा तो मौनी रॉय ने सूरज नांबियार के साथ विवाह किया। ये बताता है कि प्यार का मतलब यह नहीं है कि आप जिंदगी में हमेशा खेद व्यक्त करते रहे। इसका मतलब है आगे बढ़ना।

शिबानी दांडेकर और फरहान जो हाल ही में विवाह बंधन में बंधे हैं।

राजकुमार राव और पत्रलेखा ने 'सिटीलाइट' में एक साथ काम किया था और वे इसके बाद काफी करीब आ गए। सफलता सबसे पहले राजकुमार के हाथ लगी, जबकि पत्रलेखा को यह टुकड़ों-टुकड़ों में मिली, लेकिन उनका रिश्ता मजबूत होता गया। एक दशक ऐसे ही एक सपने की तरह बीत गया और फिर दोनों ने फैसला किया कि वे पति-पत्नी के रूप में रहने के लिए तैयार हैं। इनका विवाह बताता है कि जरूरी नहीं है कि समय के साथ प्रेम में सुगंध कम होती जाती है।

विक्रांत मैसी की काफी लंबे अरसे से गर्लफ्रेंड रही शीतल ठाकुर के साथ शादी की कहानी में भी इसी तरह की समानता है, हालांकि कुछ अंतर भी है। मीडिया को शीतल के बारे में कभी कोई खबर नहीं मिली, क्योंकि विक्रांत अपने में सिमटे रहने वाले शख्स हैं। जब उनकी शादी हुई, तब उनके प्रशंसकों को पहली बार शीतल और उनके जीवन की झलक मिली। विक्रांत-शीतल का विवाह इस बात का प्रतीक है कि जब आप एक-दूसरे से प्यार और भरोसा करते हैं, तो समर्पण अपने आप चले आता है।

और अंत में, फरहान अख्तर और शिबानी दांडेकर की बात। अपनी पहली शादी के बाईस साल और तलाक के चार साल बाद फरहान अख्तर को मॉडल-एंकर-अभिनेत्री शिबानी दांडेकर में फिर से प्यार नजर आया। उनका विवाह बताता है कि अपने दिल की सुनने में कभी देर नहीं होती।

पता नहीं, मुझे ऐसा क्यों लग रहा है कि हमें जल्द ही और भी कई शादियों की खबरें सुनने को मिलेंगी। कुछ उम्मीद के मुताबिक जोड़े नजर आएंगे तो कुछ आश्चर्यजनक।

contact@bhawanasomaaya.com

हमारे फ़िल्मी गीतों के **बेमिसाल शब्दकार**

उजाला कम ना हो
मनोज मुंतशिर
जाने-माने फ़िल्मी गीतकार, कवि एवं स्क्रीनराइटर

ऐसे कई गीत हैं, जिन्हें साहित्य की सभा में कुर्सी नहीं, सिंहासन मिलना चाहिए।

फिल्मी गीत वक्त के साथ लोकगीत बन जाते हैं। हम खुश हो तो झूमने के काम आते हैं और उदास हो तो आंसू बहाने के लिए एक कंधे की तरह हाजिर हो जाते हैं। जन्म से लेकर जनाजे तक हमारी जिंदगी में ऐसा कोई पल नहीं आता, जब फिल्मों के गाने एक दोस्त की तरह हमारे साथ मौजूद ना हों। फिर भी यही गीत अक्सर सामंतवादी सोच के शिकार हो जाते हैं और साहित्य की गौरवशाली सभा में इन्हें बैठने के लिए कुर्सी तक नसीब नहीं होती। हमारे यहां ऐसे सैकड़ों फिल्मी गीत हैं, जिन्हें साहित्य की सभा में सिर्फ कुर्सी नहीं, सिंहासन मिलना चाहिए। शुरुआत नीरज से करता हूं...

'सांसों की सरगम धड़कन की बीना, सपनों की गीतांजलि तू/मन की गली में महके जो हरदम ऐसी जूही की कली तू /छोटा सफ़र हो, लंबा सफ़र हो, सूनी डगर हो या मेला/ याद तू आए, मन हो जाए, भीड़ के बीच अकेला।'

बताएं, फिल्म 'प्रेम पुजारी' का ये गीत साहित्य के कौन-से मानदंड पर कमजोर उतरता है? आनंद बक्षी याद आते हैं- 16 बरस का इश्क जब दुनिया से बगावत करता है तो बक्शी साहब की कलम झुककर उस बागी इश्क को सलामी पेश करती हैः 'दुनिया में सबसे पहले जिसने ये दिल दिया/दुनिया के सबसे पहले दिलबर को सलाम/दिल से निकलने वाले रास्ते का शुक्रिया/ दिल तक पहुंचने वाली डगर को सलाम।'

सिर्फ इश्क और मोहब्बत ही नहीं, दुनिया के किसी भी विषय पर जब एक बड़े फिल्मी गीतकार ने कलम चलाई तो पत्थर की लकीर खींच दी गई। लोकतंत्र पर बड़ी-बड़ी किताबें लिखी गई हैं। लेकिन एक फिल्मी गीतकार ने कितनी खूबी और सहजता से ऐसा लिखा कि पांच साल का बच्चा भी समझ सकता है कि लोकतंत्र आखिर क्या हैः 'होंगे राजे राजकुंवर हम बिगड़े दिल शहज़ादे, हम सिंहासन पर जा बैठें जब जब करें इरादे।' ये पंक्तियां 'मेरा जूता है जापानी' गीत से शैलेंद्र की लिखी हैं।

सैकड़ों गीत हैं जो पहले प्रकाशित हुए और फिर फिल्मों में शामिल किए गए। कैफी आज़मी की नज़्म 'अंदेशे' जो पहले 'आवारा सज्दे' में छपी थी, वो गीत बनकर फिल्म 'हकीकत' में आ गई। 'होके मजबूर मुझे उसने भुलाया होगा'...

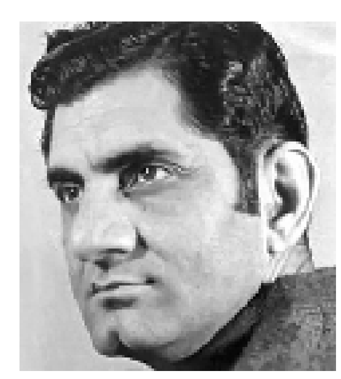
नीरज से लेकर आनंद बक्षी (तस्वीर में) ने एक से बढ़कर एक गीत लिखे।

आपने यह गीत जरूर सुना होगा । साहिर की नज़्म 'खूबसूरत मोड़' जो 'तल्खियां' में छपी थी, फिल्म 'गुमराह' का सुपर हिट गीत बन गई : 'चलो इक बार फिर से, अजनबी बन जाएं हम दोनों।'

फिल्म 'मेरा नाम जोकर' के लिए नीरज का लिखा एक और गीत याद आता है। इस गीत की पृष्ठभूमि में सर्कस था। उसकी रफ्तार भी तेज थी। फिर भी नीरज उसमें जीवन का सारांश और दर्शन उड़ेल देते हैं : हां, बाबू यह सर्कस है, शो तीन घंटे का / पहला घंटा बचपन है, दूसरा जवानी है, तीसरा बुढ़ापा है / और उसके बाद मां नहीं, बाप नहीं, बेटा नहीं, बेटी नहीं, तू नहीं, मैं नहीं, ये नहीं, वो नहीं/ कुछ भी नहीं रहता है, रहता है जो कुछ वो, खाली खाली कुर्सियां हैं, खाली खाली तंबू है खाली खाली घेरा है, बिना चिड़िया का बसेरा है, न तेरा है, न मेरा है।

नजीर अकबराबादी लिखते हैंः 'जब मर्ग़ फिरा कर चाबुक को, यह बैल बदन का हांकेगा, हो ढेर अकेला जंगल में, तू ख़ाक लहद की फांकेगा। उस जंगल में फिर आह 'नज़ीर' एक भुनगा आन न झांकेगा। सब ठाठ पड़ा रह जावेगा, जब लाद चलेगा बंजारा!' ये भी साहित्य है और जो नीरज ने लिखा, वह भी साहित्य है। आगे से जब आप फिल्मों के गीत सुनें तो उन शब्दकारों को सम्मान से याद करें जो जिंदगी भर अदब की महफिल के बाहर बंजारों की तरह खड़े रह गए।

Twitter : @manojmuntashir

सुझाव और फीडबैक
बदला हुआ यह रसरंग आपको कैसा लगा? रविवार के ये चार विशेष पेज आपको कितने पठनीय लगे? आप अपने सुझाव और फीडबैक हमें भेज सकते हैं। सुझाव या फीडबैक देने के लिए 9190000071 पर मिस्ड कॉल दें। आपको एक लिंक प्राप्त होगा, जिसे क्लिक करेंगे तो फीडबैक फॉर्म खुल जाएगा। इसके जरिए आप अपनी राय हम तक पहुंचा सकते हैं। - धन्यवाद

नाज़ियों के ख़िलाफ़ ख़ूब लड़ी थीं नूर ख़ान

पाकिस्तान डायरी

ज़ाहिदा हिना
पाकिस्तान की वरिष्ठ पत्रकार, लेखिका और स्तंभकार

नूर इनायत ख़ान वह जांबाज महिला थीं, जिन्हें आज ब्रिटेन भी सैल्यूट करता है। उनके वालिद हिंदुस्तानी थे, लेकिन हिंदुस्तान छोड़कर चले गए थे। उन्होंने एक अमेरिकी महिला से शादी की थी। इनकी दो संतानें हुईं- बेटी नूर इनायत ख़ान और बेटा विलायत ख़ान।

इनके वालिद और मां तो हिंदुस्तान आ गए, लेकिन दोनों बच्चे फ्रांस में ही रह गए। दूसरा विश्व युद्ध छिड़ चुका था। 1940 में जर्मन फौजें फ्रांस में दाख़िल हुईं। जब पेरिस पर नाज़ियों का क़ब्ज़ा हुआ तो नूर और उनके भाई विलायत ने तय किया कि वे भी क़ब्जा करने वाली फौजों के ख़िलाफ काम करेंगे। नूर ने इंग्लैण्ड का रुख़ किया और वहां वे विमेन ऑक्जीलरी एयरफोर्स में शामिल हो गईं। 1942 में उन्हें सीक्रेट सर्विस में भर्ती कर लिया गया। जब वे बर्तानवी अफसरों के साथ इंटरव्यू के लिए पेश हुईं तो यह वह ज़माना था जब हिंदुस्तान में तहरीके आज़ादी ज़ोरों पर थी। उन्होंने बर्तानवी अफसरों से कहा कि हो सकता है कि जंगे अज़ीम के बाद वे हिंदुस्तान चली जाएं और वहां चल रही जंगे-आज़ादी की जद्दोजहद में शरीक हो जाएं। उनकी बात सुनकर ऑफिसरों के पास हैरान होने के अलावा और कोई चारा नहीं था।

नूर इनायत ख़ान जिनका जन्म 1 जनवरी 1914 को हुआ था। 13 सितंबर 1944 को नाज़ियों ने उनकी हत्या कर दी थी।

पेरिस को नाजी फौजों से आज़ाद करवाने के लिए नूर इनायत लंदन से आकर लड़ रही थी। लेकिन एक महिला की गद्दारी की वजह से नूर पकड़ी गईं और उन पर ज़ुल्मों की इंतेहा कर दी गई। आख़िरकार 1944 में दहाऊ कांसेंट्रेशन कैम्प में उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई।

हम नूर इनायत ख़ान का शायद नाम भी नहीं जान पाते। हमें श्रावणी बासु का शुक्रिया अदा करना चाहिए जिन्होंने नूर पर बहुत तफसील के साथ किताब लिखी है। नूर के इंतकाल के बाद बर्तानिया ने उन्हें जार्ज क्रॉस से सम्मानित किया। कुछ अरसा पहले ही ब्रिटिश सरकार ने नूर इनायत ख़ान की तस्वीर को वहां की करेंसी पर लगाने का निर्णय लिया। इस तरह बर्तानिया ने उन्हें एक जायज सम्मान दिया है।

zahidahina@gmail.com

स्ट्रिप : सिंपल के साथ ग्लैमरस-कूल लुक...

यह सीज़न सिम्पलिसिटी का है। स्ट्रिप से सिंपल और क्या होगा! लेकिन यह सिंपल होने के साथ-साथ ग्लैमरस लुक भी देता है।

फैशन

अस्मिता अग्रवाल
फैशन एंड स्टाइल राइटर

स्ट्रिप मैचिंग

60 के दशक के इस ट्रेंड की खूबी यह है कि आपको अपने आउटफिट के साथ मैच करने के बारे में सोचने की ज्यादा जरूरत नहीं है। यदि आप किसी समारोह में जा रही हैं तो स्ट्रिप में इससे बेहतर आउटफिट नहीं हो सकता। बस आपको इसके साथ यह सुनिश्चित करना होगा कि आपकी आउटफिट बैलेंस रहें। न बहुत छोटी, न बहुत बड़ी।

गो ज़िग ज़ैग

यह आउटफिट बताती है कि आपको स्ट्रिप को केवल होरिजेंटली अथवा वर्टिकली ही पहनने की जरूरत नहीं है। आप इसके साथ मिक्स एंड मैच का प्रयोग कर सकती हैं। यानी अपर होरिजेंटली और लोवर वर्टिकली। बस ध्यान रहें कि आपको इसका अनुपात सही एवं क्लासिक रखना है।

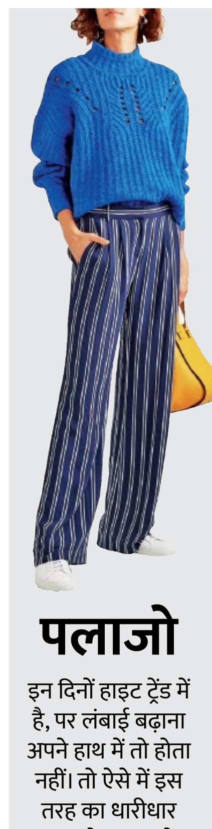

पलाजो

इन दिनों हाइट ट्रेंड में है, पर लंबाई बढ़ाना अपने हाथ में तो होता नहीं। तो ऐसे में इस तरह का धारीधार पलाजो हाइट को ज्यादा दिखाने में मददगार हो सकता है। यह कंफर्ट के स्तर से समझौता भी नहीं करता। आप चाहें तो दिलचस्प एक्सेसरी भी एड कर सकती हैं।

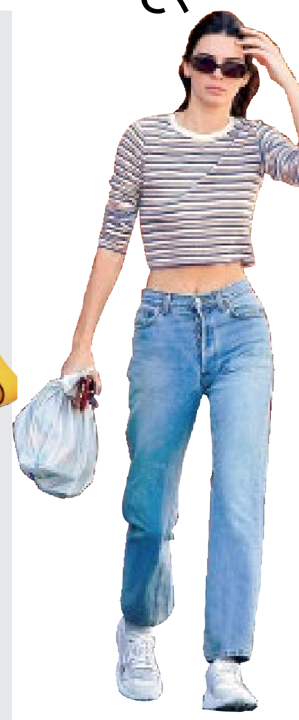

कलरफुल स्ट्रिप्स

स्ट्रिप का मतलब केवल ब्लैक एंड व्हाइट नहीं होता। कलरफुल स्ट्रिप पुरानी जींस के साथ भी ग्लैमरस लुक दे सकती है। सफेद रंग के स्नीकर्स से लुक और कूल हो जाएगा। स्ट्रिप की पट्टियों को न तो बहुत चौड़ाई में रखें और न ही बहुत पतली।

शॉर्ट गाउन

गर्मी का मौसम आ गया है, इसका ऐलान करने का सबसे 'कूल' तरीका है होरिजेंटल स्ट्रिप्स का यह शॉर्ट गाउन। बोलचाल की भाषा में इसे 'लबादा' भी कह सकते हैं। यहां दी गई ड्रेस में एक कमरबंद भी है, जो इसे शानदार कंफर्ट देता है। अतिरिक्त खूबी जोड़ने के लिए आप चाहें तो इसके साथ ड्रेनपाइप पैंट भी पहन सकती हैं।

aggarwalasmita2005@gmail.com

तारे-सितारे

पंडित मनीष शर्मा
ज्योतिषाचार्य
jyotish.sansar@gmail.com

सप्ताह के पहले दो दिनों में शत्रु देश हावी होने का प्रयास करेंगे, लेकिन षड्यंत्र नाकाम होंगे। मंगल से देश में व्यापारिक स्थिति अच्छी रहेगी। सप्ताहांत में व्यापार में गिरावट के साथ सेंसेक्स गिर सकता है।

मेष
कार्य की अधिकता के साथ सफलताएं मिलती रहेंगी। नए वाहन-भवन खरीदने का विचार बनेगा। संतान सहयोग प्रदान करेगी एवं मित्रों के साथ भ्रमण पर जाने का मौका मिल सकता है। बुध एवं गुरुवार को आर्थिक आधार मजबूत होगा। शुक्र एवं शनिवार संभलकर रहने का समय है।

वृषभ
समय सब प्रकार से अनुकूल रहेगा। चिंताएं समाप्त होंगी एवं धन की आवक भी बनी रहेगी। मित्रों से सहयोग मिलेगा एवं धार्मिक कार्यों में शामिल होने का मौका प्राप्त होगा। बुधवार एवं गुरुवार को कार्य की अधिकता हो सकती है। शुक्र एवं शनि को आय में वृद्धि होगी। अटका धन मिलेगा।

मिथुन
अष्टम चंद्र से आरंभ चिंताओं से भरा हो सकता है। आय कम होगी एवं व्यय की अधिकता रहेगी। मंगल की शाम से कुछ राहत मिलने की संभावना बनेगी। संतान की चिंता समाप्त होगी। सप्ताहांत के दिनों में व्यर्थ की बातें परेशान कर सकती हैं, किंतु कार्य में सुधार रहेगा। शनिवार को आय की प्राप्ति होगी।

कर्क
चंद्र की दृष्टि राशि पर है। आय अच्छी बनी रहेगी एवं प्रसन्नता भी प्राप्त होगी। स्थायी संपत्ति से लाभ होगा एवं नई जमीन संबंधी खरीदी की योजना बनेगी। बुध एवं गुरुवार को आय में कमी हो सकती है। व्यय की अधिकता होगी। शुक्र-शनिवार से पुनः स्थिति काबू में आएगी। समय में सुधार होगा।

सिंह
षष्ठम चंद्र। विरोधी हावी होने का प्रयास करेंगे। पराक्रम श्रेष्ठ रहेगा एवं भाइयों से सहयोग मिलेगा। नए कार्य करने को मिलेंगे एवं उदासी दूर होगी। बुध एवं गुरुवार सभी प्रकार से अनुकूल रहेंगे। आय में वृद्धि होगी। शुक्र एवं शनिवार को कठिनाइयां आ सकती हैं। व्यय की अधिकता होगी।

कन्या
पंचम चंद्र। संतान से सहयोग प्राप्त होगा। धन की प्राप्ति होगी एवं कोई बड़ा काम बन सकता है। राजनीतिज्ञों को पदलाभ हो सकता है। बुध एवं गुरुवार को अनावश्यक कल्पनाओं से परेशान रह सकते हैं। संतान की चिंताएं रहेंगी। शुक्र एवं शनिवार अच्छे दिन सिद्ध होंगे।

तुला
चतुर्थ चंद्र से आरंभ में कठिनाई आएगी। कार्य अधिक करना होगा। आय की मात्रा कम होगी। बुध एवं गुरुवार को संतान से सुख मिलेगा एवं कार्य में सफलता प्राप्त होगी। कार्यस्थल पर अच्छा वातावरण रहेगा। शुक्रवार एवं शनिवार को सुखद एवं आश्चर्यजनक सूचना मिल सकती है।

वृश्चिक
तृतीय चंद्रमा से आरंभ अच्छा होगा एवं परिवार से सहयोग प्राप्त होगा। बुध एवं गुरुवार को कुछ समस्याएं आ सकती हैं। शुक्रवार की दोपहर से अनुकूल स्थितियां निर्मित होने लगेंगी। संतान सहयोग प्रदान करेगी। कार्य में सुगमता आएगी एवं अपेक्षित कार्य समय पर कर पाएंगे।

धनु
द्वितीय चंद्र पुरानी समस्याओं से निदान दिलाएगा। धन की आवक अच्छी बनी रहेगी। परिवार में जिम्मेदारी बढ़ेगी एवं प्रतिष्ठित लोगों से मिलने का मौका मिलेगा। बुध एवं गुरुवार को जो कार्य करेंगे, उसमें सफलता मिलेगी। शुक्र एवं शनिवार को आवक कमजोर हो सकती है। जोखिम से सावधान रहना होगा।

मकर
चंद्र का गोचर रहेगा एवं कार्यों में तेजी आएगी। धन की आवक के साथ मन प्रसन्न रहेगा। बुध एवं गुरुवार को स्थायी संपत्ति संबंधी मामलों में लाभ के आसार हैं। खुशखबरी प्राप्त हो सकती है। नए कार्य के प्रस्ताव भी प्राप्त होंगे। सप्ताहांत में आस-पास के लोगों से तनाव हो सकता है।

कुंभ
सोम एवं मंगलवार के दिन तनाव रह सकता है। कार्य में विलंब होंगे एवं आय में कमी के साथ खर्च ज्यादा होंगे। बुध एवं गुरुवार को पिछले दिनों से चली आ रही परेशानी से राहत मिलेगी एवं बहुप्रतीक्षित काम संपन्न होने की संभावना है। शुक्र एवं शनिवार को कोई परेशानी आने की आशंका नहीं है।

मीन
सोम एवं मंगल को काम की अधिकता रहेगी एवं सुख की प्राप्ति होगी। यात्रा का योग भी बना हुआ है। परिवार में विवाद थमेगा एवं वर्चस्व बनेगा। सप्ताहांत मध्य में आय में कमी आ सकती है। शुक्रवार से पुनः सुधार होगा। शनिवार परिवार के साथ व्यतीत होगा।

लघुकथा

इज़्ज़त

'पापा आप मेरे स्कूल मत आया करो।'

'क्यों बेटा, कोई काम पड़ेगा तो जाना ही पड़ेगा।'

'वो इसलिए कि आप हो तो मजदूर ही।'

'बेटा, क्या मजदूर इंसान नहीं होता?'

'पापा समझा करो... मेरी इज़्ज़त का सवाल है।'

'ठीक है बेटा। अब आगे से नहीं आऊंगा। मेरा वादा है...'

उसी समय स्कूल के प्रिंसिपल की कार आकर रुकी।

'अरे प्रिंसिपल साहब, आप यहां! मुझे बुला लिया होता, मैं आ जाता।'

'अरे भाई... इंविटेशन देने तो खुद ही आना पड़ता है ना!'

'मैं कुछ समझा नहीं।'

'कल स्कूल मैनेजमेंट की मीटिंग हुई थी। तुम्हें चेयरमैन साहब ने स्कूल के वार्षिकोत्सव में सम्मानित करने का निर्णय लिया है। बस यह उसी का इंविटेशन है।'

'सर, एक मामूली से मजदूर का सम्मान...!'

'किसने कहा तुम एक मामूली मजदूर हो। सरस्वती मां की कितनी खूबसूरत मूर्ति बनाई है तुमने, वाह! ऐसा लगता है जैसे वह अभी बोल उठेगी। ऐसा कलाकार मैंने तो अपने जीवन में इससे पहले नहीं देखा।'

पिता ने अपने बेटे की ओर देखा, मानो आंखों ही आंखों में पूछ रहे हो - स्कूल न आने के मेरे वादे का क्या होगा?

उधर, बेटे की आंखों से आंसू टपक रहे थे, मानो वे आंसू कह रहे हों - पापा मुझे माफ़ कर दो। मैं आपको पहचान नहीं सका। आप जरूर आना मेरे स्कूल में... आपकी वजह से तो मेरी इज्जत बहुत बढ़ गई है।

आज वह जिंदा है तो कुसुम के कारण। हम उसे अपना बेटा कैसे कह सकते हैं? **वह तो कुसुम का बेटा है ... उसका कमाऊ पूत...**

अपना पराया...

कहानी

अरुण अर्णव खरे
चर्चित कहानीकार, कई कहानी एवं व्यंग्य संग्रह प्रकाशित

व्योम जबसे गोवा से लौटा था, वह चिंतित और खोया-खोया दिखाई देता। टूर की थकान मानकर अमृता ने ज्यादा ध्यान नहीं दिया, लेकिन जब एक सप्ताह हो गया तो चिंता सताने लगी। एक दिन मौका देखकर पूछ ही लिया - 'तुम गोवा से लौटकर चुपचुप रहने लगे हो .. दोस्तों से झगड़ा हुआ क्या?'

'नहीं मां, हमने बहुत मजे किए वहां' - व्योम संभलते हुए बोला।

'तुमने अभी तक न तो गोवा के किस्से सुनाए और न ही फोटो दिखाईं, इसलिए ऐसा लगा'- अमृता व्योम के सिर पर स्नेह से हाथ फेरते हुए बोली।

'सॉरी मां'- व्योम ने उत्तर दिया।

मां के प्रश्न से इस बार तो व्योम बच निकला था। लेकिन कब तक। व्योम के सामने गोवा-टूर के आखिरी दिन का दृश्य साकार हो उठा। रोहित हांफते हुए आया और व्योम का हाथ पकड़कर बोला था- 'जल्दी चल। हूबहू तेरी कॉपी है, भगवान ने तेरी ज़ेरॉक्स कॉपी बनाई है।'

'यहां तो कोई नहीं दिख रहा' - व्योम ने आसपास देखते हुए कहा।

'यहीं था अभी, इसी रेड अम्ब्रेला के नीचे, अंकल की मसाज कर रहा था। चल, अंकल से पूछते हैं।'

रोहित ने झिझकते हुए रिक्लाइनर पर लेटे अधेड़ उम्र के सज्जन से पूछा। 'होगा यहीं।' - कहते हुए अंकल की नजर व्योम पर पड़ी, बोले - 'क्या इसका भाई है वह?'

रोहित ने जवाब नहीं दिया। व्योम को विश्वास हो गया था कि यहां कोई ऐसा जरूर है जिसका चेहरा हूबहू उससे मिलता है।

व्योम अपने स्कूल सहपाठियों के साथ तीन दिन के विंटर-टूर पर पुणे से गोवा आया था। सभी दोस्तों ने पुर्तगीज चर्चेज, वाटरफॉल्स और बीचेज का आनंद उठाया था। अंतिम दिन बागा बीच पर वॉटर-स्पोर्ट्स एक्टीविटीज के लिए रिजर्व था। कुछ दोस्त बनाना-राइड्स में व्यस्त थे तो कुछ पैरासैलिंग में। अगली सुबह सभी को लौटना था।

व्योम, अमृता और विकास की इकलौती संतान थी। शादी के आठ साल बाद जन्मा था, अतएव दुलारा भी बहुत था। उस दिन अमृता ने इंस्टाग्राम पर प्रोफाइल बनाई थी। वह व्योम से की-फीचर्स की जानकारी ले रही थी कि व्योम रंजीता आंटी की जुड़वां बेटियों की तस्वीरें देखकर रुक गया। वे मोजियांग से ट्विन्स फ़ेस्टिवल में भाग लेकर लौटी थीं ।

'मां, यदि मेरा भी जुड़वां भाई होता तो मैं भी चीन घूम आता' - व्योम बोला।

अमृता मुस्करा दी। व्योम ने पुनः पूछा - 'मां, क्या दो डिफरेंट पैरेंट्स से जन्मे बच्चों की शक्ल हूबहू मिल सकती है?'

'मुझे नहीं लगता। थोड़ा रिजेम्बलेंस हो सकता है, हूबहू मिलना असंभव है। पर तुम ये क्यों पूछ रहे हो?'

'मां, गोवा में कोई है जिसकी शक्ल मुझसे मिलती है' - व्योम नजरें चुराते हुए बोला - 'मेरे दोस्त पापा पर शक करते हैं .. कहते हैं गोवा में उनका एक और परिवार है .. मुझे बहुत डर लगता है सुनकर ।'

'गधे हैं तुम्हारे दोस्त' - अमृता अविश्वास से व्योम का चेहरा देखने लगीं - 'विकास देवता हैं, उनके बारे में ऐसा सोचना भी पाप है।'

जनवरी का दूसरा सप्ताह लम्बा वीक-एंड था। तय हुआ कि उस समय गोवा चलेंगे। तीनों शनिवार की सुबह गोवा पहुंच गए। जहां वे लोग रुके थे, वहां से बागा बीच दो किमी दूर था। तीनों पैदल ही चल दिए।

'चलते-चलते गला सूखने लगा है। नारियल पानी पीते हैं' - विकास ने कहा। सामने ही हाथ ठेले पर एक लड़की नारियल बेच रही थी। लड़की ने जैसे ही नारियल विकास के हाथ में थमाया, वह व्योम को देखकर ठिठक गई और 'भैय्यू .. तुम' कहकर व्योम को ऊपर से नीचे तक विस्मय से देखने लगी।

'क्या, तुम्हारा भैय्यू व्योम जैसा है .. हमें मिलना है उससे' - अमृता उतावली होने लगी।

लड़की, जिसने अपना नाम ममता बताया था, ठेले को बोरे से ढंककर उनके साथ चल दी। घर ज्यादा दूर नहीं था। दरवाजे से ही आवाज दी- 'आई, देको भैय्यू से मिलने कोन लोग आए हैं।' कुछ ही देर में हाथ पोंछते हुए एक महिला बाहर निकली। अमृता उसे देखकर बुरी तरह चौंकी। वह भी चौंकी। व्योम पर नजर पड़ते ही बोली - 'हमरा मन्नू ... आपके साथ ... मन्नू तू तो साब जैसई लागे है ...'

'आई, जो मन्नू नाहीं .. साब को बेटो है ...' - ममता बोली ।

'अरे, जो तो गजबई हो गओ' - कहते हुए कुसुम कहीं खो गई। उसकी सांसें तेज-तेज चलने लगीं।

'कुसुम, संभालो अपने को' - कहते हुए अमृता ने कुसुम को सहारा दिया - 'मानिक कहां है कुसुम, तुम लोग गोवा कब आए?'

'आप लोगन के जावे के बाद पता नईं वो किहिंस चला गया .. दुबारा लौट केई नईं आइस .. हमरा भाई सदाशिव हमको इधरीस ले आया .. तब से हम यहीं पे हैं' - कुसुम ने सुबकते हुए कहा। 'ये बेटी है हमार और मन्नू अपन दोस्त के यहां पढ़न खातिर गया है।'

'किस क्लास में है .. क्या नाम है उसका?'

'आठे में है। मनमोहन नाम है ऊको।'

समय के गर्त में क्या-क्या छुपा होता है, कोई नहीं जानता। वह कब किस करवट बैठ जाएगा, आभास नहीं होता। समय एक चक्र पूरा कर अमृता और विकास के सामने आ खड़ा हुआ था। मन में बहुत सारे प्रश्न थे। कुछ के उत्तर भी मालूम थे। अमृता के अंदर सैलाब आया हुआ था। क्या मन्नू उसका और विकास का ही बेटा है? कितना बदनसीब है, एक झोपड़े में जिंदगी गुजार रहा है। मसाज करके परिवार का पेट पाल रहा है।

शादी के सात साल बाद भी मां नहीं बन पाने से हताश हो चुकी थी अमृता। डॉक्टर ने कहा था कि उसकी दोनों फैलोपियंस ट्यूब्स बंद हैं। ऐसे में कुसुम आशा की किरण बनकर आई थी। डॉक्टर मालिनी ने तैयार किया था उसे अपनी कोख किराए पर देने के लिए। सरोगेट मदर बनने के लिए। दोनों के बहुत से परीक्षण हुए, फिर कुछ कानूनी प्रक्रियाएं पूरी की गईं। अमृता और विकास के अंडाणु व शुक्राणुओं के मेल से परखनली में विकसित भ्रूण कुसुम के गर्भ में प्रत्यारोपित किया गया।

दो माह गुजरे थे कि चमत्कार हो गया। अमृता गर्भवती हो गई। विकास भी प्रमोशन पाकर पुणे आ गए। विकास ने कुसुम के पति मानिकराव को बुलाकर सारी स्थिति बताई थी और एग्रीमेंट से दोगुनी राशि देते हुए कुसुम का अबार्शन करा देने का अनुरोध किया था।

अपने ही अंतर्द्वंद्व में डूबी अमृता के सामने तस्वीर स्पष्ट हो चुकी थी। मानिकराव असली गुनहगार है .. उसने धोखा दिया है .. मानिकराव क्यों, वे लोग भी दोषी हैं .. अपनी औलाद कुसुम की कोख में छोड़कर चले गए थे। क्यों नहीं पता किया बाद में? कुसुम तो अनपढ़ है, असहाय थी। अपनी किस्मत को रोई होगी। मन्नू को अपना बेटा मानकर जन्म दिया, पाला-पोसा, पढ़ा भी रही है .. ममता सगा भाई मानती है। किराए की कोख का मतलब भी नहीं समझती होगी वह ..

और मन्नू .. क्या बीतेगी उस पर जब पता चलेगा कि कुसुम तो केवल किराये की मां है .. कैसे स्वीकारेगा इस सच्चाई को? .. वह क्यों स्वीकारे? .. हमने तो उसे मारने के लिए मानिकराव को डबल पैसे दिए थे .. हम तो हत्यारे हैं उसके .. आज वह जिंदा है तो कुसुम के कारण .. हम उसे अपना बेटा कैसे कह सकते हैं? वह तो कुसुम का बेटा है .. उसका कमाऊ पूत, उसका पालनहार।

विकास समझ रहे थे अमृता का अंतर्द्वंद्व। उन्होंने धीरे से कहा - 'अब चलें!'

अमृता उठकर खड़ी हो गई। कुछ ही देर में तीनों भारी कदमों से घर से बाहर निकल आए और चुपचाप अपने होटल की ओर चल दिए।

arunarnaw@gmail.com

आलू में है 'दम': कश्मीरी दम आलू से बंगाल के 'आलू दौम' तक

क़िस्सागोई

पुष्पेश पंत
फूड ब्लॉगर, पाक कला पर कई पुस्तकों के लेखक

आलू के बारे में हमें बताया जाता है कि इसे पुर्तगाली लोग 15वीं सदी में अपने साथ दक्षिणी अमेरिका से भारत लाए थे। लेकिन यह बात बहुत तर्कसंगत नहीं लगती। ऐसा इसलिए क्योंकि आलू के रूप में इसका उल्लेख 'आलूक', 'पिंडालू', 'रक्तालू' के रूप में प्राचीन साहित्य में मिलता है। निश्चय ही आलू की कोई न कोई प्रजाति हमारे देश में पहले से मौजूद रही होगी, तभी यह इतनी जल्दी देश की 'संतान' बन गया।

आज आलू के बगैर हमारा काम नहीं चलता - पराठे, समोसे-टिकिया, चाट के अलावा हर शाकाहारी दिल अज़ीज़ हींग-जीरे के आलू तक। लगभग हर सब्ज़ी के साथ आलू सफल जुगलबंदी साधता है - मटर, टमाटर, गोभी-गाजर, पालक-मेथी। काफ़ी लंबी सूची है। विडंबना यह है कि इसी कारण बेचारे आलू का अवमूल्यन भी हो जाता है। उसकी गिनती बैंड में शामिल बाजे की तरह होती है। हालांकि इसका एक अपवाद है तो 'आलू दम' जहां आलू की अपनी हस्ती बरकरार रहती है।

तीन तरह के आलू दम...

आलू दम, दौम आलू या दम आलू, चाहे जो कहिए, कई तरह के सूबों में अलग-अलग खाने को मिलते हैं। काश्मीर का आलू दम शायद सबसे मशहूर है। छोटे आलुओं को साबुत छीलने के बाद कांटे से गोदकर बहुत मद्धिम आंच पर सरसों के तेल में सुर्ख़ ख़स्ता होने तक तला जाता है।

इसके बाद रोगन जोश वाले मसालों में - हींग, सौंफ, सौंठ, काश्मीरी लाल मिर्च में जरा-से फेंटे दही के साथ पकाया जाता है। लौंग, दालचीनी वैकल्पिक हैं। दम तैयार हो जाने के बाद तरी के ऊपर 'सुच वडी' वाला कश्मीरी सुवासित गरम मसाला छिड़का जाता है। तरी तक़रीबन तेल की चिकनाई की ही होती है। जब इसे चावल के साथ मिलाकर खाते हैं तो आलू अपने भीतर पीये हुए मसालेदार रस को रसगुल्ले की तरह छोड़ता है। इससे दाल की कमी महसूस नहीं होती।

बंगाली 'आलू दौम' भी साबुत छोटे आलुओं से पकाया जाता है। इन्हें भी काश्मीरी आलू दम की तरह धीमी आंच में सरसों के तेल में ही पकाया जाता है, मगर इनमें फ़र्क़ मसालों का होता है। तेजपत्ता, लौंग, दालचीनी के अलावा जरा-सी हल्दी, लाल मिर्च का पाउडर, धनिया, जीरा, गरम मसाले के साथ इसकी तरी में टमाटर तो डाला ही जाता है, लहसुन-प्याज़ का पेस्ट भी पड़ता है। तरी लिपटवां होती है, जिसमें चीनी की मिठास महसूस की जा सकती है। इस आलू दम को मैदे से बनी पूरी लूची के साथ खाया जाता है। भद्रलोक बंगालियों का यह पसंदीदा रविवारीय नाश्ता है।

अब बारी आती है बनारसी दम आलू की और साथ ही इसके जयपुरी अवतार की। इसमें आलू को स्वादिष्ट और समृद्ध बनाने के लिए खोया, पनीर, किशमिश आदि भरे जाते हैं। आजकल खाने की दुकानों पर इस नाम से जो व्यंजन पेश किया जाता है, वह पारंपरिक पाकविधि से बहुत अलग लगता है। टमाटर की मखनी तरी और मेवे-मावे की अति आलू को अपनी मौजूदगी दर्ज कराने का मौक़ा ही नहीं देती। मिठास इतनी कि चांदी का वर्क याद आने लगता है! गुजरे ज़माने में खाए बनारसी दम आलू की याद अभी बाक़ी है जिसे टमाटर की बैसाखी की दरकार नहीं रहती थी। दही को भली-भांति पकाकर गाढ़ा शोरबा बनाया जाता था। कभी यह भी नाममात्र को ही रहता था। बड़ा-सा ख़स्ता आलू मसाले में लिपटा सूखा तो होता था, पर रूखा नहीं।

pushpeshpant@gmail.com

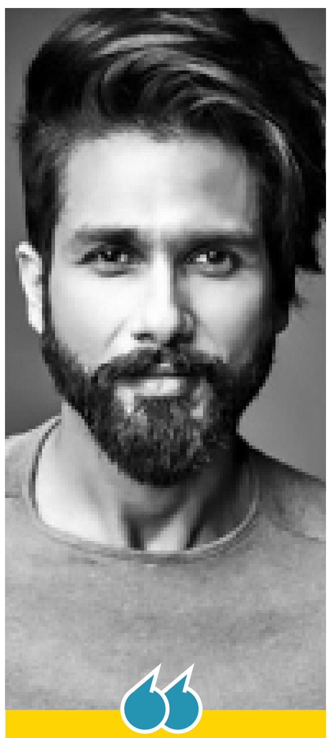

जब तक सफल नहीं होते, तब तक हर पल का उपयोग आपको करना है।

इंस्पायरिंग | शाहिद कपूर

'सफलता तक का सफर लंबा हो तो अच्छा, इससे आप सीखेंगे ज्यादा'

आमतौर पर लोग सक्सेस को एक सीधी रेखा समझते हैं। लेकिन असल में ये यहां-वहां भटकती है और जैसे-तैसे आप उसे हासिल करते हैं। सभी का अपना सफर है, सभी के पास कहने के लिए एक कहानी है। सब के अपने चैलेंज होते हैं। मैं कभी खुद को किसी से कम खुशकिस्मत नहीं समझता। इसका मतलब यह नहीं है कि मैं उनके किए को कम आंक रहा हूं। मैं सोचता हूं वो वहां हैं क्योंकि उन्होंने कड़ी मेहनत की है, अच्छे फैसले लिए हैं।

कई बार अवसरों का इंतजार बहुत लंबा हो जाता है। सही मौके के इंतजार में खुद को झोंकते रहना पड़ता है। अपनी स्किल्स को निखारते रहना पड़ता है। जब तक सफल नहीं होते, तब तक हर पल का उपयोग आपको करना है। एक बार आप सफल हो गए तो आपको फुरसत नहीं मिलने वाली। आप अपने काम में ऐसे व्यस्त होंगे कि इस ओर ध्यान ही नहीं जाएगा। फिर आपको अपनी स्किल्स पर काम करने के लिए बेहद कम समय मिलेगा।

सफल होते ही आप देख पाते हैं कि आपके इर्द-गिर्द लोग किस तरह का काम कर रहे हैं, क्या अच्छा कर रहे हैं। आप उनकी सराहना करना सीखते हैं। जीवन में विनम्र होना बेहद जरूरी है। खुद को गंभीरता से न लेना अहम है। आप एंजॉय करें, ये महत्वपूर्ण है। आपको अपने काम में मजा आना चाहिए। अगर मजा आता रहेगा तो सफलता-असफलता से कोई फर्क नहीं पड़ने वाला, आप अच्छा काम करते रहेंगे।

मैं मानता हूं कि अच्छी बातें आपके साथ तभी होंगी जब आप उनके लिए तैयार होंगे। मैं मानता हूं अगर सफलता मेरे जीवन में पहले आई होती तो मैं वो इंसान कभी नहीं होता, जो आज हूं। मुझे मेरा यह रूप पसंद है, जो आज है।

सफलता के उदाहरण अगर आपके आस-पास हैं तो उन्हें गौर से देखिए। अपने सफर को आप आसान बना लेंगे। जब मैं फिल्मी दुनिया में आया तो मेरे पास कोई उदाहरण नहीं था। मैं खुद की क्षमताओं को जानते हुए भी मन मुताबिक कर नहीं पाता था, क्योंकि कैसे करना है, ये बताने वाला नहीं था।

कई बार आपको अपने सपने असंभव भी लगेंगे, लेकिन सपने सच हो सकते हैं। जब आप खूब मेहनत करते हैं, एक लंबा सफर तय करते हैं, तो एक अलग ही इंसान बन जाते हैं। मैं लंबे सफर में ही भरोसा रखता हूं क्योंकि इससे मुझे ज्यादा सीखने का मौका मिल जाता है।

(यूथ आइकन शाहिद कपूर ने हाल ही में 41वां जन्मदिवस मनाया। ये बातें विभिन्न सोशल मीडिया मंचों से)

कोई और नहीं, आप ही खुद को खुश रख सकते हैं

- आप कहां पैदा हुए, कैसे बड़े हुए मायने नहीं रखता... मायने रखता है आप किस मिट्टी के बने हैं।
- आपको खुद के बारे में अच्छा महसूस करने के लिए इस धरती पर किसी और इंसान की जरूरत नहीं, खुद से खुश रहना सीखिए।
- जमाना आपको किसी और के जैसा बनाने की कोशिश करेगा, लेकिन आपको खुद को बचाए रखना है।
- जब हम अपनी असुरक्षाओं को छोड़ आस्था के साथ आगे बढ़ते हैं तब असली सफर शुरू होता है।

टिप्स

अपनी टीम के लिए बनाएं पॉजिटिव डिजिटल कल्चर

हमारे काम करने का तरीका बदल गया है। लोग ऑलवेज़-ऑन कल्चर अपना रहे हैं। नियोक्ता अपने कर्मचारी से हमेशा पहुंच में रहने और उत्तरदायी रहने की उम्मीद रखता है। शोध बताते हैं कि लगातार कनेक्टिविटी बने रहने से प्रोडक्टिविटी घट जाती है। स्मार्टफोन इस्तेमाल करने वाला व्यक्ति दिन में 150 बार फोन देखता है। केवल एक मैसेज की वजह से उसके रोज के कामों में गलती की गुंजाइश बढ़ जाती है और दोबारा फ्लो में लौटने में लगभग 11 मिनट लग जाते हैं। तकनीक के नकारात्मक प्रभावों का एक संतुलन बैठाने के लिए नियोक्ता पॉजिटिव डिजिटल कल्चर अपनाने की शुरुआत कर सकते हैं।

हार्वर्ड बिज़नेस रिव्यू
Harvard Business Review

1) दिमाग को रिचार्ज करने की शांत जगह दें

ऑफिस में ही कर्मचारियों के लिए एक ऐसी जगह निकाली जा सकती है जहां वो अपने काम और डिवाइस से ब्रेक लेकर कुछ देर एकांत में बैठकर सोच-विचार कर सकें। इस तरह का डाउन टाइम मिलने से कर्मचारियों को अपने डिफॉल्ट मोड नेटवर्क को एक्टिवेट करने में मदद मिल जाती है। इस तरह उन्हें नई जानकारियां और नए आइडियाज़ भी हासिल हो सकते हैं।

2) फोन-फ्री ब्रेक्स लेने को प्रोत्साहित करें

आधे से भी ज्यादा कर्मचारी डाउनटाइम में भी अपने स्मार्टफोन्स साथ रखना पसंद करते हैं। जबकि शोध बताते हैं कि जो कर्मचारी ब्रेक्स के दौरान भी अपने स्मार्टफोन साथ रखते हैं, काम पर लौटने के बाद उनकी प्रोडक्टिविटी काफी हद तक घट जाती है और ना ही उनमें पर्याप्त ऊर्जा ही दिखाई देती है। ऐसे में बहुत जरूरी है ऑफिस में फोन-फ्री ब्रेक्स को बढ़ावा दिया जाए।

3) प्रतिक्रिया देने की जल्दबाजी ना करें

ज्यादातर कर्मचारी अपने नियोक्ता को तुरंत ही प्रतिक्रिया देने की जल्दी में रहते हैं। फिर चाहे वो बातचीत काम के बाद हो या वीकेंड पर या फिर छुट्टियों के दौरान। लीडर्स चाहें तो अपने कर्मचारियों के लिए पूरी तरह से सकारात्मक डिजिटल माहौल पैदा कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें एक पॉलिसी बनानी होगी कि कब और कैसे अपने कर्मचारियों से प्रतिक्रिया की उम्मीद की जाती है।

4) 'फोकस टाइम' को ब्लॉक करना बताएं

बहुत से कर्मचारियों को लगता है कि अपना काम पूरा करने के लिए उन्हें निरंतर समय नहीं मिल पाता है। जिन कर्मचारियों को अपने लिए 55 मिनट भी मिल जाते हैं वो ज्यादा ऊर्जावान, दोस्ताना, मजेदार और स्मार्ट होते हैं। कर्मचारियों को ज्यादा से ज्यादा प्रोडक्टिव बनाने के लिए कैलेंडर पर उन्हें 'फोकस टाइम' ब्लॉक करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है।

सेल्फ हेल्प

लोगों की निजता का सम्मान करना सीखें

द मैजिक ऑफ थिंकिंग बिग

दूसरों के विचारों के प्रति भी खुला नज़रिया रखें

अगर आप अपने विचार हल्के से व्यक्त करते हैं, तो पाएंगे कि आपकी बात सुनना और आपके विचारों को महत्व देना दूसरों के लिए आसान हो जाएगा। अगर आप स्पष्ट कर देते हैं कि आप दूसरों के विचारों के प्रति खुला नजरिया रखते हैं तो लोग आपके प्रति ज्यादा खुलेंगे। दूसरों की निजता का सम्मान करें। आलोचना या शिकायत करने से हमेशा बचना चाहिए।

हाउ टु टॉक टु एनीवन

लोगों की प्रशंसा भी प्रमुख प्रेरणा बन जाती है

जो लोग खुद को आकर्षक बनाने के लिए प्रयास कर रहे हैं उनकी तरफ ध्यान दीजिए। यह बोलने की आदत डालें कि वो अच्छे दिख रहे हैं। आप जिनकी तारीफ करते हैं उन्हें तो अच्छा महसूस होता ही है, आपको भी ख़ुशी होती है। अगर आप ऐसा करेंगे तो लोग खुद पर गर्व करेंगे। किसी भी चीज़ को हासिल करने की प्रमुख प्रेरणा होती है दूसरों की प्रशंसा हासिल करना।

एटिट्यूड इज एवरीथिंग

आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए थोड़ा ज्यादा बोलें

आप जितना ज्यादा बोलते हैं आपका आत्मविश्वास उतना ही बढ़ जाता है और आपके लिए अगली बार बोलना आसान हो जाता है। बोलने की आदत डालें। आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए यह आदत मददगार साबित हो सकती है। हर ओपन मीटिंग में बोलने का नियम बना लें। पहले बोलने की आदत डालें। आप मूर्ख नहीं दिखेंगे। कोई व्यक्ति तो आपसे जरूर सहमत होगा।

पावर ऑफ पॉजिटिव थिंकिंग

बड़ी सोच रखेंगे तो झगड़े नहीं होंगे

99 प्रतिशत मामलों में झगड़े छोटी और महत्वहीन बातों से शुरू होते हैं। जब तक शांति स्थापित होती है तब तक दोनों ही पक्ष एक-दूसरे पर आरोप लगा चुके होते हैं। ज्यादातर झगड़े छोटी सोच की वजह से होते हैं। झगड़ों से बचने के लिए छोटी सोच से बचना होगा। ज्यादातर बार मामला गंभीर या महत्वपूर्ण होता ही नहीं है।

लेसन्स फ्रॉम ग्रेट थिंकर्स

आप जो मानते हैं वही कहें और वही करें जो कहते हैं

मार्टिन बूबर

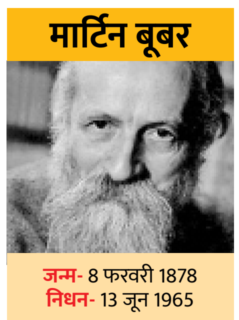

जन्म- 8 फरवरी 1878
निधन- 13 जून 1965

इज़रायली दर्शनशास्त्री थे। इन्हें 'फिलॉसफी ऑफ डायलॉग' के लिए जाना जाता था।

- जब लोग आपके पास मदद मांगने आते हैं तो उन्हें केवल सांत्वना देकर निराश न करें, बल्कि इस तरह मदद करें जैसे ईश्वर है ही नहीं और दुनिया में केवल एक ही व्यक्ति है जो उनकी मदद कर सकता है, वो आप हैं।
- **जब मनुष्य का मन शांत होगा तभी वो दुनिया में शांति बना सकेगा।**
- जो मानते हैं वही कहें और वही करें जो कहते हैं, तभी आप संपूर्ण बनेंगे।
- मन के शुद्धिकरण के लिए बहुत जरूरी है एकांत।
- अहंकारी के मन के अंदर ईश्वर के लिए कोई स्थान नहीं होता।
- **जानवरों की आंखें अद्भुत भाषा बोलती हैं।**
- जब दो लोगों के रिश्ते का आधार भरोसा और मानवता होता है, तो ईश्वर इस रिश्ते में ऊर्जा भर देते हैं।
- जीवन में हमारी धारणाएं बदलती हैं। बदलनी चाहिए। हमें खोज करते हुए ही जीना चाहिए।

From the pages of TIME

जब किसी एक जगह या धुरी पर दौलत का अंबार लगता है तो उसी समय विपरीत धुरी पर **दुख, मुसीबत, गुलामी, निर्ममता और तकलीफ का दौर शुरू हो जाता है।**
– कार्ल मार्क्स

नॉलेज नंबर्स

युद्ध का प्रदूषण
5 प्रतिशत

ग्रीन हाउस गैसों में विभिन्न देशों की फौजों और हथियार बनाने वाले कारखानों की हिस्सेदारी 5% है। सबसे अधिक प्रदूषण अमेरिकी सेना फैलाती है।

घटता खर्च
4.5 लाख करोड़ रु.

2020 में रूस का सैनिक खर्च 4.57 लाख करोड़ रुपए रहा। इसमें 2019 के मुकाबले लगभग 4% की गिरावट दर्ज की गई।

यूक्रेन: 30 से 50 लाख लोगों के शरण लेने का अनुमान

जासमीन अगुलेरा

रूस के यूक्रेन पर हमला करने के बाद देश के पूर्वी भागों से लोगों ने अपने घरों से भागना शुरू कर दिया था। यूक्रेन की राजधानी कीव और अन्य शहरों से अधिकतर लोग ग्रामीण इलाकों की ओर भागे हैं। पूर्वी यूरोप के देशों में भी लोग शरण ले रहे हैं। वैसे, शरणार्थियों की सही संख्या अब तक सामने नहीं आई है। यूक्रेन के रक्षा मंत्री ने दिसंबर में अनुमान लगाया था कि रूसी हमले से तीस से लेकर पचास लाख तक व्यक्ति अपने घरों से भाग सकते हैं। इधर, पिछले कुछ वर्षों से दुनिया के कई इलाकों में लोग अपने घरों से भाग रहे हैं। 2015-16 में सीरिया, इराक और अफगानिस्तान से दस लाख शरणार्थी यूरोपीय देशों में आए थे। 2014 में क्रीमिया पर रूसी हमले के बाद 15 लाख व्यक्ति बेघर हुए थे। इनमें से अधिकतर ने यूक्रेन में शरण ली थी।

पुतिन की 15 लाख करोड़ रु. की संपत्ति पर रहस्य का साया, पाबंदी लगाना मुश्किल

पुतिन की दौलत

फर्जी कंपनियों, रियल एस्टेट और दूसरे लोगों के नाम पर पैसा जमा है

निक पोपली

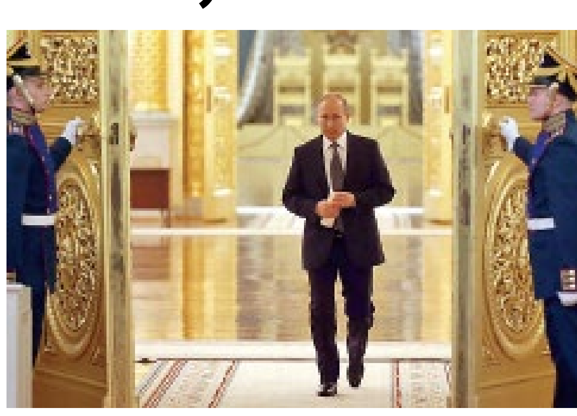

पुतिन की संपत्ति के अलग अनुमान

पुतिन की दौलत के संबंध में पिछले वर्षों में अलग-अलग अनुमान सामने आते रहे हैं। रूस के सत्ता शिखर क्रेमलिन के पूर्व सलाहकार स्टानिस्लाव बेलकोवस्की ने 2012 में दावा किया था, पुतिन के पास 5.25 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति है। बेलकोवस्की का गणित पुतिन की तेल सहित कई रूसी कंपनियों में हिस्सेदारी पर आधारित है।

यूक्रेन पर हमला करने के लिए रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन और उनके विदेशमंत्री सर्जी लावरोव की संपत्तियों पर प्रतिबंध लगाने पर अमेरिका और यूरोपियन यूनियन (ईयू) के देश विचार कर रहे हैं। विश्वास किया जाता है कि दोनों के पास अपार दौलत है। पुतिन तो दुनिया के सबसे अधिक अमीर लोगों में शामिल हैं। लेकिन, उनकी संपदा पर किसी तरह की रोक लगाना मुश्किल है क्योंकि यह फर्जी कंपनियों के गुप्त जाल, रियल एस्टेट और अन्य लोगों के खातों में है। किसी समय रूस में भारी संपत्ति कमाने वाले अमेरिकी निवेशक बिल ब्राउडर ने 2017 में अमेरिकी संसद-सीनेट को बताया था कि पुतिन के पास 15 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति है।

पुतिन की संपत्ति इतनी पेचीदा है कि उन पर पाबंदी लगाने में कई कठिनाइयां हैं। ईयू के विदेशनीति से जुड़े अधिकारी प्रतिबंध लगाने के इरादे के संकेत देते हैं। ईयू के विदेशी मामलों के प्रमुख जोसेफ बोरेल ने शुक्रवार का कहा, चूंकि पुतिन और लावरोव का पैसा और अन्य संपत्ति दूसरे नामों से होगी इसलिए उसका पता लगाने के लिए काफी काम करना होगा।

स्वीडिश अर्थशास्त्री एंडर्स एसलुंड ने इस साल अनुमान लगाया है कि पुतिन के पास 7.50 लाख करोड़ रुपए से लेकर 9.75 लाख करोड़ रुपए के बीच संपत्ति होगी। यह गणना पुतिन के भरोसेमंद अरबपतियों की दौलत को ध्यान में रखकर की गई है। इन लोगों में हर किसी की संपत्ति 3800 करोड़ रुपए से 15 हजार करोड़ रुपए के बीच आंकी जाती है।

क्रेमलिन की अधिकृत जानकारी के अनुसार पुतिन की सालाना आय 1.5 लाख करोड़ रुपए के आसपास है। उनके पास सेंट पीटर्सबर्ग में 800 वर्गफुट का अपार्टमेंट, दो पुरानी कारें, एक ट्रक और कार ट्रेलर है। राजनेताओं और अमीरों के काले धन का खुलासा करने वाले पनामा पेपर्स और पंडोरा पेपर्स के अनुसार पुतिन के करीबी लोगों ने बेहिसाब दौलत जमा कर रखी है। इस संपत्ति से रूसी राष्ट्रपति का परिवार फायदा उठाता है। ब्राउडर ने 2017 में अपनी गवाही में कहा था, पुतिन अपना पैसा पश्चिमी देशों में रखते हैं। हालांकि, पुतिन की धन-दौलत की सही जगह रहस्य के दायरे में है लेकिन उनके अमेरिका में पैसा रखने की संभावना नहीं है। इससे पता लगता है कि राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा ईयू देशों के साथ उनकी संपत्ति को फ्रीज करने का फैसला मुख्यतः प्रतीकात्मक है।

जेल में बंद रूसी विपक्षी नेता अलेक्सी नावाल्नी ने नवंबर में टाइम मैग्जीन को लिखा था कि अमेरिकी प्रतिबंध पुतिन और उनके सहयोगियों की पश्चिमी बैंकों में जमा संपत्ति पर रोक लगाने से ही असरदार साबित हो पाएंगे। नावाल्नी ने पिछले साल व्हाइट हाउस को संदेश भेजकर पुतिन के करीबी 35 रूसी अधिकारियों और अमीरों पर प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया था। इनमें से कुछ पर पाबंदी लगाई गई थी। नावाल्नी ने रूस के काले सागर तट पर कथित रूप से पुतिन के 10500 करोड़ रुपए मूल्य के महल का एक वीडियो जारी किया था।

बार्बी डॉल को हॉलीवुड का सुपर स्टार बनाने की तैयारी

बिजनेस

दुनिया की सबसे बड़ी टॉय निर्माता फिल्म, टीवी, डिजिटल गेमिंग के क्षेत्र में

जॉन सिम्मंस

दुनियाभर में मशहूर बॉर्बी डॉल बनाने वाली कंपनी माटेल को अब टॉय निर्माता के अलावा नए रूप में पेश करने का सपना देखा जा रहा है। अप्रैल 2018 में कंपनी के सीईओ बने यनोन क्रीज कहते हैं, वे माटेल की बौद्धिक संपदा से फिल्मों, टेलीविजन, डिजिटल गेमिंग और अन्य तरह के मीडिया में पैसा कमाने का इरादा रखते हैं। हम समानता के लिए मार्वल की तरफ देखते हैं। हम उस दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

क्रीज को उनके लक्ष्य तक पहुंचाने में बार्बी डॉल सहायक हो सकती है। लंबे पैरों वाली गुड़िया का 63वां जन्मदिन मार्च में है। उसकी फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होगी। ग्रेटा गर्विग के निर्देशन की फिल्म में मार्गोट रॉबी और रायन गोसलिंग प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह कंपनी की पहली लाइव एक्शन फिल्म होगी। माटेल ने मास्टर्स ऑफ द यूनिवर्स फिल्म के लिए नेटफ्लिक्स के साथ भागीदारी की है। इन दो फिल्मों के अलावा 12 अन्य फिल्में बनाई जाएंगी। माटेल 30 से अधिक टीवी शो बना रही है।

माटेल का सबसे अधिक बिजनेस बार्बी पर टिका है लेकिन कंपनी ने कुछ अन्य कामयाबियां हासिल की हैं। उसे इस वर्ष फ्रोजन और डिज्नी प्रिंसेस फिल्म पर आधारित डॉल्स और टॉयज बनाने का लायसेंस फिर मिल गया है।

7.50 लाख करोड़ रु. की होगी टॉय इंडस्ट्री

मार्केट रिसर्च ग्रुप यूरो मॉनिटर के अनुसार टॉय इंडस्ट्री के 2023 तक 7.50 लाख करोड़ रुपए की होने का अनुमान है। इसमें 2025 तक सालाना 5% बढ़ोतरी होने की संभावना है। महामारी में खिलौनों की मांग में बढ़ोतरी हुई थी लेकिन लॉकडॉउन के कारण कई देशों में कारोबार प्रभावित हुआ।

मजबूरी का फायदा

अमेरिका: महामारी के बीच नर्सों का वेतन 67 प्रतिशत बढ़ गया

नर्सिंग एजेंसियों ने दो साल में 20 प्रतिशत से अधिक मुनाफा कमाया

एबी वेसोलिस, अबिगेल अब्राम्स

अस्पतालों का स्टाफ खर्च 100% बढ़ा

ट्रैवल नर्सों का सिस्टम वर्षों से चल रहा है। पहले इनका उपयोग जरूरत पड़ने पर होता था। बहुत गंभीर मरीजों की सेवा ट्रैवल नर्सों को नहीं सौंपी जाती थी। अब हर अस्पताल में ट्रैवल नर्सें हैं। कई बड़े अस्पताल समूहों में 40% तक ट्रैवल नर्सों पर गंभीर मरीजों की देखभाल की जिम्मेदारी है। नई व्यवस्था से अस्पतालों का बजट बढ़ा है। कांट्रेक्ट नर्सों की वजह से थॉमस हेल्थ जैसे कई अस्पताल समूहों का स्टाफ खर्च 100% बढ़ गया है।

जेनी कान 40 वर्ष से रजिस्टर्ड नर्स हैं लेकिन पिछले दो वर्षों जैसे मुश्किल हालात उन्होंने कभी नहीं देखे थे। इसका प्रमुख कारण हेल्थ केयर सुविधाओं को बदलने वाली कोविड-19 महामारी है। कान थॉमस हेल्थ हॉस्पिटल सिस्टम के चार्ल्सटन, पश्चिम वर्जीनिया स्थित सेंटर में काम करती हैं। वहां नर्सों को भारी जोखिम उठाकर दिन-रात काम करना पड़ा है। इसलिए अमेरिका में फरवरी 2020 से सितंबर 2021 के बीच 18% हेल्थ वर्करों का नौकरी छोड़ना आश्चर्य की बात नहीं है। देश में महामारी के दो वर्षों में नर्सिंग स्टाफ का वेतन कई गुना बढ़ा है।

कान बताती हैं, बीते दो वर्षों की एक और बात उन्हें परेशान करती है। देश में अस्पतालों की बहुत स्टाफ नर्सों को हद से ज्यादा काम करना पड़ा है क्योंकि अन्य हजारों स्टाफ नर्सों ने अस्थायी नर्स बनने के लिए नौकरियों से इस्तीफा दे दिया है। वे दो से चार गुना अधिक वेतन पर कांट्रेक्ट ट्रैवल नर्स बन गई हैं। वे कांट्रेक्ट पर यहां-वहां जाकर काम करती हैं। अस्पताल प्रबंधकों ने नर्सों की कमी के कारण कांट्रेक्ट नर्स रखने पर अधिक पैसे खर्च किए। दूसरी ओर उन्होंने अपनी स्टाफ नर्सों का वेतन नहीं बढ़ाया है। इससे और अधिक स्टाफ नर्सों ने नौकरियां छोड़ दीं।

महामारी की स्थितियों से फायदा उठाकर कांट्रेक्ट नर्सिंग एजेंसियों ने अपनी फीस बढ़ा दी है। प्रोलुसेंट हेल्थ एजेंसी के अनुसार जनवरी 2020 से जनवरी 2022 के बीच ट्रैवल नर्सों के वेतन में 67% बढ़ोतरी बताई गई है। एएमएन हेल्थकेयर जैसी कुछ स्टाफिंग एजेंसियों ने टाइम को बताया कि 2019 की चौथी तिमाही से 2021 की चौथी तिमाही तक ट्रैवल नर्सों की तनख्वाह 164% तक बढ़ी है। कुछ नर्सिंग एजेंसियों का मुनाफा 20% से अधिक रहा।

महामारी के बीच कुछ अस्पताल प्रबंधकों के मुनाफे में गिरावट आई है। उनका कहना है कि वे संकट की कगार पर हैं। बाइडेन सरकार और संसद को हमारी मदद करनी चाहिए। वे कहते हैं, कांट्रेक्ट नर्सिंग एजेंसियां पैसा कमाने के लिए कोविड-19 के हालात से फायदा उठा रही हैं। दूसरी ओर एजेंसियों का कहना है, मुनाफे में बढ़ोतरी अधिक मांग का नतीजा है। इस बीच नर्सों की दलील है कि अगर अस्पताल प्रबंधक शुरू से अपनी स्टाफ नर्सों को काम की बेहतर परिस्थितियां मुहैया कराने के साथ अच्छी तनख्वाह देते तो बड़े पैमाने पर नर्सें नौकरियां नहीं छोड़तीं।

अंतर्मन दलाई लामा

भीतरी संतोष कैसे मिल सकता है?

भीतरी संतोष पाने के दो तरीके हैं।

एक तरीका यह है कि हमें जो कुछ चाहिए और जिस चीज की भी हमें इच्छा है, उसे हम प्राप्त कर लें- समस्त धन, घर, गाड़ियां, सही साथी और अच्छा शरीर। इस तरह की सोच का नुकसान बताया जा चुका है कि यदि हमारी इच्छाएं और कामनाएं असीमित हो जाएंगी, तो देर-सवेर कुछ ऐसा होगा जिसे हम चाहते हैं, लेकिन वह हमें नहीं मिल सकता।

दूसरा और अधिक विश्वसनीय तरीका यह है कि हम जो कुछ चाहते हैं उसे पाने की इच्छा न करें, बल्कि जो कुछ हमारे पास है उसका आनंद लिया जाए।

मैं टीवी पर क्रिस्टोफर रीव का एक इंटरव्यू देख रहा था। वह एक फिल्म अभिनेता था जो घोड़े से गिर गया और उसकी रीढ़ की हड्डी में चोट लगी जिसके कारण गर्दन से नीचे का उसका पूरा शरीर बेकार हो गया। जब इंटरव्यू लेने वाले व्यक्ति ने उससे पूछा कि अपनी अशक्त स्थिति से पैदा हुई निराशा से निपटने के लिए

उसने क्या किया, तो रीव ने बताया कि —

एक समय था जब अस्पताल में लेटे हुए वह पूरी तरह हताश हो चुका था। हालांकि उसने कहा कि हताशा का वह समय जल्दी ही निकल गया और अब वह खुद को 'भाग्यशाली' मानता है। उसने अपनी प्रिय पत्नी और बच्चों की शुभकामनाओं के बारे में बताया और साथ ही वह इस बात के लिए भी आभारी था कि आधुनिक चिकित्सा ने तेजी से प्रगति की है (उसका अनुमान है कि अगले एक दशक में रीढ़ की हड्डी की चोट का उपचार मिल जाएगा) और उसने कहा कि यही चोट अगर उसे कुछ वर्ष पूर्व लगी होती तो शायद वह मर गया होता। रीव ने बताया कि शुरू में उसे रह-रहकर ईर्ष्या होती थी, जब वह किसी को अनजाने में यह बोलते-सुनता था, 'मैं अभी दौड़कर ऊपर जाता हूं और कुछ लेकर आता हूं।'

इन भावों से निपटना सीखने के दौरान, उसने कहा, 'मैंने पाया कि जीने का एकमात्र तरीका अपने पास मौजूद चीजों को देखना और यह समझना है कि आप अभी क्या-क्या काम कर सकते हैं, मेरे मामले में, सौभाग्य से, मुझे दिमाग के अंदर चोट नहीं लगी थी, इसलिए मेरे पास उपयोग करने के लिए दिमाग तो था।'

इस तरह अपने संसाधनों पर ध्यान लगाकर रीव ने अपने दिमाग का प्रयोग लोगों को रीढ़ की चोट के बारे में बताने और जागरूकता पैदा करने में किया है और उसकी बोलने, लिखने और फिल्मों का निर्देशन करने की भी योजना है।

(साभार- आनंद का सरल मार्ग)

खगकुल राजशेखर पंत

हम बहुतेरे पक्षियों को देखते हैं, लेकिन सभी को पहचान नहीं पाते। क्या ही अच्छा हो अगर हम पक्षियों की दुरुस्त पहचान करने का हुनर विकसित करें।

इस पाखी को पहचानते हैं आप!

प्रकृति को देखना, समझना, उससे संवाद करना हमें बेहतर इंसान बनाता है। एक मनुष्य के रूप में जो स्वाभाविक कमजोरियां हममें होती हैं, उनकी निरर्थकता को पहचानने में प्रकृति का साहचर्य हमारी सहायता करता है। यह जरूरी नहीं है कि प्रकृति को समझने, जानने के लिए आप किसी जंगल, समुद्रतट या फिर पहाड़ों में जाकर रहने लगें; आपकी बालकनी के किसी कोने पर उग आया, या उगाया हुआ पौधा, सड़क के किनारे स्थित पेड़ों के झुरमुट में चहकते पक्षी, किसी पार्क की हरियाली- ये सब भी आपके दोस्त बन सकते हैं।

मेरे कस्बेनुमा पहाड़ी शहर भीमताल में मेरे घर के आसपास ही आजकल पक्षियों की खासी भीड़ है। पक्षी निश्चित ही प्रकृति का एक जीवंत हिस्सा हैं। इन्हें देखना, पहचानना और इनकी आदतों वगैरह के बारे में जानना-समझना एक मजेदार अनुभव होता है। मैं आजकल अपने घर के आसपास मौजूद परिंदों से परिचय बढ़ाने की कोशिश में हूं। अच्छा लगता है ऐसा करना। सोचा, जो भी थोड़ी-बहुत जानकारी इनके बारे में हासिल की है, उसे आपके साथ साझा करूं- खासकर नई पीढ़ी से- जिसके पास प्रकृति से दूर होते चले जाने के कई वाजिब कारण और शायद बहाने भी हैं।

मैं बात कर रहा हूं एक खूबसूरत पक्षी की, जिसका नाम बार्बेट है। हमारे लॉन के कोने पर एक वर्षों पुराना फ्रेंच पाम का पेड़ है, जो इन दिनों फलों से लदा हुआ है। सुबह पौ फटने के साथ ही इन परिंदों का झुंड पाम की खूबसूरत फलदार टहनियों पर आ धमकता है और बड़ी मेहनत से तोड़े गए एक-एक दाने को अपनी चोंच में

दबाकर बागीचे की सरहद पर लगे विशाल सिल्वर ओक्स की टहनियों में गुम हो जाता है। दोपहर ढलने तक यह क्रम पूरे जोरशोर के साथ निरंतर चलता रहता है।

हमारे देश में बार्बेट की लगभग दस प्रजातियां पाई जाती हैं। भीमताल में आजकल जो प्रजाति दिखाई दे रही है, वह है ग्रेट हिल बार्बेट (Megalaima Virens)। यह संभवतः सबसे बड़ी बार्बेट होती है- लगभग 12 इंच लम्बी। इसके सिर का रंग नीला, चोंच पीली तथा शरीर हरा होता है, जिस पर पीला और भूरा शेड उपस्थित रहता है। इसकी पूंछ के नीचे (vent) लाल रंग अत्यधिक मुखर रहता है। ब्लू थ्रोटेड बार्बेट (Megalaima Asiatica) और लार्ज ग्रीन बार्बेट (Megalaima Zeylanica) भी इस क्षेत्र में यदा-कदा दिखाई देती हैं, पर कॉपरस्मिथ कही जाने वाली क्रिमसन ब्रेस्टड बार्बेट (Megalaima Haemacephala) मैंने आज तक यहां नहीं देखी है।

बार्बेट को फल बहुत अच्छे लगते हैं। अंजीर से लेकर सिट्रस फल तक यह सबकुछ चट कर जाती है। मेरे बागीचे में तो पिछले कुछ वर्षों से इसने अवोकेडो खाना भी शुरू कर दिया है, जबकि पिछले कई दशकों तक ये इस फल की ओर देखती भी नहीं थी। बड़ी कुशलता से अवोकेडो जैसे सख्त फल को भी छेद देने की इसकी सामर्थ्य ने इस फल के स्वाद का चस्का ब्लू मैगपाई, बुलबुल और थ्रश जैसे पक्षियों को भी लगा दिया है। ब्लू मेग्पाइस के साथ तो अब इसकी अच्छी-खासी दोस्ती हो गई है।

यहां यह जानना भी रोचक होगा कि बार्बेट पेड़ के तने पर स्वयं कोटर उकेर कर अपना घोंसला बनाती है। कुछ अन्य पक्षियों की तरह यह फंगस या किसी और कारण से तनों पर बन गए कोटरों में रहना प्रायः पसंद नहीं करती है।

लॉन में बैठकर जब मैं इन पंक्तियों को लिख रहा हूं, तब पाम के बीज खाकर अघाई हुई एक शरारती बार्बेट अवोकेडो के पेड़ पर बैठी स्वाद बदलने की तैयारी कर रही है। मैं बेबस नजरों से अवोकेडो के उन गिने-चुने साबुत फलों को देख रहा हूं, जो अब भी पेड़ पर लटके हुए हैं।

कही-सुनी तेजस्वी मेहता

हमारे आसपास कई सूचनाएं ऐसी होती हैं, जिन्हें हर व्यक्ति दोहराता रहता है। हम भी बिना तफ्तीश किए उन्हें सच मान भी लेते हैं, जबकि सच्चाई कुछ और ही होती है।

हर सुनी-सुनाई बात सच नहीं होती...

गिरगिट का रंग बदलना

माना जाता है कि गिरगिट अपने आसपास की प्रकृति व परिवेश में ढलने के लिए रंग बदलता है। किंतु, सच यह है कि गिरगिट अपने शरीर के तापमान को नियंत्रित करने व दूसरे गिरगिटों को संकेत देने के लिए अपना रंग बदलते हैं। वे एक-दूसरे से सम्पर्क साधने तथा शक्ति प्रदर्शन के लिए चमकीले रंग धारण करते हैं, वहीं लड़ाई के समय गहरा रंग अख्तियार कर लेते हैं।

शुतुरमुर्ग का मुंह छिपाना

धारणा यह है कि शुतुरमुर्ग भयभीत होने पर अपना सिर छिपा लेता है, किंतु यह भी निराधार है। शुतुरमुर्ग, अपने छोटे सिर और लम्बी गर्दन का इस्तेमाल जमीन

में गड्ढे खोदने और उनमें भोजन की तलाश के लिए करते हैं। फिर डरने पर शुतुरमुर्ग क्या करते हैं! दौड़ लगाते हैं पूरी ताकत से वो भी 50 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से।

सांड का लाल देखकर भड़कना

जगजाहिर है कि सांड को लाल रंग देखकर गुस्सा आता है, इतना कि वह आपके ऊपर हमला भी कर सकता है। किंतु सच तो यह है कि सांड को रंग दिखाई ही नहीं देते। उसे गुस्सा कपड़े में हो रही हलचल से आता है। सांड के साथ लड़ने वाला व्यक्ति (माटाडोर) उसे लाल रंग का कपड़ा (मुलेता) दिखाता है जिसे हिलाने-डुलाने से सांड क्रोधित होता है। यदि सांड को सफेद रंग का कपड़ा भी ऐसे दिखाएं, तो भी उसकी प्रतिक्रिया ऐसी ही रहेगी।

मंथन डॉ. चीनू अग्रवाल

ऐसे रोकें विचारों की बाढ़

अत्यधिक सोचने की आदत से बाहर निकलना आसान नहीं है, किंतु नामुमकिन भी नहीं है। कभी-कभी अत्यधिक सोचना हमारे स्वभाव में आ जाता है और हम कब विचारों की इस भूल-भुलैया में प्रवेश कर जाते हैं हमें खुद ही पता नहीं चल पाता है। अत्यधिक सोचने की इस प्रवृत्ति से निजात पाने के लिए कुछ मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों और उपायों का सहारा लेना श्रेयस्कर हो सकता है।

पहचानें- सबसे पहले हमें अपनी इस प्रवृत्ति को पहचानना सीखना होगा। जब भी मन उद्विग्न या खिन्न हो तो स्वयं से पूछें- इस वक्त मेरे मन में क्या विचार

चल रहे हैं? विचारों को हो सके तो एक डायरी में लिख लें। इसे विचार-डायरी कह सकते हैं।

जांचें- अब इन विचारों को जांचें। खुद से पूछें- मेरी सोच वास्तव में सच्चाई है या मेरी कल्पना ही है? मेरी सोच के पक्ष-विपक्ष में क्या प्रमाण हैं? ऐसा क्यों और कैसे लगा? क्या अपनी इस 'धुन' को सत्यापित कर सकता हूं? अगर मैं इसी प्रकार विचार करता रहा तो इसके क्या फायदे और नुकसान हैं?

सक्रिय हों- इन विचारों की श्रृंखला को तोड़ने के लिए अपना मन वहां से हटाकर किसी और रोचक गतिविधि में लगाएं। ध्यान रखें, यह गतिविधि सक्रिय हो जैसे कि व्यायाम, योग, रसोई में कुछ बनाना, बागीचे में काम करना, डांस करना, कोई वाद्य बजाना आदि। यह टीवी देखने जैसी निष्क्रिय गतिविधि न हो। विचारों को देख पाना, उन्हें पहचान पाना, उन्हें लिख पाना, उन्हें जांचना, उनसे ध्यान हटा पाना- यह सब सफलतापूर्वक कर पाने के लिए आपको निरंतर प्रयास और अभ्यास की जरूरत पड़ेगी। पर धीरे-धीरे यह आदत बदलने लगेगी और साथ ही साथ आपका मन, आपके रिश्ते और जीवन के प्रति आपका दृष्टिकोण भी तेजी से बदलने लगेगा।

वुमन भास्कर

लोहे के गर्म होने का इंतजार मत करो, बल्कि अपनी तपन के द्वारा इसे गर्म बनाओ। **यानी समय का इंतजार मत करो, खुद ऐसी कोशिश करो कि समय आपके अनुकूल हो जाए।**
-विलियम बी स्प्रेग

परवरिश डॉ. स्वाति दुबे

चाहे मोबाइल का उपयोग हो, इंटरनेट प्राइवेसी हो या निजता की छूट, इन मुद्दों पर टीनएज बच्चों से बात करने के बजाय अक्सर कहासुनी होने लगती है। ऐसे में अभिभावकों को अपने व्यवहार में परिवर्तन लाने की आवश्यकता है, क्योंकि बच्चे भी इस उम्र में परिवर्तन से गुजरते हैं।

कैसे कहें **टीनएजर्स से मन की बात**

टीनएज में बच्चों की प्राथमिकताएं पूर्ण रूप से बदल जाती हैं। यह एक बहुत ही संवेदनशील अवस्था है, जिसमें बच्चों में शारीरिक, मानसिक व भावनात्मक परिवर्तन बहुत तेजी से होते हैं। तकनीक की अतिउपलब्धता के कारण वास्तविक व आभासी दुनिया के अंतर को समझने में असमर्थ हैं। टीनएजर्स के लिए स्वयं से भी अधिक महत्वपूर्ण उनके मोबाइल और दोस्त होते हैं। ऐसे में माता-पिता को टीनएजर्स का मित्र बनकर, उनके करीब जाकर उन्हें आगे बढ़ने में मदद करनी चाहिए। ये कुछ महत्वपूर्ण सुझाव हैं जिससे टीनएज की परवरिश में सहायता मिल सकती है।

1. भरोसा दिलाइए

टीन्स को विश्वास दिलाना होगा कि आपकी बातें हवाई नहीं, बल्कि प्रामाणिक हैं। बच्चों से किसी भी विषय में बात करने से पहले पूरी जानकारी लें। पूरी ईमानदारी के साथ अपनी बात, अपने तथ्य उनके सामने रखें। जिससे उनको विश्वास होगा कि आप आज के समय की सारी जानकारी रखते हैं। ऐसे में वो भी अपनी बातें आपसे साझा करेंगे और आपकी सलाह को महत्व देंगे।

2. बात को सुनिए

अभिभावक होने के नाते अपने बच्चों को सलाह देना, उनको कदम-कदम पर रोकना-टोकना हमारी आदत होती है। इसके बजाय बोलें कम और उनकी बातें ध्यानपूर्वक सुनें। ऐसे में टीन्स किसी समस्या में घिरने पर आपके पास आकर अपनी उलझन रखेंगे, जिसके चलते आप वास्तव में उनकी मदद कर सकेंगे।

3. परवाह दिखाएं

आज अभिभावक भी मोबाइल, सोशल मीडिया, टेलीविजन में अधिक समय व्यतीत करते हैं। ऐसे में टीन्स भी अपनी एक दुनिया बना लेते हैं। अपनी दिनचर्या में एक समय नियत करें- जैसे कि बच्चे के साथ खाना खाएं, उनके साथ टीवी देखें, कुछ समय चहलकदमी करें, साथ में बैठकर दिनभर में आपके साथ क्या हुआ, उनका दिन कैसा रहा आपस में साझा करें। इससे उन्हें पता चलेगा कि आप उनकी कितनी परवाह करते हैं।

4. खुली विचारधारा

टीन्स के साथ खुलकर बात करें। अगर आपकी कोई समस्या हो जैसे कोई तकनीक सम्बंधी समस्या, कार्यस्थल से जुड़ी समस्या आदि उनसे साझा करें, जिससे वो अपना महत्व समझेंगे व आपकी मदद करेंगे। आपका रिश्ता मजबूत होगा। अपना ईगो टीन्स के सामने न लाएं।

5. नियम बनाएं

तकनीकी युग में हर चीज बहुत आसानी से उपलब्ध है। इसलिए घर में आने-जाने का, दोस्तों के साथ समय व्यतीत करने का, सोशल मीडिया उपयोग करने का समय निर्धारण आदि के नियम बनाएं। सोशल मीडिया के फायदे-नुकसान समझाएं। इंटरनेट मनोरंजन के अलावा ज्ञान का भी भंडार है- इसके उदाहरण दें।

6. उम्मीदों का संचार

हर परिस्थिति में दोस्त बनकर भी अभिभावक की सीमा रेखा बनाए रखें। टीनएजर्स का आदर भी करें और उनको आदर करना भी सिखाएं। आपके लिए वो कितने महत्वपूर्ण हैं और आप उनसे कितनी उम्मीद रखते हैं, उनसे साझा करें। उनकी उम्मीदों को भी नजरअंदाज न करें। हर परिस्थिति में आप उनके साथ हैं, उन्हें भरोसा दिलाएं।

7. उनकी तारीफ़ करें

टीनएजर बच्चे के ज्ञान, गुण, लुक्स की समय-समय पर सराहना करें। उनकी सफलता सभी से साझा करें। उनकी विफलताओं, कमियों पर उनके सकारात्मक पहलू उन्हें याद दिलाएं। यह चर्चा उनसे अकेले में करें।

8. प्राइवेसी और स्पेस दीजिए

टीन्स को स्पेस चाहिए होता है। एक सीमा तक टीनएजर्स को यह प्राइवेसी व स्पेस जरूर देना चाहिए। परंतु उसका यह मतलब नहीं है कि आप उन्हें डोरलॉक करने, हर जगह, हर एप पर पासवर्ड रखने की अनुमति दें। उन्हें सही-गलत की सीमा रेखा दोस्ती में समझाएं। उनके साथ ऐसा फ्री जोन विकसित करें कि वो हर तरह की बात आपसे करें। अनावश्यक प्रतिक्रिया न दें।

घरेलू नुस्खे

काजल गुप्ता, आहार विशेषज्ञ

बिना सोचे-समझे खाना मत छोड़िए

कुछ लोग वजन कम करने के लिए कई बार खाना कम खाते हैं। इससे वजन तो कम हो जाता है, लेकिन वह कमजोर भी हो जाते हैं। वे एनोरेक्सिया नर्वोसा (एक तरह का ईटिंग डिसऑर्डर) के शिकार हो सकते हैं। नतीजा यह होता है कि कमजोरी और चक्कर आने लगते हैं, रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। साथ ही मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर होने लगता है। इसलिए ऐसा करने के बजाय आप आहार संबंधी इन बातों को अपना सकते हैं :

- 1-1 चम्मच एपल सीडर विनेगर को सलाद में मिलाकर दोनों समय खाएं।
- सुबह खाली पेट एक गिलास गुनगुने पानी में एक नींबू का रस एक चम्मच शहद के साथ मिलाकर पिएं।
- 3 चम्मच नींबू के रस में आधा ग्राम काली मिर्च का पाउडर और थोड़ा शहद मिलाकर पीना चाहिए।
- रोज़ाना सुबह खाली पेट दो टमाटर खाएं। इससे ज्यादा कैलोरी नहीं ग्रहण करते हैं।

मनोयोग अमृत साधना

मन के बोझ को उतार फेंकिए

रोजाना हम बहुत-सा तनाव इकट्ठा करते जाते हैं। हमारी जीवनशैली में मानसिक रेचन यानी सफाई के लिए कोई जगह नहीं है। इसके लिए ओशो ने सरल विधियां बनाई हैं, जिन्हें करके तनाव-मुक्त हो सकते हैं।

छोटी-छोटी खुशियां

छोटी-छोटी चीजों से खुश होना सीखें। जैसे बारिश के बाद निकली धूप, छोटे बच्चे की मुस्कान, सुबह की पहली चाय की चुस्की, खुश होने के लिए ये लम्हे काफी हैं। उन्हें शब्दों से कहें: यह चाय कितनी अच्छी बनी है या आज धूप बड़ी सुहानी है। खुशियों को शब्द देने से खुशियों का अहसास बढ़ता है।

तनाव की गठरी बाहर छोड़िए

कमरे में आने से पहले अपने दिनभर के सारे तनावों की गठरी बांधकर दरवाजे के पास छोड़ दीजिए। इसका अभिनय करें, सिर्फ सोचें नहीं। प्रतीक के तौर पर एक गठरी बाहर रख सकते हैं। फिर गहरी सांस लें और अंदर आएं। यह कृत्य प्रतीकात्मक ही सही, उससे आपकी भावदशा बदल जाएगी।

कुछ नया करें

हर रोज मशीन की तरह काम करने से लोग ऊब जाते हैं। हर रोज कोई नया काम करिए जो आज तक आपने नहीं किया था। आपकी सजगता बढ़ेगी जैसे कभी लिफ्ट मैन के लिए दरवाजा खोलें, या वॉचमैन से उसके परिवार के बारे में पूछें, या सड़क के किनारे खड़े भिखारी से उसका नाम पूछें। इससे आपको खुशी मिलेगी क्योंकि आप कुछ नया काम कर रहे हैं, थोड़े मानवीय हो रहे हैं।

अपना रिमोट अपने हाथ

अगर कोई भी आपको गुस्सा दिला सकता है या थोड़ी-सी तारीफ से खुश कर सकता है, तो आपका रिमोट दूसरों के हाथ में है। थोड़ा होशपूर्वक देखें कि दूसरों के कमेंट को कितना महत्व दें। अपना रिमोट अपने हाथ में लें।

जब भी समय मिले, आंखें बंद करके हृदय में श्वास को ले जाएं। जैसे ही सांस पहुंचेगी आप सुकून महसूस करेंगे। ऐसा 10 मिनट करें।

दीवार से कह दें मन के विचार

जब विचारों का बोझ बहुत ज्यादा लगे तो एक कमरे में जाएं और दीवार की तरफ मुंह करके बैठ जाएं। मान लें कि दीवार कोई आदमी है जिससे आप बात कर रहे हैं। फिर जो भी मन में आए दीवार के सामने कह दें। दस मिनट तक सारी भड़ास निकाल लें। आप हल्के हो जाएंगे। उसके बाद आंखें बंद कर शांति से बैठ जाएं। बाहर आएंगे तो दूसरे ही व्यक्ति होंगे।

सेहत-मंत्र डॉ. योगिता परिहार

ताकि आईवीएफ के बाद **न बिगड़े स्वास्थ्य...**

कई महिलाओं को आईवीएफ के बाद कुछ स्वास्थ्य समस्याएं होने लगती हैं जैसे वजन बढ़ना, हृदय संबंधी समस्याएं आदि। ऐसे में गर्भावस्था के दौरान किन बातों का ध्यान रखा जाए कि इन स्वास्थ्य संबंधी खतरों से बचा जा सके, जानिए।

संतुलित और पोषक भोजन- आईवीएफ के बाद ऐसे भोजन का सेवन करें, जिसमें सभी पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में हों। सब्जियों, फलों, दूध व अन्य डेयरी उत्पाद, दाल आदि का सेवन अधिक मात्रा में करें। तैलीय, मिर्च-मसाले और जंक फूड से परहेज करें। थोड़ा-थोड़ा कर के खाएं, हर दो घंटे में कुछ खाती रहें। रोजाना 3-4 लीटर पानी पिएं। खाने के बाद थोड़ी देर टहल लें, इससे उल्टी, कब्ज, एसिडिटी आदि नहीं होगी। खाना भी अच्छे से पच जाएगा।

व्यायाम - नियमित रूप से एक्सरसाइज करें, वॉक करें, स्ट्रेचिंग, एरोबिक्स या योग भी कर सकती हैं, लेकिन इन्हें करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह लें।

आराम- 7-8 घंटे की नींद लें। दोपहर में थोड़ी देर झपकी भी लें। तन-मन को स्वस्थ रखने के लिए आराम जरूरी है।

क्या न करें

बेड रेस्ट-आईवीएफ कराने के बाद कई महिलाएं सोचती हैं कि उन्हें बेड रेस्ट करना चाहिए नहीं तो गर्भपात हो जाएगा। यह पूरी तरह गलत है। इसलिए जब तक डॉक्टर विशेष हिदायत न दे, बेड रेस्ट नहीं करना चाहिए।

तनाव न लें - आप तनाव से जितना बचेंगी, गर्भावस्था के दौरान उतनी कम समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। खुश रहें, ध्यान करें या अपना कोई शौक पूरा करें।

कैफीन के सेवन से बचिए

चाय या कॉफी भी दिन में दो कप से ज्यादा न पिएं। इन चीजों का सेवन बच्चे के विकास को प्रभावित करता है और कुछ मामलों में गर्भपात का खतरा बढ़ जाता है।

ध्यान रखें

कोई भी चिकित्सा सम्बंधी कार्य ऐसा नहीं होता, जिससे कुछ जोखिम न जुड़े हों। आईवीएफ के पश्चात सांस फूलना, उल्टी होना, पेट दर्द, कुछ ही दिनों में 5 किलो तक वज़न बढ़ना, पेट फूलना जैसे साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। ऐसे कोई भी लक्षण दिखाई दें तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।

अपने शहर की रियल टाइम खबरें पढ़ने के लिए डाउनलोड करें दैनिक भास्कर ऐप

अयाज मेमन की कलम से...
ayazmamon80@gmail.com

टी20 वर्ल्ड कप की टीम चुनना बड़ा सिरदर्द होगा

भारतीय क्रिकेट का घरेलू सीजन बेहतरीन रहा है। टीम इस साल लगातार सात मैच जीत चुकी है। हालांकि, इस तरह की अप्रत्याशित सफलता ने सलेक्टर्स और टीम प्रबंधन के लिए परेशान करने वाले मुद्दों को जन्म दिया है। मुद्दा खिलाड़ियों की फिटनेस से जुड़ा है। पिछले 12 महीनों से टीम का शेड्यूल काफी व्यस्त रहा है, जो बल्लेबाजों और गेंदबाजों को समान रूप से प्रभावित कर रहा है। इससे सलेक्टर्स के साथ-साथ द्रविड़ और रोहित के सामने वनडे और टी20 की एक कोर टीम बनाने की चुनौती आ गई है।

रोहित ने चोट के कारण द. अफ्रीका का दौरा छोड़ दिया था। घरेलू सीजन शुरू होने पर रोहित फिट थे और उन्होंने सभी मैच खेले। लेकिन चोट के कारण खिलाड़ियों के बाहर होने की सूची काफी बढ़ गई है, जिससे मैनेजमेंट काफी चिंतित है। जडेजा वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज नहीं खेल सके। राहुल एक-दो मैच के बाद बाहर हो गए। पिछले हफ्ते सूर्यकुमार, दीपक चाहर और रुतुराज भी श्रीलंका सीरीज से बाहर हुए। सूर्या और चाहर बेहतरीन फॉर्म में थे। श्रीलंका सीरीज के बाद साल के पहले हाफ में कोई इंटरनेशनल मैच नहीं है। लेकिन आईपीएल में खिलाड़ियों के प्रदर्शन को वर्ल्ड कप की दावेदारी माना जा सकता है। इसका मतलब है कि उन पर शारीरिक और मानसिक दबाव बढ़ेगा, जिससे उनके ब्रेकडाउन होने की संभावना भी बढ़ेगी।

भारत का टैलेंट पूल काफी बड़ा है। प्लेइंग इलेवन में हर पोजीशन के लिए कई विकल्प हैं। छह ओपनर, छह मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाज, 4 विकेटकीपर बल्लेबाज, 6-7 तेज गेंदबाज, 5-6 स्पिनर और 3-4 ऑलराउंडर तो नजर आ ही रहे हैं। 6-8 खिलाड़ी ऐसे भी हैं, जो आईपीएल के बाद टीम में जगह पाने के हकदार हो सकते हैं। यह दर्शाता है कि सलेक्टर्स और टीम मैनेजमेंट के लिए अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम चुनना कितना बड़ा सिरदर्द बन सकता है।

रोहित, राहुल, विराट, पंत, बुमराह की जगह पक्की है, लेकिन बाकी स्थान खुले हुए हैं। बेहतरीन फॉर्म और अच्छी फिटनेस वाले खिलाड़ी ही जगह बना सकेंगे।

हॉकीः जुलाई-अगस्त में होने वाले बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में बी टीमें भेजेगा भारत

नई दिल्ली| भारत 28 जुलाई से होने वाले बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में हॉकी की बी टीमें भेजेगा। ऐसा इसलिए क्योंकि कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स के बीच में ज्यादा अंतर नहीं है। हेंगजोऊ एशियन गेम्स पेरिस ओलिंपिक 2024 का क्वालिफायर है। ऐसे में भारत नहीं चाहता कि सीनियर खिलाड़ी कॉमनवेल्थ में थक जाएं। हॉकी इंडिया के अधिकारी ने कहा, 'हम कॉमनवेल्थ के लिए अपनी इंडिया ए टीमें भेजेंगे।'

प्रो कबड्डी लीग • दबंग दिल्ली ने 3 बार के विजेता पटना पाइरेट्स को एक अंक से हराकर पहली बार खिताब जीता था

चैंपियन दिल्ली की टीम फाइनल के पहले पूरी रात सो नहीं पाई थी; नवीन चोटिल होने के बावजूद खेले थे

नवीन सीजन के आठवें मैच के बाद चोटिल हो गए थे

शेखर झा | बेंगलुरू

दबंग दिल्ली ने शुक्रवार रात प्रो कबड्डी लीग का टाइटल पहली बार अपने नाम किया। आठवें सीजन के खिताबी मुकाबले में दबंग दिल्ली ने तीन बार के चैंपियन पटना पाइरेट्स को 37-36 से हराकर खिताब जीता था। टीम स्टार रेडर नवीन कुमार की गैरमौजूदगी में सेमीफाइनल तक पहुंची थी, क्योंकि नवीन सीजन के आठवें मैच के बाद चोटिल हो गए थे। आराम के लिए उनको मैच से दूर होना पड़ा। उनका बायो-बबल में रहते हुए इलाज भी हुआ। सेमीफाइनल तक वे पूरी तरह फिट नहीं हो पाए थे। इसके बावजूद भी वे सेमीफाइनल और फाइनल में खेलने उतरे थे। 2018 से दिल्ली के लिए खेल रहे नवीन मैच के दौरान भी असहज महसूस कर रहे थे, लेकिन वे मैच से नहीं हटे। नवीन ने बताया, 'मैच के दौरान आप जब सामने वाली टीम के हेड को टारगेट करते हैं तो पूरी टीम पर दबाव बढ़ जाता है। मैंने रणनीति के तहत फाइनल में अटैकिंग शुरुआत की। यही वजह है कि हम टाइटल जीत सके।' नवीन ने सीजन में 200 रेड अंक भी पूरे किए। उन्होंने 42 बार सुपर-10 पॉइंट लिए। वहीं, दिल्ली के कप्तान जोगिंदर नरवाल ने कहा, 'मौजूदा सीजन के फाइनल में लीग की सबसे सफल टीम पटना थी। इसके बाद कोई दूसरा मैच नहीं होना था। इसलिए हमारे सभी खिलाड़ियों ने खिताबी मुकाबले में अपना 100% दिया और चैंपियन भी बने। इस खिताब के लिए पिछले दो सालों में कोच ने बहुत मेहनत कराई थी। टीम में सभी वही खिलाड़ी थे।'

नवीन (दाएं) ने सीजन में 200 रेड अंक भी पूरे किए। वहीं, विजय के 162 रेड अंक हैं। दोनों दिल्ली के टॉप रेडर हैं।

दिल्ली के कोच ने कहा- पटना का डिफेंस अच्छा माना जाता है, पर फाइनल में फेल रहा

दिल्ली टीम के कोच कृष्ण कुमार हुड्डा ने कहा, 'पटना के डिफेंस को सबसे अच्छा माना जाता है। हालांकि फाइनल में उनका डिफेंस अच्छा नहीं रहा। हमारी यही रणनीति थी कि नवीन और विजय को अपना बेस्ट करना होगा। नवीन के इंजरी होने के बाद इस मुकाम तक आना टीम के लिए अच्छा रहा। नवीन को जब भी इंजरी हुई है तो विजय ने पूरा जिम्मा अपने उपर ले लिया। जिस वजह से हम खिताब जीत सके। दोनों ने जितने मैच खेले, सबसे ज्यादा रेड अंक बनाए।' उन्होंने कहा, 'हालांकि, फाइनल के पहले टीम के खिलाड़ी

पूरी रात नहीं सोए। करीब 11 बजे मैंने मैनेजर को भेजकर चेक करवाया कि कहीं कोई जागा हुआ तो नहीं है। हालांकि मुझे भी पूरी रात नींद नहीं आई थी।'

नडाल ने वर्ल्ड नंबर-1 मेदवेदेव को हराया

तीन बार के चैंपियन नडाल पांचवीं बार फाइनल में

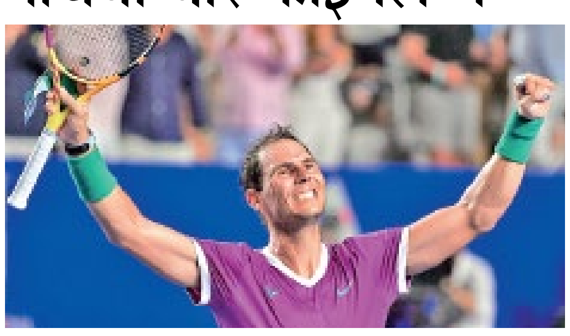

एजेंसी | अकापुल्को

स्पेन के टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल पांचवीं बार मैक्सिकन ओपन के फाइनल में पहुंच गए हैं। चौथी सीड नडाल ने रूस के डेनियल मेदवेदेव को लगातार सेट में हराया। तीन बार के पूर्व चैंपियन नडाल ने वर्ल्ड नंबर-1 मेदवेदेव को 6-3, 6-3 से मात दी। नडाल ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में भी मेदवेदेव को पांच सेट में हराकर अपना 21वां ग्रैंड स्लैम जीता था। वे इस साल एक भी मैच नहीं हारे हैं। उन्होंने 14 मैच जीते हैं। नडाल खिताबी मुकाबले में ब्रिटेन के कैमरुन नोरी से भिड़ेंगे। छठी सीड नोरी ने ग्रीस के वर्ल्ड नंबर-4 स्टीफानोस सितसिपास को 6-4, 6-4 से हराया। नोरी ने पिछले हफ्ते डेलरे बीच ओपन खिताब जीता था।

टेस्टः न्यूजीलैंड के कोलिन ग्रैंडहोम की 36 गेंद में फिफ्टी

न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 91 पर पांच विकेट गंवा दिए थे

भास्कर न्यूज | क्राइस्टचर्च

कोलिन डि ग्रैंडहोम (54*) ने डेरिल मिचेल (29*) के साथ छठे विकेट के लिए 66 रन की साझेदारी कर दूसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड की पारी संभाली। न्यूजीलैंड ने दूसरे दिन लाथन (0) का विकेट सिर्फ 4 रन पर गंवा दिया था। विल यंग भी मात्र 3 रन बनाकर टीम के 9 रन के स्कोर पर पवेलियन लौट गए। न्यूजीलैंड ने 91 रन तक 5 विकेट गंवा दिए थे। ग्रैंडहोम और मिचेल ने पारी संभाली। ग्रैंडहोम ने 36 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक यही दोनों खिलाड़ी क्रीज पर थे। इससे पहले, द. अफ्रीका के डुसेन और बावुमा ने पहले दिन के स्कोर 238/3 से आगे खेलना शुरू किया। द. अफ्रीका की दूसरी पारी 364 रन पर खत्म हुई।

2 मार्च से चेन्नई की टीम का कैंप शुरू होगा

चेन्नई का ट्रेनिंग कैंप सूरत में, यहां की पिच मुंबई जैसी

भास्कर न्यूज | सूरत

चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान एमएस धोनी अपने टेक्टिकल स्मार्ट मूव और मौके पर फैसले लेने के लिए जाने जाते हैं। आईपीएल का 15वां सीजन शुरू होने से पहले एक बार फिर धोनी ने अपने मास्टर-मूव से सभी को चौंका दिया है। जैसे ही बीसीसीआई ने महाराष्ट्र में आईपीएल के लीग मैच के आयोजन की पुष्टि की, वैसे ही सीएसके ने अपने ट्रेनिंग कैंप को चेन्नई से सूरत शिफ्ट करने का फैसला किया। टीम का 20 दिन का ट्रेनिंग कैंप सूरत में होगा। हाल ही में सूरत के लालभाई कॉन्ट्रैक्टर स्टेडियम में पिच उसी मिट्टी की बनाई गई हैं, जिस मिट्टी से मुंबई की पिच बनी हैं। जैसे ही धोनी को इसका पता चला, उन्होंने तुरंत

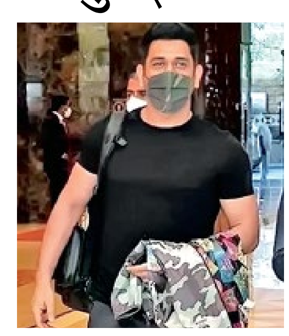

अपना ट्रेनिंग बेस चेन्नई से सूरत शिफ्ट कर दिया। टीम का प्रैक्टिस कैंप 2 मार्च से शुरू होगा। टीम के सभी खिलाड़ी कड़े बायो-बबल में रहेंगे। फैंस को प्रैक्टिस सेशन और मैच देखने की अनुमति होगी। आईपीएल 26 मार्च से 29 मई तक खेला जाएगा। सभी 70 लीग मैच मुंबई और पुणे में खेले जाएंगे। प्लेऑफ के वेन्यू तय नहीं हुए हैं।

स्पोर्ट्स ब्रीफ

प्रो हॉकी लीग में भारतीय महिला टीम की लगातार तीसरी जीत, स्पेन को 2-1 से हराया

भुवनेश्वर| प्रो हॉकी लीग में भारतीय महिला टीम ने लगातार तीसरी जीत दर्ज की। भारत ने स्पेन को 2-1 से हराया। टीम शुरुआत में एक गोल से पिछड़ गई थी। ज्योति ने 20वें मिनट में गोल कर भारत को बराबरी दिलाई। नेहा ने 52वें मिनट में गोल कर भारत को 2-1 से मैच जिता दिया। स्पेन से दूसरा मैच रविवार को होगा। भारत ने जनवरी-फरवरी में चीन को दो मैच में हराया था।

मॉस्को में नहीं होगा चेस ओलिंपियाड, भारत इसकी मेजबानी करने की योजना बना रहा

चेन्नई| यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद शतरंज की वर्ल्ड बॉडी फीडे ने रूस से शतरंज ओलिंपियाड की मेजबानी छीन ली हैं। इसके बाद ऑल इंडिया चेस फेडरेशन (एआईसीएफ) ने कहा कि भारत इस साल होने वाले 44वें चेस ओलिंपियाड की मेजबानी कर सकता है। ओलिंपियाड में 190 देश हिस्सा लेते हैं। एआईसीएफ ने कहा, 'हम ओलिंपियाड के लिए बोली लगा रहे हैं।'

फरवरी में मई-जून जैसी आंधी... क्योंकि इस बार सर्दी में प्रदेश में 5 से ज्यादा लोकल चक्रवात; यह बदलाव मानसून को कमजोर करेगा

हिमांशु शर्मा
वरिष्ठ वैज्ञानिक मौसम विभाग, जयपुर

राजस्थान में जलवायु परिवर्तन का चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है। पहली बार अक्टूबर से फरवरी तक 5 से ज्यादा लोकल चक्रवात बने हैं। अमूमन ये एक से दो बार बनते हैं, जिससे मावठ होती है। इस बार इनकी संख्या बढ़ने का सबसे बड़ा असर है कि दो महीने पहले ही फरवरी में मई-जून की तरह धूलभरी आंधी चलना शुरू हो गई है। समय से पहले आया यह परिवर्तन मानसून को प्रभावित कर सकता है। यानी मानसून में देरी होने व कम बारिश की परिस्थिति बन सकती है। यही वजह है कि झुंझुनूं, सीकर और चूरू में मई-जून की तरह 3 दिन से धूलभरी तेज हवा का दबाव बना हुआ है। हवा का रुख पश्चिमी है। तापमान में उतार-चढ़ाव के साथ सर्दी गायब हो गई है। रात को भी मौसम सामान्य है। बाकी शहरों में भी रात का पारा 15 डिग्री से ऊपर है। कोटा में तो यह 20.9 डिग्री तक पहुंच गया है। मौसम में आए बदलाव की हकीकत जानने के लिए जयपुर मौसम विभाग के विशेषज्ञों ने रिसर्च शुरू किया है। ज्यादातर सितंबर में दो से ज्यादा चक्रवात नहीं बनते हैं। इस बार 4 से 5 बार चक्रवात बने हैं। यानी हर सप्ताह नए चक्रवात का असर रहा। ऐसा अप्रैल, मई व जून में होता है। -जैसा सुरेंद्र चिराना को बताया

सीकर | आंधी चलने से गिरे पेड़ों के पत्ते।

भास्कर इन्वेस्टिगेशन • आमतौर पर सर्दियों में दो से अधिक लोकल चक्रवात नहीं बनते... अब जयपुर मौसम विभाग ने शुरू की रिसर्च

कारण : देरी तक मानसून रहने से नमी बढ़ी, इससे चक्रवात मजबूतः सामान्य तौर पर मानसून 15 जून से 15 सितंबर तक रहती है। इस बार 15 अक्टूबर तक बारिश होती रही। इससे वातावरण में नमी का स्तर 100% गया। असर फरवरी तक है। इससे पश्चिम से आने वाली शुष्क हवाओं को चक्रवात के रूप में बदल दिया। सामान्य रूप से समझें तो नमी मिलने से चक्रवाती हवा बादलों का रूप लेने लगती है। इससे तेज अंधड़, उमस, तापमान में उतार-चढ़ाव व बारिश की संभावना बनती है। ▪ **चक्रवात के दौरान उत्तरी-पूर्वी हवा का दबाव ज्यादा हुआ तो बारिश की संभावना रहेगी। मौसम शुष्क रहने के साथ दक्षिणी-पश्चिम से आने वाली हवा का दबाव ज्यादा रहा तो अंधड़ आता है।**

कोरोना से उबरी ही थी, अब रूस-यूक्रेन युद्ध से टैक्सटाइल इंडस्ट्री पर संकट

यूरोप में टैक्सटाइल निर्यात रुका, युद्ध लंबा चला तो ₹5000 करोड़ पर असर

भास्कर न्यूज | भीलवाड़ा

विश्व के 65 से ज्यादा देशों में कपड़ा व यार्न एक्सपोर्ट करने वाली टेक्सटाइल सिटी भीलवाड़ा यूक्रेन व रूस युद्ध से चिंतित है। कोरोना से उबर रहे कपड़ा उद्योग पर इस युद्ध का असर आने लगा। सबसे ज्यादा असर पोलैंड व टर्की के एक्सपोर्ट मार्केट पर पड़ा है। हालांकि भीलवाड़ा से रूस व यूक्रेन में कपड़ा या यार्न सीधे एक्सपोर्ट नहीं होता है। लेकिन टर्की के मार्फत यूक्रेन में यहां का कपड़ा एक्सपोर्ट होता है।

एक्सपोर्टर गिरिराज अजमेरा के अनुसार, युद्ध लंबा चला तो टर्की, पोलैंड, जर्मनी, इटली आदि में यार्न व कपड़े का एक्सपोर्ट रुक सकता है। भीलवाड़ा की एक कंपनी का पोलैंड में अपना ऑफिस भी है। रूस व यूक्रेन से पोलैंड की सीमा लगी हुई है, जिस पर सैनिक तैनात होने से लॉकडाउन जैसे हालात हैं। इस युद्ध से अभी बड़ा असर नहीं आया, लेकिन पेट्रोलियम उत्पादों के दाम बढ़ सकते हैं। फायबर व पॉलिस्टर फायबर महंगा होने से कपड़ा इंडस्ट्री पर मार पड़ सकती है। करीब 20 हजार करोड़ सालाना के टेक्सटाइल कारोबार में 5 हजार करोड़ सालाना कारोबार एक्सपोर्ट का है। इसमें कपड़ा व यार्न दोनों शामिल है।

पोलैंड तक में लॉकडाउन जैसे हालात, ऑर्डर रुके

युद्ध लंबा चलता है तो क्रूड के दाम बढ़ेंगे और फायबर महंगा होगा। पोलैंड में हमारा भी कारोबार है। एक तरह से वहां अभी लॉकडाउन जैसे हालात हैं। व्यापारियों के बीच बिजनेस डील रुकी हैं। वहां वूलन ज्यादा उपयोग होता है, यार्न का एक्सपोर्ट होता है।
- अनिल मानसिंहका, एमडी, शारदा ग्रुप

रूस व यूक्रेन में हमारा सीधा व्यापार नहीं है। टर्की में बड़ा मार्केट है। जो ऑर्डर मिले थे, वे कैंसिल तो नहीं हुए, पर युद्ध लंबा चला तो पूरे यूरोप के एक्सपोर्ट पर असर आएगा।
- डॉ. एसएन मोदानी, एमडी, संगम ग्रुप

इधर, पोलैंड बॉर्डर पर माइनस 4° में फंसे प्रदेश के स्टूडेंट, 3 दिन से भूखे... चारों ओर धमाके की गूंज

जयपुर/छोटीसादड़ी (पाली) | जयपुर के सिद्धार्थ और पाली के छोटीसादड़ी निवासी भाई बहन मेघना और मेहुल राठौड़ माइनस 4 डिग्री तापमान में पोलैंड पर फंसे हैं। यहां करीब 50 किमी लंबा जाम है। 3 दिनों से खाने को नहीं मिला है। चारों तरफ धमाकों की आवाज सुनाई दे रही है। मेघना-मेहुल के परिजनों ने भारत वापसी को लेकर सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना से गुहार लगाई है। वहीं जयपुर निवासी सिद्धार्थ गत सितंबर को वेटरनरी की पढ़ाई करने यूक्रेन गया था।

यूक्रेनी सैनिक बोले- आपकी सरकार ने हमारी मदद नहीं की

जयपुर के सिद्धार्थ।

छोटीसादड़ी की मेघना व मेहुल।

मेघना करीब 5 साल से यूक्रेन में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही है। मेहुल हाल ही वहां गया था और एमबीपीएस फर्स्ट ईयर का स्टूडेंट है। शनिवार दोपहर 3 बजे मेघना ने बताया कि यूक्रेन के सेवा के जवानों ने उनसे कहा कि आप की सरकार हमारी मदद नहीं कर रही, इसलिए हम आपकी मदद नहीं करेंगे। शनिवार दोपहर में टरनोफिल मेडिकल यूनिवर्सिटी के पास बम ब्लास्ट हुआ, जहां यह बच्चे मेडिकल की पढ़ाई कर रहे थे।

यूपीएससीः यूजी में ह्यूमैनिटीज-साइंस की सक्सेस रेट बढ़ गई और मेडिकल-इंजीनियरिंग वाले पिछड़े

देवपालिक गुप्ता | जयपुर

संघ लोकसेवा आयोग (यूपीएससी) सिविल सर्विसेज परीक्षा में स्नातक (यूजी) में ह्यूमैनिटीज और साइंस लेने वाले उम्मीदवारों का चयन प्रतिशत बढ़ा है। जबकि, मेडिकल और इंजीनियरिंग वालों की सफलता दर घटी है। यूपीएससी की वार्षिक रिपोर्ट 2020-21 के मुताबिक हायर डिग्री वालों में मेडिकल साइंस के उम्मीदवारों का चयन बढ़ा है। ओवरऑल बैचलर डिग्री वाले उम्मीदवारों की सक्सेस रेट 38.7% और इससे उच्च शिक्षा वाले उम्मीदवारों की सक्सेस रेट 44.2% रही। सीएसई 2019 में 11,35,261 आवेदक थे। 5,68,282 प्री में बैठे और 11,845 का चयन मेंस के लिए हुआ। यूपीएससी देने वाली छात्राओं में 10% पहले प्रयास में सेलेक्ट हो जाती हैं। जबकि लड़कों के मामले में आंकड़ा 7% है। दूसरे प्रयास में 16.8%, तीसरे प्रयास में 22.7% लड़कियां सेलेक्ट हुईं। पुरुषों में यह आंकड़ा क्रमशः 16.4 व 18.8 % है। इस मामले में भी लड़कियां आगे हैं।वर्ष 2019 में प्री में बैठी कुल छात्राओं में से 35 फीसदी की उम्र 21 से 24 वर्ष थी। इनमें से 17.3% का अंतिम चयन हुआ। जबकि लड़कों में इस उम्र के 26.8% थे और अंतिम चयन 15.8% का हुआ। 24 से 26 वर्ष आयु वर्ग के 22.6% पुरुष व 23.6% महिला प्री में बैठीं।

क्षेत्रीय भाषा में इंटरव्यू देने वाले घटे... अंग्रेजी में बढ़े

हिंदी समेत क्षेत्रीय भाषाओं में साक्षात्कार देने वाले उम्मीदवार घटे हैं। 2019 में 2302 ने इंटरव्यू दिया। इनमें 206 (8.94%) ने हिंदी या क्षेत्रीय भाषा चुनी। 2019 में हिंदी में 179 ने साक्षात्कार दिया, जबकि एक साल पहले आंकड़ा 204 था। वहीं 2018 में 1992 में से 250 (12.55%) ने क्षेत्रीय भाषाओं में साक्षात्कार दिया।

तेलंगानाः विमान क्रैश, महिला ट्रेनी पायलट की मौत

हैदराबाद| तेलंगाना के नलगोंडा जिले में शनिवार को निजी विमानन अकादमी का एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें एक महिला प्रशिक्षु पायलट की मौत हो गई। एक अधिकारी ने बताया कि पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश की ओर से आया विमान दिन में एक गांव में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। महिला प्रशिक्षु पायलट की मौके पर ही मौत हो गई। नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि जांच के लिए टीम को भेजा गया है।

रूस Vs यूक्रेन युद्ध

यूक्रेन में रूसी हमले के तीसरे दिन 10 लाख लोगों का पलायन, कीव पर भारी बमबारी जारी

तबाह कीव में शनिवार को रूसी मिसाइल हमले के बाद क्षतिग्रस्त इमारत।

सेवा यूक्रेन सीमा पर सिख समुदाय की ओर से लंगर लगाया गया।

तख्तापलट के लिए रूस के 4 मोहरे

यूक्रेन में सत्ता बदलवाकर इन्हीं चार में से किसी एक को राष्ट्रपति बनाएंगे पुतिन

लंदन/मॉस्को

रूसी सेनाओं ने कीव की घेराबंदी कर ली है। रूस ने यूक्रेनी सेनाओं को हथियार डालने की नसीहत दी है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन में राष्ट्रपति जेलेंस्की की सरकार का तख्तापलट कर कठपुतली सरकार बैठाएंगे। ब्रिटिश खुफिया एजेंसियों के अनुसार रूस के समर्थक रहे यूक्रेन के कुछ नेता और पूर्व सैन्य अधिकारी रूसी कठपुतली बनेंगे। यूक्रेन के गठन के लगभग तीन दशक के दौरान रूस समर्थक कई प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति पदासीन रहे हैं। यूक्रेन के डोनबास क्षेत्र में रूस का पूर्ण समर्थन है। ये सब बातें रूस के पक्ष में हैं। ऐसे में रूस ने यूक्रेन की सियासी बिसात पर अपने मोहरों को बैठाने की तैयारी तेज कर दी है।

भास्कर इनसाइट

एक दावेदार का अपना टीवी चैनल

1 येवहेन मुरायेव

यूक्रेन में सांसद रह चुके हैं। यूक्रेन में रूस समर्थक चैनल को चलाते हैं। इनका काफी समय रूस में गुजरता है। रूस ने यूक्रेन पर हमला किया है और मुरायेव इन दिनों कैरिबियाई द्वीप में छुट्टियां मना रहे हैं। वैसे मुरायेव खुद को यूक्रेन की सत्ता का दावेदार नहीं बता रहे हैं।

2 आंद्रेय क्लूयेव

यूक्रेन के बड़े बिजनेसमैन हैं। 2010 से 2012 तक यूक्रेन के फर्स्ट डिप्टी पीएम रहे हैं। रूस समर्थक पूर्व यूक्रेनी राष्ट्रपति यानूकोविच के चीफ ऑफ स्टाफ रह चुके हैं। अलगाववादी डोनस्टक की काउंसिल में भी रहे हैं। पुतिन के घोर समर्थक। रूस में आते-जाते हैं।

3 शेर्री अरबुजोव

2012 से 2014 के दौरान यूक्रेन के फर्स्ट डिप्टी पीएम रहे। कार्यवाहक पीएम भी रहे। 2014 में रूस द्वारा क्रीमिया पर किए गए हमले के दौरान पुतिन की आलोचना करने से बचते रहे। यूक्रेन में उनका विरोध भी हुआ। अभी ब्रिटेन द्वारा लगाए प्रतिबंधों की सूची में शामिल हैं।

4 मायकोला अजारोव

2010 से 2014 के दौरान यूक्रेन के पीएम रहे। अपनी से सोवियत जड़ों पर काफी गर्व करते हैं। पीएम पद से हटने के बाद अब रूस में ही रहते हैं। यूक्रेन के बारे में रूसी खुफिया एजेंसियों और विदेश मंत्रालय को सूचनाएं देते रहते हैं। वर्तमान यूक्रेनी सरकार के आलोचक हैं।

पुतिन यूरोप में यूक्रेन पर ही नहीं थमेंगेः रिपोर्ट

रूस की नजर फिनलैंड और स्वीडन पर भी

एक खुफिया रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन यूरोप में यूक्रेन पर हमले के बाद ही नहीं थमेंगे। यूक्रेन पर हमला पुतिन की यूरोप के उन देशों को चेतावनी है जो अमेरिकी नेतृत्व वाले नाटो के साथ गठबंधन के विचार में हैं। रिपोर्ट के अनुसार पुतिन का अगला निशाना उसके पड़ोसी देश फिनलैंड और स्वीडन हो सकते हैं। इन दोनों देशों पर रूस आने वाले समय में हमला कर सकता है। ये दोनों ही देश नाटो में शामिल होने के बारे में पिछले कुछ समय से कोशिशों में हैं। रूसी विदेश मंत्रालय का कहना है कि उसके देश की सरहदों के पास नाटो सेनाओं का जमावड़ा कतई बर्दाश्त नहीं है।

थर्मोबम रूस का मारक अस्त्र

यूक्रेन पर रूस अब थर्मोबम हमले की तैयारी कर रहा है। इसका इस्तेमाल अमेरिका ने 2017 में अफगानिस्तान में तालिबान पर किया था। इसे अमेरिका औरा सोवियत संघ ने 1960 के दशक में विकसित किया था। सितंबर 2007 में रूस ने सबसे बड़ा थर्मोबम बनाया था। इसके जरिए 39.9 टन के बराबर विस्फोट किया जा सकता है।

भारत से रुपए में ट्रेड की तैयारी

अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद रूस अब भारत के साथ कारोबार के लिए रुपया तंत्र विकसित करने की तैयारी कर रहा है। ताकि नुकसान को कम किया जा सके और भारत को कारोबार का मौका मिल सके। इसके लिए रूस के बैंकों और कंपनियों को भारतीय बैंक में खाता खोलने की मंजूरी मिल सकती है, ताकि ट्रेड सेटलमेंट हो सके।

रूसी बुजुर्ग युद्ध के पक्ष में, जबकि युवा कर रहे विरोध

भास्कर ग्राउंड रिपोर्ट

मॉस्को से अनिल जनविजय

यूक्रेन में रूस की सेना की कार्रवाई को लेकर उम्र के हिसाब से लोग बंटे हुए हैं। बड़ी उम्र वाले ज्यादातर रूसी युद्ध का समर्थन कर रहे हैं। लेकिन सोवियत संघ के पतन बाद रूस में पैदा हुई पीढ़ी इस युद्ध का पूरी तरह से विरोध कर रही है। हालांकि इन युवक-युवतियों में भी बहुत से ऐसे भी हैं जो यूक्रेन को सबक सिखाने के लिए युद्ध को गैर जरूरी मानते हैं। 19 साल के व्लादिमीर का कहना है कि यूक्रेन के डोनबास को मान्यता देना ठीक है लेकिन यूक्रेन पर युद्ध ठीक कार्रवाई नहीं है। 24 साल की अल्योना का कहना है, यूक्रेन के घरेलू मामलों में दखल देना ठीक नहीं, जो धन इस बेकार के युद्ध में बरबाद किया जाएगा, उसे रूस की खुशहाली के लिए खर्च किया जाना चाहिए था। बीए फाइनल की छात्रा वलेरिया मैंने कल शाम को हुए युद्ध-विरोधी उस प्रदर्शन में भी हिस्सा लिया। आन्ना नाम की एक अधेड़ महिला ने कहा- हमने द्वितीय विश्व युद्ध में यूक्रेन का साथ दिया था। यूक्रेन को हिटलर के कब्जे से आजाद कराया। लेकिन अब यूक्रेन पश्चिमी फासिस्टों के साथ है। यूक्रेन के शासक अब वहां रहने वाले रूसियों का दमन कर रहे हैं। इसके लिए सैन्य कार्रवाई भी जरूरी है। 70 साल की अन्तोन का कहना है कि यूक्रेन के सत्ताधारी राष्ट्रवादियों को सबक सिखाना जरूरी था, लेकिन फिर भी यदि युद्ध टाला जाता तो बेहतर ही रहता। 83 साल के पूर्व सैन्य अफसर रूसलान ने रूसी सेना की कार्रवाई को पूरी तरह से उचित ठहराया और कहा कि दुश्मन को घुटनों के बल बैठाकर ही सबक सिखाया जा सकता है। आज के यूक्रेन के शासकों को सबक सिखाने के लिए पुतिन ने एकदम ठीक कदम उठाया है। रूस की 62 फीसदी आबादी 50 साल की उम्र से ज्यादा की है।

आपके लिए जानना जरूरी है

कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न होने पर क्या करें

उत्पीड़न की शिकायत आंतरिक समिति से 3 महीने के भीतर करें

कार्यस्थल पर सहकर्मी द्वारा किसी भी अनुचित इशारा, मजाक, सुझाव, पक्ष या यौन एहसान के बदले में पदोन्नति या मौद्रिक लाभ के लिए कोई प्रस्ताव यौन

उत्पीड़न कहा जा सकता है। ऐसी घटना किसी भी महिला के साथ हो सकती है। घरों में काम करने वाली महिलाएं भी इस दायरे में आती हैं। **सुप्रीम कोर्ट के वकील और मानवाधिकार विशेषज्ञ मनोज श्रीवास्तव** बता रहे हैं कि कार्यस्थल पर उत्पीड़न की शिकायत कैसे और कहां करें...

- **कार्यस्थल पर उत्पीड़न से जुड़ा कौन सा कानून है?** जी हां, 2013 में, कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम ऐसी घटनाओं पर जांच रखने के लिए लागू किया गया

था। त्वरित व प्रभावी निवारण के लिए पॉश (यौन उत्पीड़न की रोकथाम) दिशा-निर्देशों को तैयार किया गया था। इनका पालन करना प्रत्येक संगठन के लिए जरूरी है।

- **ऐसी घटनाओं की रिपोर्टिंग कैसे होती है?** पॉश अधिनियम के तहत शिकायत के लिए सबसे पहले आंतरिक समिति (आईसी) से मिलें। 10 से अधिक लोगों को नियुक्त करने वाले प्रत्येक संगठन को ऐसी समिति बनाना जरूरी है। शिकायत असंगठित क्षेत्र या ऐसे कार्यस्थल, जहां आईसी नहीं है तो अधिकार क्षेत्र के जिला मजिस्ट्रेट से शिकायत की जा सकती है।
- **कितने वक्त में कर सकते हैं शिकायत?** शिकायत घटना के 3 महीने के भीतर की जाए। उचित आधार व सबूत हैं, तो 6 महीने में कर सकते हैं।
- **दोषी पाए जाने पर आरोपी का क्या होगा?** दोषी पाए गए व्यक्ति पर अनुशासनात्मक कार्रवाई

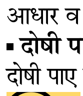

हो सकती है। इसमें तबादला, क्षतिपूर्ति, पदोन्नति रुकना, नौकरी से हटाना शामिल है। झूठी शिकायत पर शिकायतकर्ता पर भी ऐसी कार्रवाई संभव है।

और तीन जगह भी शिकायत के विकल्प हैं

1. **शी बॉक्सः** पोर्टल www.shebox.nic.in पर शिकायत दर्ज की जा सकती है। शी बॉक्स इस शिकायत को तो सीधे संबंधित मंत्रालय / PSU / विभागों / संगठनों के ICC को भेज देगा।
2. **राष्ट्रीय महिला आयोगः** वेबसाइट ncw.nic.in पर रजिस्टर ऑनलाइन शिकायत पर क्लिक करें। या ncw.nic.in/onlinecomplaintsv2/frmububegeg/2010 पर शिकायत पेज पर जा सकते हैं।
3. पुलिस अधिकारी सेः दंड प्रक्रिया संहिता 154 के तहत एक एफआईआर निकटतम पुलिस थाने में पुलिस अधिकारी के पास दायर कराई जा सकती है।

भास्कर ग्राउंड रिपोर्ट • बालाकोट स्ट्राइक की तीसरी वर्षगांठ

पाक सेना एलओसी के पास कर रही निर्माण, 200 आतंकी घुसपैठ को तैयार

मोहित कंधारी | जम्मू

बालाकोट एयर स्ट्राइक के शनिवार को तीन साल पूरे हो गए। तब 26 फरवरी 2019 को पुलवामा के हमले का बदला लेने के लिए भारतीय वायुसेना ने सीमा के पार जाकर आतंकियों का खात्मा करने के लिए कार्रवाई की थी। उस कार्रवाई के बाद जम्मू-कश्मीर में सीमा पर तैनात जवानों को आधुनिक हथियारों से लैस करने की प्रक्रिया भी शुरू की गई। इस बीच, जम्मू-कश्मीर की 750 किमी के सीमावर्ती क्षेत्रों के लोग बीते एक साल से शांति से रहे हैं, लेकिन सीमा पर तैनात जवान अलर्ट मोड पर हैं। आंतकियों की किसी भी कोशिश को नकाम करने के लिए वे हर तरह से तैयार हैं। हाल ही में आई सिक्योरिटी एसेसमेंट रिपोर्ट के अनुसार 24-25 फरवरी 2021 को हुए सीज फायर (शांति समझौते) के बाद भारतीय सेना अब भी आतंकियों के ट्रेनिंग कैप और बॉर्डर के आसपास चल रही कंस्ट्रक्शन गतिविधियों पर पैनी नजर रखे हुए है। खासकर उन क्षेत्रों में जहां पाकिस्तानी सेना को खासा नुकसान झेलना पड़ा था। वहां जमीनी हालात से पता चलता है कि पाकिस्तानी सेना ने इस अवधि का उपयोग नियंत्रण रेखा (एलओसी) के आसपास इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण के लिए किया है। श्रीनगर में आयोजित एक हाईलेवल रिव्यू मीटिंग में अफगानिस्तान से लौट रहे पाकिस्तानी आतंकियों के संबंध में चर्चा की गई। वह भारतीय सीमा में घुसपैठ करें, उससे पहले ही उनकी पहचान की जा रही है, ताकि उनका खात्मा किया जा सके। सूत्रों ने बताया कि फिलहाल जम्मू-कश्मीर के आसपास करीब 160 आतंकी सक्रिय हैं। इसके अलावा 200 आतंकी लॉन्चिंग पैड पर घुसपैठ करने के आदेश का इंतजार कर रहे हैं। 2021 से चलाए गए 100 से अधिक ऑपरेशन में 182 आतंकी और उनके 44 कमांडरों सहित 20 विदेशियों का सफाया किया जा चुका है। सूत्रों ने कहा कि चिंता की बात ये है कि आतंकी संगठनों ने 15 से 17 साल के लड़कों को बरगलाकर आतंकी बनाना शुरू कर दिया है।

जवान फिनलैंड की स्नाइपर, इजराइली एलएमजी से लैस

एलओसी पर तैनात भारतीय जवानों को फिनलैंड की स्नाइपर और इजरायली एलएमजी राइफल से लैस कर दिया गया है। फिनलैंड की साको टीआरजी 42 स्नाइपर राइफल को फिनिश गन मेकर साको ने विकसित किया है। यह राइफल पॉवरफुल कार्टेज के हिसाब से बनाई गई है। 5 किलो वजनी ये स्नाइपर 1500 मीटर तक सटीक निशाना लगा सकती है। वहीं, इजरायल की एलएमजी को नए वर्जन एनजी-7 से रिप्लेस किया गया है। इससे सिंगल बुलेट भी दागा जा सकता है। ऑटोमेटेड मोड पर एक मिनट में यह 700 बुलेट तक चला सकती है। इसका वजन 7.5 किलो है। एलएमजी से वाहन, हेलीकॉप्टर और जहाज को भी निशाना बनाया जा सकता है।

साको टीआरजी 42

देश में 5 साल तक के 15 करोड़ बच्चों को मिलेगी पोलियो खुराक

एजेंसी | नई दिल्ली

अभी पड़ोसी देश पोलियो से मुक्त नहीं हुए हैं, इसलिए भारत को सतर्क रहने की जरूरत है। यह बात स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने कही है। उन्होंने मंत्रालय में 5 साल से कम उम्र के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर वर्ष 2022 के पोलियो अभियान की शुरुआत की। उन्होंने ने कहा कि 5 साल से कम उम्र के करीब 15 करोड़ बच्चों को आने वाले महीनों में पोलियो रोधी टीके दिए जाएंगे।

फोन टैपिंग मामले में आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला पर केस

एजेंसी | पुणे

महाराष्ट्र के पुणे में पुलिस ने अवैध फोन टैपिंग के मामले में आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। एक अधिकारी ने कहा, 'रश्मि शुक्ला के खिलाफ बंड गार्डन पुलिस स्टेशन में भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम की धारा 26 के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन पर 2015 से 2019 के बीच नेताओं के फोन टैप कराने का आरोप है।' शुक्ला मार्च 2016 से जुलाई 2018 के बीच पुणे की पूर्व पुलिस आयुक्त थीं। अभी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं और हैदराबाद में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के अतिरिक्त महानिदेशक के रूप में तैनात हैं। उधर, पुणे पुलिस ने कहा, '2015 से 2019 के बीच नेताओं के फोन टैपिंग के आरोपों की जांच के लिए एक समिति बनाई गई थी। समिति की अध्यक्षता तत्कालीन डीजीपी संजय पांडे ने की थी। समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि रश्मि ने पुणे पुलिस आयुक्त रहते हुए अवैध रूप से फोन टैप किए थे।

तेलंगानाः विमान क्रैश, महिला ट्रेनी पायलट की मौत

हैदराबाद | तेलंगाना के नलगोंडा जिले में शनिवार को निजी विमानन अकादमी का एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें एक महिला प्रशिक्षु पायलट की मौत हो गई। एक अधिकारी ने बताया कि पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश की ओर से आया विमान दिन में एक गांव में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। महिला प्रशिक्षु पायलट की मौके पर ही मौत हो गई। नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि जांच के लिए टीम को भेजा गया है।

भास्कर खास • इंडिया मार्ट समेत 42 ऑनलाइन, 35 बाजारों का स्तर घटिया पाया गया

डुप्लीकेट सामान बेचने पर दिल्ली का पालिका बाजार समेत अमेरिका ने भारत के 3 मार्केट किए ब्लैक लिस्ट

न्यूयॉर्क से भास्कर के लिए
मोहम्मद अली

अमेरिका की ट्रेड अथॉरिटी ने भारत के तीन बाजारों को ब्लैक लिस्ट कर दिया है। इसमें दिल्ली का पालिका बाजार, मुंबई का हीरा पन्ना बाजार और कोलकत्ता का किद्दरपुर बाजार शामिल है। यह कार्रवाई अमेरिकी ब्रांड्स के डुप्लीकेट सामान बेचने पर लागातार मिल रही शिकायतों के बाद की गई है। इसके साथ ही अथॉरिटी ने इंडिया मार्ट और कुछ अन्य ई-कामर्स वेबसाइट को भी काली सूची में डाला है। अमेरिकी अथॉरिटी का आरोप है कि इन बाजारों में उनके ब्रांड्स के डुप्लीकेट सामान 10 गुना कम दाम पर बिकते हैं। सबसे ज्यादा डुप्लीकेट चीजें इलेक्ट्रॉनिक्स और कपड़ों हैं। ग्लोबल ट्रेड रिप्रजेंटेटिव कैथरिन ताई ने 2021 में नकली सामान बेचने के नाम पर सभी बाजारों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि डुप्लीकेट और पायरेटेड सामाग्री बेचने से वैश्विक कारोबार प्रभावित हो रहा है। साथ ही अमेरिकी इनोवेशन और क्रिएटिविटी घटने से अमेरिकी कामगारों को नुकसान हो रहा है। इस रिपोर्ट में 42 ऑनलाइन मार्केट और 35 बाजारों का जिक्र किया गया, जो लगातार ट्रेडमार्क और कॉपीराइट का उल्लंघन कर रहे थे। अमेरिकी अधिकारियों ने भास्कर को बताया कि पालिका बाजार जैसे बाजार अरबों डॉलर के महंगे ब्रांडों की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाते हैं। इसलिए ब्लैकलिस्ट कर अमेरिकी पर्यटकों को ऐसे बाजारों से सावधान रहने के की सलाह दी गई है। इधर, इंडियन ट्रेड एसोसिएशन ने इस रिपोर्ट को नकारते हुए कहा है कि ऐसा नहीं है। कुछ डुप्लीकेट कॉस्मेटिक्स किद्दरपुर मार्केट कोलकता में मिले हैं। इससे कई लोगों ने आंखों में जलन, त्वचा संबंधी दिक्कते हुई हैं।

चीन से सबसे ज्यादा 78 फीसदी डुप्लीकेट सामान बरामद हुआ

वैश्विक स्तर पर अमेरिका का 2.5% डुप्लीकेट सामान बिकता है। ये करीब 37 लाख करोड़ रुपए का है। डुप्लीकेट सामान सबसे ज्यादा चीन में बनता है। हॉन्गकॉन्ग से चीनी कारोबारी समुद्र के रास्ते डुप्लीकेट सामान भारत भेजते हैं। छापेमारी में 78% डुप्लीकेट सामान चीन से मिलीं हैं। ब्लैक लिस्ट बाजार में बीजिंग सिल्क मार्केट भी है।

उम्मीदवार को भर्ती प्रक्रिया के किसी भी चरण में ग्रीवांस रिड्रेसल की मंजूरी नहींः कोर्ट

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि भर्ती प्रक्रिया में किसी उम्मीदवार को किसी भी चरण में शिकायत निवारण के लिए संपर्क करने की छूट नहीं दी जा सकती। जस्टिस एसके कौल के नेतृत्व वाली बेंच ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया कहीं न कहीं बंद करनी होगी और यह अनंतकाल तक नहीं चल सकती। यह मामला 1999 का है और यह 2022 है, जो कि अपने आप में किसी तरह की राहत देने में बाधा है।

बेंच एक व्यक्ति की अपील पर सुनवाई कर रही थी जिसने 1999 में सब असिस्टेंट इंजीनियर के पद के लिए आवेदन किया था। उसने मेडिकल फिटनेस टेस्ट पास कर लिया था, लेकिन पुलिस सत्यापन रिपोर्ट प्राप्त न होने के कारण उसकी नियुक्ति नहीं हो सकी। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि उसने नियुक्ति पत्र के लिए 7 साल तक इंतजार किया और उसके बाद राज्य प्रशासनिक अधिकरण में अपील की। उसके आवेदन पर विचार के लिए निर्देश दिए गए।

दैनिक भास्कर

अपने शहर की रियल टाइम खबरें पढ़ने के लिए डाउनलोड करें दैनिक भास्कर ऐप

मणिपुरः चुनावी हिंसा में 10 जख्मी, एक दर्जन वाहन तोड़े

भास्कर न्यूज | इंफाल

चुनावी हिंसा और तोड़फोड़ की कुछ घटनाओं के बीच शनिवार की शाम मणिपुर के पहले चरण के मतदान के लिए चुनाव प्रचार थम गया। सोमवार 28 फरवरी को राज्य की 60 में से 38 सीटों के लिए वोटिंग होनी है। प्रचार के अंतिम दिन टेंग्नोउपाल इलाके के खारोउ खुलेन में निर्दलीय प्रत्याशी टटंगा कोहाई मोशिल्फा की सभा में कथित एनपीएफ समर्थकों ने हमला कर तकरीबन एक दर्जन वाहनों में तोड़फोड़ की। घटना में घायल 10 लोगों को इंफाल में इलाज के लिए ले जाया गया है। निर्दलीय प्रत्याशी की ओर से एनपीएफ समर्थकों के खिलाफ पुलिस में रिपोर्ट की गई है। शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान के लिए अत्यंत कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन अब पूरे देश में

नई दिल्ली | केंद्र ने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन को पूरे देश में लॉन्च करने को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय कैबिनेट ने शनिवार को योजना में अगले पांच साल के लिए 1,600 करोड़ का बजट आवंटित किया है। इसके तहत लोगों को डिजिटल स्वास्थ्य आईडी दी जाएगी।

'न्यायिक तंत्र में सुधार में सरकार की मदद जरूरी'

नई दिल्ली | चीफ जस्टिस एनवी रमना ने कहा है कि देश के ज्यूडिशियल इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार के लिए सिर्फ धन देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि सरकार को इसमें सहयोग करना होगा। उन्होंने कहा कि न्यायिक बुनियादी ढांचे में सुधार के समन्वय और निगरानी के लिए संस्थागत तंत्र स्थापित करने की जरूरत है। जबकि हम न्यूनतम मानकों को भी पूरा नहीं करते हैं।

भास्कर Original • कोविड से उबरने के बाद रोज 3.5 करोड़ से 4 करोड़ तक दान और कमाई, फिर भी...

तिरुपति में सेवा टिकट कई गुना महंगे, बोर्ड पर सनातन धर्म के खिलाफ होने का आरोप

एमएस शंकर | तिरुपति

तिरुपति मंदिर की देखरेख करने वाली संस्था तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) बोर्ड के सेवा टिकट की दरें बढ़ने से विवाद हो गया है। इसके साथ ही बोर्ड पर सनातन धर्म को नष्ट करने के आरोप लगने लगे हैं। मंदिर को अगम शास्त्र द्वारा संचालित किया जा रहा है और इसका प्रबंधन उन लोगों के द्वारा किया जाता है, जिनकी हिंदू धर्म में आस्था है। लेकिन, विपक्ष के कुछ नेता बोर्ड के अध्यक्ष वाईवी सुब्बा रेड्डी और एक महिला ट्रस्टी पर अंगुली उठा रहे हैं, क्योंकि दोनों ईसाई हैं। एक मुख्य सचिव को सेवानिवृत्ति के चंद महीनों पहले सीएस पद से हटाकर अन्य पद पर भेज दिया गया। पूर्व अविभाजित आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे वाईएस राजशेखर रेड्डी के रिश्तेदार सुब्बा रेड्डी को अपनी हिंदू पहचान दिखाने के लिए अयप्पा भक्त के काले कपड़े पहनने पड़ रहे हैं। अब सेवा टिकट में वृद्धि से मामला और गरमा गया है। टीडीपी के विधायक जीबी चौधरी का कहना है कि कोरोना के दौरान श्रद्धालुओं के न पहुंचने से मंदिर को राजस्व का नुकसान हुआ है, लेकिन अब मंदिर में देश-विदेश से करीब 50 हजार श्रद्धालु रोजाना पहुंचने लगे हैं। रोजाना 3.5 करोड़ से 4 करोड़ रुपए की आय हो रही है। ऐसे में सेवा टिकट बढ़ाने की क्या जरूरत है? इससे बोर्ड में शामिल लोगों के इरादों को लेकर संदेह पैदा होता है। हमें लगता है कि ऐसा फैसला हिंदुओं को मंदिर आने से हतोत्साहित करने के लिए है। हालांकि श्रद्धालुओं के दबाव और विरोध के बाद इस निर्णय को रोक लिया गया है।

सेवा टिकट में वृद्धि (रु.)

पूजा	पहले	अब
सुप्रभातम	120	2000
थोमला सेवा	220	5000
कल्याणोत्सवम	1000	2500
आशीर्वचनम	3000	10500
श्रीवरि	500	10,500
वासरामसेकर्ण	50 हजार	1 लाख

रोज 80 हजार से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचते हैं दर्शन करने

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार पिछले साल जनवरी 2021 में कोविड-19 के दौरान मंदिर में रोजाना औसतन 2.96 करोड़ की प्राप्ति होती थी। इस साल जनवरी में औसत आय 3.15 करोड़ रु. रही। जनवरी 2020 में 25.62 लाख लोगों ने दर्शन किए और 91.88 करोड़ की आय हुई थी। औसतन रोजाना आने वालों की संख्या 82,675 थी। हालांकि जनवरी 2021 के पूरे महीने में केवल 12.64 लाख ने दर्शन किए थे। औसतन रोजाना श्रद्धालुओं की संख्या 40,804 तक कम होने के बावजूद 97.93 करोड़ की आय प्राप्त हुई। फरवरी से पिछले 8 दिनों में औसत श्रद्धालुओं की संख्या 50 हजार तक पहुंच गई है और की औसत आय 3.79 करोड़ से अधिक हो गई है। इसी अवधि में पिछले साल औसत श्रद्धालु और औसत आय 73,923 और 3.30 करोड़ रु. रही है।

जानकार लोग कह रहे- भक्तों से पैसे लेना अनुचित और शर्मनाक

राजनीतिक टिप्पणीकार ए. राम मोहन राव का कहना है कि सेवा टिकट बिक्री अनुचित और अस्वीकार्य है। बोर्ड द्वारा अन्नदानम और अन्य जनकल्याण कार्यक्रमों के लिए दान लेना भी गलत है। जब मंदिर के पास पहले से ही इतनी धनराशि है तो दान लेने का क्या अर्थ है। यह शर्मनाक है। मंदिर की धनराशि कहां जा रही है... इसकी जांच होनी चाहिए।

सेहत मंत्रालय की सेंट्रल काउंसिल के लिए एजेंडा तय

बजट का 8% स्वास्थ्य पर खर्च करने का रोडमैप बनेगा

अभी राज्यों में बजट का औसतन 5.26% हेल्थ पर खर्च हो रहा है

पवन कुमार | नई दिल्ली

देश में स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने के लिए सभी राज्य सरकारों से उनके बजट का 8% हिस्सा स्वास्थ्य पर खर्च करने को कहा जाएगा। इस लक्ष्य को पाने के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की सेंट्रल काउंसिल की बैठक 21 से 23 अप्रैल तक गुजरात के केवड़िया में होगी। इसमें राज्यों के साथ मिलकर रोडमैप तैयार किया जाएगा। वित्त वर्ष-2021-22 के बजट के अनुसार देश के 21 छोटे-बड़े राज्यों ने मिल कर अपने बजट की महज 5.26% (2,36,438 करोड़) रकम स्वास्थ्य पर खर्च की। यदि सरकार इस बजट का 8% स्वास्थ्य पर खर्च करे तो करीब सवा लाख करोड़ रुपए राज्यों की हिस्सेदारी बढ़ जाएगी। वित्त वर्ष-2021-22 में केन्द्र ने कुल बजट का सिर्फ 2.52% स्वास्थ्य पर खर्च किया।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नेटवर्क का विस्तार

राज्य	स्वास्थ्य बजट	%
बिहार	13,012	5.96
दिल्ली	9,934	14.39
हिमाचल	2,976	5.92
हरियाणा	7,317	4.70
पंजाब	4,662	2.77
झारखंड	4,445	4.86
मध्य प्रदेश	11,619	4.94
राजस्थान	16,269	6.48
छत्तीसगढ़	5,902	5.75
महाराष्ट्र	19,060	3.93
गुजरात	11,304	5.06

(नोट : वित्त वर्ष-2021-2022 के बजट के अनुसार)

देश के पिछड़े इलाके, तालुका और गांवों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शुरू करने का भी रोडमैप तैयार किया जाएगा। राज्य स्तर पर पब्लिक हेल्थ मैनेजमेंट कैडर बनाया जाएगा। निजी क्षेत्र को आमंत्रित किया जाएगा, ताकि दूर-दराज के इलाकों में अस्पताल और क्लीनिक की संख्या बढ़ सके। इसके लिए रियायती दर पर सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट डॉ. चन्द्रकांत लहारिया का कहना है कि यदि ऐसा होता है तो सरकार को स्वास्थ्य क्षेत्र में खाली पड़े पदों को भरने और वर्तमान जरूरतों को देखते हुए नए पद तैयार करने में मदद मिलेगी। हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मजबूत होगा।

राजस्थानः डूंगरपुर के बैंक से लूटे ₹1.18 लाख, नोट उड़ाते भागे

भास्कर न्यूज | पूंजपुर/डूंगरपुर

जिले के बनकोड़ा गांव के बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा में गुरुवार दोपहर को तीन नकाबपोश बदमाशों ने दिनदहाड़े लूट की वारदात को अंजाम दिया। करीब 4 मिनट में पूरी वारदात को अंजाम दिया। 1 लाख 18 हजार 956 रुपए लूट ले गए।

बैंक मैनेजर काशीराम ने बताया कि वारदात के दौरान बैंक स्टाफ ने समझदारी दिखाते हुए अंदर से लॉकर रूम बंद कर दिया। इस कारण लॉकर में रखे कीमती जेवर और नकदी लुटने से बच गई। बदमाशों ने पिस्तौल दिखाकर 4 मिनट में वारदात की। बदमाशों ने कैश काउंटर से नोट लिए और बाइक से भागते समय सड़क पर 10-20 रुपए के नोट उड़ाए। घटना की सूचना मिलते ही दोवड़ा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने बैंक से सीसीटीवी फुटेज को खंगाला। फुटेज के जरिये बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। हालांकि इस तरह से बैंक के अंदर दिनदहाड़े घुस कर लूट की यह पहली वारदात बताई जा रही है।

देश में पहली बार मोबाइल जांच यूनिट राजस्थान में

घटनास्थल पर दुष्कर्म समेत सभी केसों में सैंपलिंग; थाने जाने की जरूरत नहीं

1 यूनिट में आईओ समेत 4 पुलिस कर्मचारी, जल्द शुरू होगा प्रशिक्षण

उदय चौधरी | जयपुर

प्रदेश में बढ़ रहे अपराध को देखते हुए पुलिस मुख्यालय ने बड़ा कदम उठाया है। सभी जिलों के बड़े पुलिस थानों को घटनास्थल पर प्राथमिक जांच के लिए मोबाइल अनुसंधान यूनिट मिलेगी। मोबाइल अनुसंधान यूनिट वाला राजस्थान देश का पहला राज्य है। प्रथम फेज में पुलिस मुख्यालय ने 10 करोड़ से 71 मोबाइल अनुसंधान यूनिट तैयार करवाई है। मार्च के पहले सप्ताह में जिलों को भेजी जाएगी। जिन जिलों में अपराध के आंकड़े ज्यादा हैं, वहां एक से अधिक मोबाइल यूनिट भेजी जाएगी। एडीजी गोविंद गुप्ता के अनुसार इस मोबाइल अनुसंधान यूनिट को इस तैयार किया गया है कि किसी भी तरह के आपराधिक मामले का अनुसंधान पूर्व किया जा सकता है। ये यूनिट मिनी बस में तैयार की गई। बस में कंप्यूटर या लैपटॉप और प्रिंटर होगा ताकि कागजी कार्रवाई करके प्रिंट निकालकर हस्ताक्षर करवा सकते हैं।

मादक पदार्थों की तत्काल जांच, सबूत नहीं मिट सकेगा

- **सर्च लाइट** : रात के समय घटनास्थल पर सर्च करने के लिए हाई पावर सर्च लाइट उपलब्ध कराई जाएगी।
- **अनुसंधान किट** : मौके पर पहुंचते ही अनुसंधान किट के जरिए पूरे एरिया को सील कर दिया जाएगा।
- **सेक्सुअल असॉल्ट किट** : महिला अत्याचार से जुड़े मामलों की जांच के लिए जरूरी चीजों से तैयार किया हुआ सेक्सुअल असॉल्ट किट रहेगा।
- **नारकोटिक्स किट** : मादक पदार्थों से जुड़े मामलों की जांच के लिए जरूरी सामान से तैयार किया हुआ नारकोटिक्स किट रहेगा। जिससे मादक पदार्थ की प्राइमरी जांच और सैंपलिंग की जा सके।
- **सुरक्षा का सामान** : कई जगह पर कानून व्यवस्था की दिक्कत होती है। ऐसे में इस यूनिट में हेलमेट, डंडा व सुरक्षा कवच भी रखे रहेंगे।

▪ जिन जिलों में अपराध का आंकड़ा अधिक है, वहां दो यूनिट भेजी जाएगी, जयपुर जिले को 5 यूनिट मिलेंगी।

10 करोड़ रुपए की लागत से ऐसी 71 यूनिट बनाई गई हैं।

दैनिक भास्कर

चुनावी खबरों से रहे रुबरु

हमारे 500+ रिपोर्टर्स हर जिले/हर कस्बे से पहुंचा रहे हैं रियल टाइम खबरें

पाएं अपने शहर की पल-पल की अपडेट,

डाउनलोड करें दैनिक भास्कर ऐप

राज्य-शहर में अपना शहर चुनें

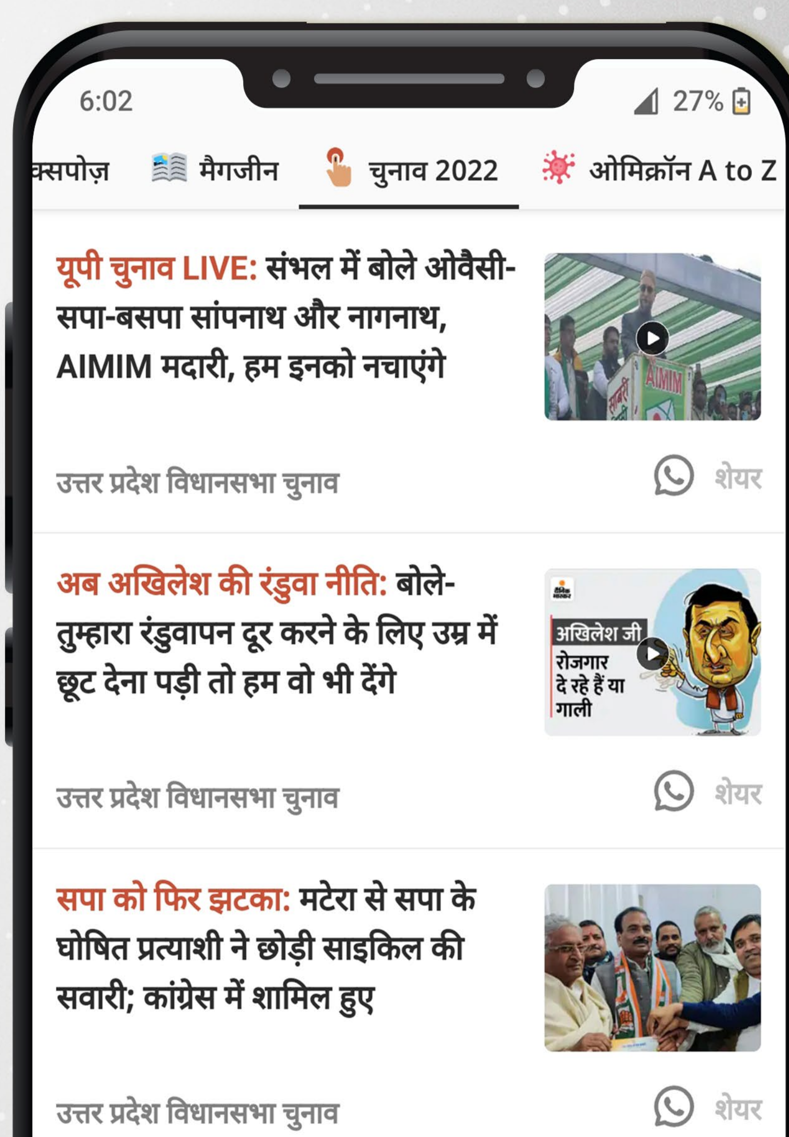

डाउनलोड के लिए

क्लिक करें

देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार समूह

1 करोड़ से अधिक डाउनलोड | ★★★★★ रेटिंग